मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.0	14.8
जमशेदपुर	28.0	15.0
डालटनगंज	26.4	10.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार, 12 फरवरी 2024 ● माघ शुक्ल पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 295 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

पलाश
झारखण्ड

सखी मंडल की महिलाओं का
राज्यस्तरीय एक्सपोजर एवं क्षमता संवर्धन शिविर-सह-

महिला महासम्मेलन

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार

दिनांक : **12 फरवरी, 2024** | समय : **12.30 बजे अपराह्न**
स्थान : मोरहाबादी मैदान, रांची

55 हजार महिला सखी मंडलों को आजीविका हेतु
₹825 करोड़
की सहायता और क्रेडिट सपोर्ट का वितरण

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

पलाश (झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रोमोशन सोसाईटी)
ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

▼ ब्रीफ खबरें

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद भी नहीं लगी नौकरी

रांची। पारा शिक्षक के तौर पर चयनित होने के बावजूद आज भी रंजीत कुमार अपनी नौकरी पाने के लिए चक्कर काट रहे हैं. रंजीत कुमार का चयन उत्क्रमित मध्य विद्यालय, काशीटांड लोहरदगा में पारा शिक्षक के तौर पर हुआ था. ग्रामसभा के द्वारा इनका चयन किया गया था, जिसे तत्कालीन बीडीओ, सीओ, बीपीओ, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने जिले के लिए अनुमोदित कर दिया था. चयनित 30 लोगों में से 29 की नौकरी तो हो गयी, लेकिन रंजीत कुमार को नहीं मिली. इसके बाद रंजीत कुमार ने हाई कोर्ट की शरण ली. हाई कोर्ट ने भी इनके पक्ष में फैसला दिया, लेकिन इसके बावजूद इनकी ज्वाइनिंग पारा शिक्षक के तौर पर नहीं हुई. बता दें कि ग्राम सभा की मीटिंग में इनके नाम पर मुहर लग गयी थी. रंजीत कुमार पूछते हैं कि उन्हें क्यों नहीं रखा जा रहा है. मैंने बाबूओं- अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटे. सुनवाई नहीं होने पर झारखंड हाई कोर्ट में गुहार लगाई.

झासा की कार्यकारिणी की बैठक में विचार-विमर्श

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत संघ भवन में आयोजित हुई. झासा की अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम की अध्यक्षता में आहूत इस बैठक में राज्य प्रशासनिक सेवा से जुड़े कई समसामयिक विषयों पर विमर्श हुआ. इस बैठक में महासचिव राहुल कुमार, संयुक्त सचिव मीना, कोषाध्यक्ष राम नारायण सिंह, मीडिया प्रभारी संजय कुमार, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र कुमार पांडे ने भी अपने विचार रखे. बैठक में निर्णय लिया गया कि हाल ही में जिन सदस्यों कोझारखंड प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति मिली है, उन सभी के लिए संघ की ओर से अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा. उसी दिन झासा के उन अधिकारियों का विदाई सह सम्मान होगा, जो रिटायर हो गए हैं. अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम ने झासा की जिला इकाइयों से भी अपील करते कहा कि वे निर्धारित अंतराल पर जिलों में झासा की बैठक जरूर करते रहें.

झारखंड के बजट में दिखेगी चुनावी झलक

रांची। विधानसभा में शीघ्र ही बजट सत्र की शुरुआत होगी. तैयारियां तो पहले से ही हो रही हैं. इस बार बजट में चुनावी वर्ष का प्रतिबिंब भी दिखेगा और कई बड़ी घोषणाओं को जगह देने की कोशिश की जाएगी. वित्त विभाग तैयारियों में जुटा हुआ है. अभी तक की तैयारियों के अनुसार विभाग के पास सभी अन्य विभागों से मांगों से संबंधित ब्यौरे पहुंच चुके हैं. सत्र 23 फरवरी से शुरू होकर नौ मार्च तक चलने का अनुमान लगाया जा रहा है. अधिक संभावना है कि 27-28 को बजट पेश किया जाए. अभी तक की तैयारियों के अनुसार बजट लोक-लुभावन होगा. इसी के आधार पर सरकार विधानसभा चुनाव में उतरेगी. बड़े पैमाने पर ग्रामीण और शहरी इलाकों में सड़कों के लिए योजनाओं को स्वीकृति दी जाएगी. पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग के बजट में इजाफा होगा तो कृषि भी सरकार के फोकस में है. कृषि विभाग की कई योजनाओं के लिए सरकार खजाने का मुंह खोलने जा रही है. स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार का बजट पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ना तय है.

आजसू पार्टी के चतरा के प्रतापपुर में पंचायत और ग्राम प्रतिनिधियों के सम्मेलन में आजसू प्रमुख सुदेश महतो बोले

झारखंड में चल रही सरकार ने राज्य की छवि बिगाड़ कर रख दी

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी ने चतरा के प्रतापपुर में पंचायत और ग्राम प्रतिनिधियों का सम्मेलन किया. कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो शामिल हुए. उन्होंने कहा कि झारखंड में चल रही सरकार ने राज्य की छवि बिगाड़ कर रख दी है. जिस तरह के हालात बने हैं उसमें राज्य को संवारना और साख बचाना जरूरी है. साथ ही जवाबदेह राजनीति को स्थापित करना होगा. राज्य के लोगों का शासन पर से विश्वास खत्म हो गया है. नियोजन, विस्थापन की समस्या दूर करने और स्थानीय नीति बनाने का वादा कर के सत्ता में आए लोग अपने वादे को भूल गए हैं.

जुटे लोग

- राज्य को संवारने के साथ ही साथ साख बचाना है जरूरी
- राज्य में जवाबदेह राजनीति को स्थापित करना होगा
- राज्य के लोगों का शासन पर से विश्वास खत्म हो गया है

आरोपः बिना रिश्वत दिये कोई फाइल पर हाथ लगाता ही नहीं

सुदेश महतो ने कहा कि चतरा के प्रति हमारी राजनीतिक जवाबदेही और जिम्मेदारी है. पार्टी के सभी कार्यकर्ता जनता के विचारों को एकत्रित करने का काम करें. जोरी को ब्लॉक बनाने के हमारे मंत्रिमंडल का फैसला आज आज भी स्थगित है. आजसू पार्टी जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर है. उन्होंने कहा कि आज राज्य का कोई भी कर्मचारी और पदाधिकारी बिना पैसे लिए किसी फाइल पर हाथ नहीं लगाता.

श्रम मंत्री बन भोक्ता सिर्फ 54 लोगों के दे पाए नौकरी

चतरा के विधायक और चंपई सरकार में मंत्री सत्यानंद भोक्ता पर निशाना साधते हुए सुदेश ने कहा कि चतरा की जनता ने उन्हें जनप्रतिनिधि बना कर सदन में भेजा. इनके श्रम एवं नियोजन मंत्री होते हुए भी मात्र 54 लोगों को नौकरी ही मिल पाई. वह भी होम गार्ड और कंप्यूटर ऑपरेटर की. युवाओं को नियोजन से जोड़ने के लिए नियोजन नीति बनाने में भी मंत्री विफल रहे. कहा कि सरकार रोजगार मेले का आयोजन कर प्राइवेट कंपनियों में युवाओं को काम के नाम पर ऑफर लेटर थमा देती है, पर दूसरे राज्यों में जाकर 10- 12 हजार के काम से किसी का घर-बार चलता है क्या. जो लोग बाहर गए वो भी काम छोड़ कर वापस आ गए. राज्य के युवा इसका जवाब इन्हें देंगे.

आज से बदलेगा मौसम का मिजाज

रांची। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम का मिजाज बदलने वाला है. इसके लिए लोगों को पहले से ही सावधान रहना होगा.राज्य में बारिश हो सकती है. ऐसे में लोगों को और सतर्क रहना होगा. सोमवार से आसमान में काले बादल छाये रहेंगे. बारिश के साथ वज्रपात और तेज हवाएं चलने की संभावना है. इससे ठंड बढ सकती है. वैसे सोमवार से ही राज्य में मौसम बदलने के आसार हैं. 13 और 14 फरवरी को प्रदेश के 14 जिलों में बारिश की संभावना है. इस दौरान तापमान में गिरावट हो सकती है.मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि मौसम को लेकर पहले ही येलो अलर्ट जारी किया जा चुका है. इस दौरान वज्रपात की भी आशंका है, इसलिए लोगों को बदले मौसम के अनुसार खुद ही सतर्क रहना होगा. हालांकि बारिश की वजह से तापमान में भी गिरावट आ सकती है.

सीएम के जेल जाने से लेकर निर्दलीय के सीएम बनने तक के हैं नायाब रिकॉर्ड

विडंबनाओं का प्रदेश है झारखंड

संवाददाता। रांची

झारखंड विडंबनाओं का प्रदेश बन गया है. देश की 40 फीसदी खनिज संपदा झारखंड में है, लेकिन नीति आयोग की इसी जनवरी में आई रिपोर्ट बताती है कि यह देश का दूसरा सबसे गरीब सूबा है. प्रदेश की 28.81 फीसदी आबादी बहुआयामी गरीबी के दायरे में है. पिछले 23 सालों में यहां 12 मुख्यमंत्री आए-गए, लेकिन इसने गरीबी में सेकंड टॉप का "खिताब" टस से मस नहीं होने दिया. सियासी सूचकांकों पर इस राज्य ने ऐसे नायाब रिकॉर्ड कायम किए हैं, जो पूरे देश में कहीं और नहीं मिलेंगे. हाल में इस फेहरिस्त में और एक और रिकॉर्ड तब जुड़ गया जब सीएम की कुर्सी पर रहते हुए हेमंत सोरेन को ईडी ने भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार कर लिया. किसी सीएम की गिरफ्तारी की देश में यह संभवतः पहली घटना है.

चंपाई सोरेन के पहले राज्य में छह सीएम बने. इनमें से तीन शिबू सोरेन, मधु कोड़ा और हेमंत सोरेन को अलग-अलग मामलों में जेल जाना पड़ा. यानी राज्य में सीएम-पूर्व सीएम की जेल यात्राओं का रिकॉर्ड फिफ्टी-फिफ्टी है.

सिर्फ रघुवर ने पूरा किया कार्यकाल

झारखंड में अब तक मात्र रघुवर दास ऐसे सीएम रहे, जिन्होंने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया. यहां की 82 सदस्यीय विधानसभा में आज तक किसी एक पार्टी ने अकेले अपने बूते बहुमत नहीं हासिल किया और न ही चुनावों के बाद कोई सरकार रिपीट हुई. यहां हमेशा गठबंधन की सरकारें रहीं. झारखंड में सोरेन परिवार (शिबू सोरेन-हेमंत सोरेन) के पास सरकार की कमान अब तक पांच दफा आई है और इनका सत्ता काल कुल मिलाकर तकरीबन छह साल पांच महीने का ही रहा. हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन तीन बार सीएम बने, लेकिन उनका कुल कार्यकाल तकरीबन साढ़े दस महीने का रहा. पहली बार वे मात्र 10 दिनों के लिए सीएम बने. दूसरी बार उन्होंने 27 अगस्त 2008 को सीएम पद की शपथ ली, लेकिन तमाड़ विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव हारने की वजह से उन्हें पांच महीने बाद 12 जनवरी 2009 को कुर्सी छोड़नी पड़ी.

पिता के बाद पुत्र भी गये जेल

अब शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन को रांची में साढ़े आठ एकड़ जमीन के घोटाले में बीते 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया. उन्होंने ईडी की हिरासत में राजभवन पहुंचकर सीएम पद से इस्तीफा दिया था. जिसमें हेमंत सोरेन बुरी तरह घिरे हैं. माइनिंग स्कैम, पत्थर खदान लीज, पत्नी-रिश्तेदारों और करीबियों के नाम पर माइन्स और भू-खंड के आवंटन, झारखंड में लागू जमीन के विशेष कानून सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लंघन कर कई जगहों पर जमीन खरीदने जैसे आरोप भी चार साल के सीएम के कार्यकाल के दौरान उनका पीछा करते रहे.

मधु कोड़ा ने बनाया था रिकॉर्ड

देश में पहली बार झारखंड में ही एक निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा के सीएम बनने का रिकॉर्ड बना था. वह 18 सितंबर 2006 से लेकर 23 अगस्त 2008 तक इस कुर्सी पर बने रहे. कांग्रेस, राजद, राकांपा और निर्दलीयों के समर्थन की बदौलत 709 दिनों तक चली उनकी सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के नायाब रिकॉर्ड बने. उनकी सरकार में 12 मंत्री थे. इनमें से 6 यानी कुल 50 फीसदी मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे और उनके खिलाफ सीबीआई जांच बैठी.

कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप

पूर्व मंत्री हरिनारायण राय पर भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति का आरोप साबित हुआ. सीबीआई कोर्ट ने 2016 में उन्हें पांच साल की सजा सुनाई थी और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था. उन्होंने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन हाईकोर्ट ने इस फैसले को बरकरार रखा. चौथे मंत्री बंधु तिर्की को कोर्ट ने पिछले साल आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी करार दिया. उन पर 34वें राष्ट्रीय खेल के लिए सामान की खरीदारी में भ्रष्टाचार का भी मुकदमा चल रहा है. भानु प्रताप शाही के खिलाफ दवा घोटाला व आय से अधिक संपत्ति के मामले हैं.

अब तक एटीएस एसपी के पद पर किसी अधिकारी की पोस्टिंग नहीं

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में जिस विभाग के पास संगठित आपराधिक गिरोह के ऊपर लगाम लगाने की जिम्मेदारी है, इन दिनों वह विभाग नेतृत्वविहीन चल रहा है. झारखंड एटीएस इन दिनों मैन पावर की कमी से जूझ रहा है. पिछले एक महीने से जहां एसपी का पद खाली पड़ा हुआ है, वहीं दूसरी ओर डीएसपी स्तर के अधिकारियों का भी कई पद खाली पड़ा हुआ है. पिछले सप्ताह सीएम ने समीक्षा बैठक के दौरान एटीएस एसपी के पद पर अधिकारियों को पदस्थापित करने का निर्देश दिया था, लेकिन अब तक एटीएस एसपी के पद पर किसी भी अधिकारी की पोस्टिंग नहीं हुई है.

फिर से सक्रिय हो गये अपराधी गिरोह : झारखंड में एक बार फिर से संगठित अपराधी गिरोहों की सक्रियता बढ़ गई है. पिछले दो महीने के दौरान राज्य में सक्रिय अलग-अलग संगठित अपराधी गिरोहों की सक्रियता काफी कम हो गई थी. हालांकि वर्तमान में अलग-अलग अपराधी गिरोह के द्वारा रंगदारी वसूली के लिए गोलीबारी और हत्या जैसी घटनाओं का अंजाम दिया जा रहा है. लेकिन वर्तमान समय की बात की जाए, तो तीन ही आपराधिक गिरोह पुलिस के लिए चुनौती बने हुए हैं. ये आपराधिक गिरोह माओवादी और उग्रवादी संगठन की तरह घटना को अंजाम देने के बाद जिम्मेवारी भी ले रहा है.

पद खाली

- डीएसपी स्तर के अधिकारियों का पद भी खाली ही पड़ा है
- प्रदेश में संगठित अपराधी गिरोहों की सक्रियता बढ़ी

ये प्रमुख आपराधिक गिरोह हैं सक्रिय

- अखिलेश सिंह : जमशेदपुर
- अमन साहू गिरोह : रांची, लातेहार, रामगढ़ और हजारीबाग.
- अमन श्रीवास्तव गिरोह : रामगढ़, हजारीबाग, लातेहार.
- प्रिंस खान : धनबाद.
- विकास तिवारी गिरोह : रामगढ़ और हजारीबाग.
- सुजीत सिन्हा गिरोह : लातेहार और पलामू.
- डब्लू सिंह : पलामू

न मोदी आए, न जनजाति सम्मेलन हुआ

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड के लोग 11 फरवरी को रांची में होने वाले विशाल जनजाति सम्मेलन का इंतजार कर रहे थे. इसमें नरेंद्र मोदी भी आने वाले थे. 11 फरवरी बीत गया, लेकिन न विशाल जनजाति सम्मेलन हुआ और न नरेंद्र मोदी आए. मोदी आते भी कैसे. वे तो मध्य प्रदेश के झाबुआ में जनजाति सम्मेलन में मौजूद थे. भाजपा ने 13 जनवरी को घोषणा की थी कि 11 फरवरी को रांची में विशाल जनजाति सम्मेलन होगा. सभी जिलों में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जोरशोर से सम्मेलन की तैयारी में जुटे थे. बाद में किसी कारण यह टल गया और रांची की जगह झाबुआ में सम्मेलन हुआ. भाजपा एसटी मोर्चा की ओर से रांची में कार्यक्रम रद्द होने की सूचना मीडिया को नहीं दी गई. हद तो तब हो गई जब सम्मेलन के दिन (11 फरवरी को) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव से इस संबंध में पूछा गया तो वे उल्टे बरस पड़े. कहा आपलोगों को ही ज्यादा जानकारी होती है. जब उनसे कहा गया कि कुछ दिन पहले तक तो यह सम्मेलन रांची में प्रस्तावित था. अगर रद्द हुआ तो इसकी सूचना दी जानी चाहिए थी. तब उन्होंने कहा कि एक महीने में बहुत कुछ बदल जाता है. आज पीएम का कार्यक्रम झाबुआ में हुआ है. रांची में कब होगा वो जल्द बताएंगे.

सम्मेलन टला

- 11 फरवरी को रांची में प्रस्तावित था सम्मेलन
- भाजपा ने कार्यक्रम रद्द होने की कोई सूचना दी ही नहीं

हमेशा टल जाते हैं एसटी मोर्चा के कार्यक्रम

झारखंड में भाजपा एसटी मोर्चा के कार्यक्रमों का इस तरह रद्द होने की यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी भाजपा एसटी मोर्चा की माटी, रोटी, बेटी बचाओ अभियान का भी यही हश्र हुआ था. जुलाई 2023 में भाजपा एसटी मोर्चा की ओर से घोषणा की गई कि 5 अक्टूबर से 26 नवंबर तक माटी, रोटी, बेटी बचाओ अभियान चलेगा. मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता जोरशोर से इसकी तैयारी में लगे. खूब बैठकें हुई, लेकिन आज तक एसटी मोर्चा अपने कार्यक्रम को शुरू नहीं कर पाया है.

गेम चेंजर सम्मेलन को लेकर थी जोरदार तैयारी

रांची में होने वाले जनजाति सम्मेलन भाजपा एसटी मोर्चा की ओर से प्रस्तावित था. इसकी घोषणा भाजपा की ओर से 13 जनवरी को की गयी थी. दिल्ली से आकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री राधामोहन दास अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी थी. 13 जनवरी को ही प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव और मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की थी. तय हुआ कि सम्मेलन में झारखंड ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों से भी जनजाति समाज के लाखों लोग आयेंगे. पीएम नरेंद्र मोदी से भी कार्यक्रम में आने का आग्रह किया जाएगा. भाजपा नेताओं ने दावा किया कि इस सम्मेलन से झारखंड की राजनीति में चमत्कारी परिवर्तन होगा और यह एक प्रकार का गेम चेंजर साबित होगा. इसके बाद फिर 18 जनवरी को भाजपा नेताओं की बैठक हुई.

पुण्यतिथि | भाजपा ने पं. दीनदयाल की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया

बाबूलाल ने दी पंडित दीनदयाल को श्रद्धांजलि

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा ने राज्यभर के बूथों में भाजपा के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया. पार्टी कार्यालयों में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह के राजधनवार में पंडित दीनदयाल को श्रद्सुमन अर्पित किया. उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी एक असाधारण प्रतिभा के धनी महामानव थे. उन्होंने विश्व की अनेक विचारधाराओं पूंजीवाद, साम्यवाद, समाजवाद के बीच एकात्म मानववाद का सर्व ग्राहय दर्शन दिया, जिसने आज विश्व को नई दिशा दी है. उनके एकात्म चिंतन में व्यष्टि से समष्टि का चिंतन है. उनके अंत्योदय के चिंतन ने भारत को सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी विकास को सुनिश्चित किया. नरेंद्र मोदी सरकार पंडित दीनदयाल के सपनों को साकार कर रही है. मोदी सरकार गांव गरीब किसान मजदूर महिला आदिवासी, दलित, पिछड़ों को समर्पित है.

दीनदयाल का जीवन समर्पण का प्रतीकः सिंह

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदायल की तस्वीर पर माल्यार्पण किया. कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों ने विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत का काम किया है. उन्होंने भारतीय संस्कृति और विरासत को केंद्र में रखकर देश को आगे ले जाने का मार्ग दिखाया, जो विकसित भारत के निर्माण में भी प्रेरणास्रोत बना है.

CLASSIFIED

सर्राफा
सोना (बिक्री) 58,200
चांदी (किलो) 76,000

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

सोमवार, 12 फरवरी 2024 ● माघ शुक्ल पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~X~~ ● वर्ष : 1, अंक : 295

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मैक्सवेल ने टी-20 में रोहित शर्मा के शतकों की बराबरी की

पेज 10

हरियाणा-पंजाब बार्डर सील

किसान अपनी मांगों को लेकर कल करेंगे दिल्ली कूच

कांग्रेस महासचिव ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

किसानों के रास्ते में कील बिछाना कौन सा `काल` : प्रियंका गांधी

एजेंसी। नयी दिल्ली

किसानों के केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान करने के बाद 3 केंद्रीय मंत्रियों ने किसान नेताओं से चंडीगढ़ में मुलाकात कर उनसे समाधान का आश्वासन दिया. इसके बाद भी किसान दिल्ली कूच करने पर अडिग हैं. उन्हें रोकने

का सरकार इंतजाम कर रही है, जिस पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सवाल खड़े किए हैं. एक्स पर वीडियो पोस्ट शेयर कर उन्होंने पूछा है कि किसानों के रास्ते में कील बिछाना अमृतकाल है या अन्यायकाल? आरोप लगाया कि इसी असंवेदनशील और किसान विरोधी रवैए ने 750 किसानों की जान ली थी. किसानों के खिलाफ काम करना, फिर उनको आवाज भी न उठाने देना - कैसी सरकार का लक्षण है?

7 जिलों में इंटरनेट और पंजाब के रास्ते बंद

हरियाणा के अंबाला से चंडीगढ़ आवागमन की एक-एक लेन खुली है. वह भी कभी भी बंद की जा सकती है. जिले में प्रशासन मुस्तैद नजर आ रहा है और शंभू टोल पर बीएसएफ के जवानों की तैनाती की गई है. जैमर के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान नहीं हो सकेगा. लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक है. दिल्ली लगे बार्डर पर सीमेंट के बैरिकेड लगाने के बाद सीमेंट में कीलें भी गाड़ दी गई हैं. पुलिस प्रशासन की ओर से किसानों को रोकने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं. हरियाणा व पंजाब के किसान संगठनों के 13 फरवरी के दिल्ली कूच के आह्वान के बाद तीनों राज्यों में अलर्ट है.

कमीशन के लिए इंजीनियर कर रहे क्वालिटी से समझौता

इंजीनियरिंग फेल, एजेंसी पास

अमित सिंह। रांची

झारखंड के पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और जल संसाधन विभाग में नई परिपाटी शुरू हुई है. पहले चहेतों का येन-केन प्रकारेण करोड़ों का काम आवंटित किया जाता है. इसके बाद जब काम समय पर पूरा नहीं होता है, घटिया निर्माण की वजह से निर्माण क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, ऐसी स्थिति में काम करनेवाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती. दिखावे के लिए कागजी खानापूर्ति की जाती है. जांच के लिए कमेटी बनती है. दोषी ठहराए जाने से पहले ही काम करने वाली एजेंसी से विभाग में शपथ पत्र (एफिडेविट) ले लिया जाता है. उस शपथ पत्र के आधार पर घटिया निर्माण कर सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने वाली एजेंसी को माफी मिल जाती है. एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई ठंढे बस्ते में चली जाती है. ऐसे में जिम्मेवार अफसर भी बच जाते हैं.

करोड़ों की अनियमितता पर पर्दा डालने का खेल : प्रदेश में शपथ पत्र लेकर एजेंसियों को क्षतिग्रस्त काम को फिर से बनाने का आदेश जारी किया जा रहा है. इससे योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को छिपाया जा रहा है.करोड़ों की अनियमितता पर पर्दा डालने का खेल चल रहा है. आए दिन करोड़ों रुपए की लागत से बने पुल-पुलिया ढह जाते हैं, नहरें टूट जाती हैं, नदी में पेयजल का निर्माणाधीन संप बह जाता है, समय से पहले सड़कें खराब हो जाती है, तो इसके लिए इंजीनियरिंग विंग की खामियों को ढूंढने और दोषियों को चिह्नित करने की जगह निजी खर्च पर योजना का पुनर्निर्माण करवाया जा रहा है. दोषी इंजीनियर और एजेंसी खुद को बचाने के लिए क्षतिग्रस्त योजना का पुनर्निर्माण करा रहे हैं.

करोड़ों की योजनाएं हो रहीं क्षतिग्रस्त

इंजीनियरिंग विंग की कमजोरी आ रही है सामने

सरकार की किसी भी योजना को धरातल पर उतारने से पहले इंजीनियरिंग विंग बड़े पैमाने पर एक्सरसाइज करती है. योजना में उपयोग होने वाले मैटेरियल, स्थान और उससे जनता को होने वाले फायदे का आकलन किया जाता है. निर्माण से संबंधित योजनाओं में सॉइल (मिट्टी) टेस्ट से लेकर निर्माण तक की मॉनिटरिंग इंजीनियर खुद करते हैं. इतना सब कुछ होने के बाद भी करोड़ों रुपये से बनाए गए पुल ढह जाते हैं. भवन गिर जाता है. इसका एकमात्र कारण है घटिया इंजीनियरिंग.

करोड़ों का नुकसान क्यों उठा रही हैं एजेंसियां

ज्यादा कमीशन के लालच में इंजीनियर क्वालिटी पर ध्यान नहीं देते हैं. जब योजना धराशायी हो जाती है, तो अपनी घटिया इंजीनियरिंग छिपाने के लिए पुनर्निर्माण कराकर पर्दा डाल देते हैं. कई उदाहरण भी मिले, जिनमें एजेंसी द्वारा पुनर्निर्माण पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं. जिससे एजेंसी को लाभ होने की बजाए करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है. यह सारी कवायद ठेकेदार को कार्रवाई से बचाने के लिए की जा रही है.

केस स्टडी-1 : चक्रधरपुर के हिजिया में नल जल योजना के तहत करोड़ों का काम चल रहा है. मासूस इंटरप्राइजेज कंपनी काम कर रही. योजना में शौचालय की टंकी के ढक्कन को स्टैंड पोस्त का प्लेटफार्म बना दिया गया. जांच में पाया गया कि एजेंसी ने घटिया काम किया है. जिम्मेवारों ने किए गये कार्यों के प्रति असंतोष जताते हुए एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की. जांच हुई. मगर कार्रवाई बंद हो गई. क्योंकि काम करने वाली एजेंसी ने घटिया निर्माण को अपने खर्च पर फिर से बनाने का प्रस्ताव दे दिया.

केस स्टडी-2 : दुमका के मसानजोर डैम की मुख्य नहर मयूराक्षी के एमएलबीसी के 62 चैन बंदकरेंडा के पास क्षतिग्रस्त हो गया. स्लैब में दरार आ गई. मिट्टी घुसने से स्लैब टूट गई. सिंचाई विभाग ने नहर में पानी छोड़ना बंद कर दिया.एसडीओ और जेई ने दरार का निरीक्षण किया. घटिया निर्माण को लेकर काम करने वाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की. मगर कार्रवाई से पहले से काम करने वाली एजेंसी ने नहर में आये दरार को अपने खर्च पर बनवाने का शपथ पत्र दे दिया. इसके बाद एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई बंद हो गई.

केस स्टडी-3 : गत वर्ष अगस्त में गवाई बराज परियोजना का ट्रायल चल रहा था. 131 करोड़ की लागत से तैयार परियोजना का दो मीटर नहर का हिस्सा टूट कर बह गया. कई जगह दरारें भी आ गई. जबकि पूरी तरह नहर में पानी भी नहीं छोड़ा गया था. नहर टूटने की घटना चास प्रखंड के सिलफोर व डाबरबहाल गांव के बीच सियालगड़ा में हुई थी. काम करने वाली एजेंसी ने अपने खर्च पर क्षतिग्रस्त नहर को बनवाने का प्रस्ताव दिया. तो जल संसाधन विभाग के तेनुघाट बांध प्रमंडल के अफसरों ने नहर क्षतिग्रस्त के लिए ग्रामीणों को दोषी बता दिया.

केस स्टडी-4 : विभाग द्वारा तेनुघाट प्रमंडल के तहत चतरोचट्टी में 18 करोड़ की लागत से ग्रामीण जलापूर्ति योजना का काम चल रहा है. इससे 3000 घरों को वाटर कनेक्शन मिलना है. योजना के तहत नदी में 4 करोड़ की लागत से इंटकवेल बनना है. इंटकवेल बन भी गया था, मगर बारिश में बह गया. जांच हुई, किसी को दोषी नहीं ठहराया गया. काम करने वाली एजेंसी को इंटेकवेल को फिर से बनाने का आदेश दे दिया गया. एजेंसी द्वारा पुनर्निर्माण पर 4 करोड़ निजी तौर पर खर्च किए जा रहे. चतरोचट्टी योजना में विभाग के सेवानिवृत्त एक अफसर की पत्नी पार्टनर है. इसलिए संवेदक अपने खर्च पर नए स्थान पर करोड़ों का इंटकवेल तैयार करवा रहा है.

केस स्टडी - 5 : रांची के सोनाहातू में कांची नदी पर धंसे पुल को संवेदक ने अपने खर्च पर बनाने का शपथ पत्र पथ निर्माण विभाग को दिया है. पुल के निर्माण पर कुल 13 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. पुनर्निर्माण पर भी तकरीबन इतना ही खर्च आएगा. तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुल धंसने को गंभीरता से लेते हुए जांच का आदेश दिया था. दोषी संवेदक और इंजीनियरों पर कार्रवाई का निर्देश दिया था. जांच चल रही है, लेकिन चिह्नित दोषियों पर कार्रवाई अब तक नहीं हुई. संवेदक ने शपथ पत्र देकर जांच को ही ठंडे बस्ते में डलवा दिया है. अपने साथ-साथ आरोपी इंजीनियरों को भी बचा लिया है. और पुल का निर्माण फिर से करने को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है.

ब्रीफ खबरें

खरगे बोले- कोई आया तो ठीक, न आया तो ठीक

लुधियाना। पंजाब के खन्ना में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने शनिवार को पंजाब की 13 और चंडीगढ़ लोकसभा सीट पर अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया. अब एक दिन बाद लुधियाना जिले के समराला में रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी अकेले दम पर चुनाव लड़ने की बात कह दी. यह पहली बार है जब कांग्रेस हाईकमान ने आप के साथ गठबंधन के बीच पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की बात कही. हालांकि पंजाब कांग्रेस के कई नेता आप के साथ गठबंधन नहीं करने की बात हाईकमान तक पहुंचा चुके हैं.

यूपी सरकार ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को छोड़ कर उत्तर प्रदेश के दोनों सदन (विधानसभा और विधान परिषद) के करीब 325 विधायकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ नवनिर्मित राम मंदिर का दौरा किया और श्री रामलला का दर्शन पूजन किया. अयोध्या में लोगों ने फूल बरसा कर अपनी सरकार का स्वागत किया.

वोट पाने के लिए कर्पूरी को दिया भारत रत्न

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार से वोट हासिल करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया है. अब भारत रत्न से भी मोदी वोट के जुगाड़ में जुट गये हैं.

इमरान खान समर्थित निर्दलीयों का दबदबा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है. हालांकि किसी दल को बहुमत नहीं मिला है.

जेएसएससी पेपर लीक मामला

अवर सचिव सहित तीन लोग गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

जेएसएससी पेपर लीक मामले में रांची पुलिस की एसआईटी ने कार्रवाई की है. एसआईटी की टीम ने रविवार को कार्रवाई करते हुए झारखंड विधानसभा के एक अवर सचिव समेत तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से कई कागजातों के साथ-साथ ब्लैंक चेक भी बरामद किये गये हैं. जानकारी के मुताबिक मामले की जांच कर रही एसआईटी को झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मो. शमीम के बारे में यह पुख्ता जानकारी मिली थी कि वह और उसके दो बेटे पेपर लीक मामले में संलिप्त हैं. जिसके बाद एसआईटी उनपर लगातार नजर रखे हुए थी. सूचना कन्फर्म होने पर एसआईटी ने शमीम के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की. छापेमारी के दौरान शमीम के ठिकानों से कई अभ्यर्थियों के द्वारा दिये गए ब्लैंक चेक, दर्जनों एडमिट कार्ड के साथ-साथ कई मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं.

बता दें कि जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा में हुए प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया है. रांची के सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है. एसआईटी में चार पुलिस निरीक्षक समेत कई पुलिसकर्मी शामिल हैं. रांची एसएसपी ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया था. गौरतलब है कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा 28 जनवरी 2024 को हुई थी. लेकिन परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था. इस घटना के बाद तत्कालीन सदर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी बनायी गयी थी.

- आरोपियों के पास से कागजात व ब्लैंक चेक जब्त
- सरकार ने जांच के लिए गठित की है एसआईटी

ईडी के समक्ष लगातार दूसरे दिन भी पेश हुए कांग्रेस सांसद धीरज

दिल्ली के सीएम आवास से बरामद बीएमडब्ल्यू कार के संबंध में हुई पूछताछ

संवाददाता। रांची

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू रविवार को लगातार दूसरे दिन एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के जोनल ऑफिस पहुंचे. साहू अपराह्न करीब तीन बजे रांची स्थित ईडी के कार्यालय में दाखिल हुए.इसके बाद बाद ईडी के अधिकारियों ने उनसे बीएमडब्ल्यू कार को लेकर पूछताछ शुरू की. इससे पहले शनिवार को भी ईडी के अफसरों ने कथित लैंड स्कैम से जुड़े धनशोधन मामले में शनिवार को साहू से करीब 11 घंटे तक पूछताछ की थी. इसी मामले में एजेंसी ने हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया कर रिमांड पर लिया है. अधिकारियों ने कहा था, 'साहू को फिर से पूछताछ के लिए ईडी के अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है, क्योंकि पूछताछ अभी पूरी नहीं हुई है.' उन्होंने बताया कि ईडी की योजना साहू का बयान उनके सोरेन के साथ कथित संबंध और पिछले महीने तलाशी के दौरान झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष के दिल्ली स्थित आवास में मिले लग्जरी कार के बारे में बयान दर्ज करने की है.

-शेष पेज 11 पर

जब्त कार पूर्व सीएम की नहीं है...

ईडी अधिकारियों के अनुसार, दक्षिणी दिल्ली में झारखंड सरकार द्वारा पट्टे पर ली गई संपत्ति से कार की चाबी मिली और वहां छापेमारी पूरी होने के बाद वे कार को जब्त कर साथ ले गये थे. साहू ने शनिवार रात पूछताछ के बाद पत्रकारों को बताया कि पूछताछ जब्त लग्जरी वाहन (बीएमडब्ल्यू कार) से संबंधित थी. उन्होंने कहा, ''ज्यादा कुछ नहीं है... जब्त गाड़ी पूर्व मुख्यमंत्री की नहीं है. किसी और की है... जांच जारी है.'' कांग्रेस सांसद पिछले साल दिसंबर में तब चर्चा में आये थे, जब आयकर विभाग ने उनके परिवार से संबंधित ओडिशा स्थित बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड के परिसरों पर छापेमारी के दौरान 351.8 करोड़ रुपये नकद जब्त किए थे.

कल्पना की हेमंत से मुलाकात, आधा घंटा गुफ्तगूं

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मिलने उनकी पत्नी कल्पना सोरेन रविवार सुबह ईडी के जोनल ऑफिस पहुंची. लगभग आधा घंटे तक उन्होंने हेमंत से बातचीत करने के बाद दिन के 11 बजे ईडी ऑफिस से निकलीं. मारुति कार से कल्पना पति हेमंत से मिलने पहुंची थीं. सूत्रों ने बताया कि कल्पना सोरेन पति के लिए कपड़े सहित अन्य जरूरत के सामान लेकर मिलने पहुंची थीं.

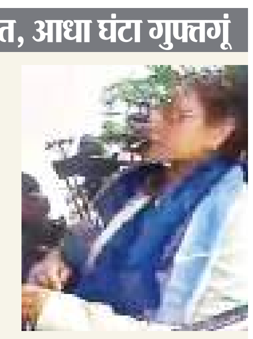

रायगढ़ पहंची भारत जोड़ो न्याय यात्रा, बोले राहुल

भारत के डीएनए में है प्यार

भाषा। रायगढ़

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस नफरत फैला रहे हैं, जबकि प्यार देश के डीएनए में है.राहुल की अगुवाई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो दिन के विराम के बाद रविवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में फिर से शुरू हुई. सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, उनकी पार्टी भविष्य की पीढ़ी के लिए ऐसा हिंदुस्तान चाहती है, जहां नफरत और हिंसा न हो. कांग्रेस सांसद ने दावा किया, वर्तमान में, देश के हर कोने में नफरत और हिंसा फैलाई जा रही है. कुछ लोग कहते हैं कि वे दूसरों को उनकी भाषा के आधार पर पसंद नहीं करते हैं जबकि कुछ लोग कहते हैं कि वे दूसरों को अन्य राज्यों से संबंधित होने के आधार पर पसंद नहीं करते हैं. ऐसे विचार देश को कमजोर करेंगे. गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस नफरत फैला रहे हैं, जबकि प्यार इस देश के डीएनए में है. उन्होंने कहा, सभी रक्षा ठेके (उद्योगपति गौतम) अडाणी को दिए जा रहे हैं. जब मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया, तो मेरी सदस्यता रद्द कर दी गई और मुझे अपना आधिकारिक आवास खाली करने के लिए कहा गया. मुझे उनके घर की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं लोगों के दिलों में रहता हूं.

> सभी रक्षा ठेके (उद्योगपति गौतम) अडाणी को दिए जा रहे हैं- **राहुल गांधी**

शक्ति परीक्षण फ्लोर टेस्ट के साथ होगा पॉलिटिकल ड्रामा का अंत, टूट के डर से सशंकित पक्ष-विपक्ष

बिहार में एनडीए सरकार की अग्निपरीक्षा आज

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

एनडीए सरकार के सोमवार को फ्लोर टेस्ट के साथ ही पिछले एक पखवारे से चल रहे पॉलिटिकल ड्रामा का अंत होगा. सीएम नीतीश कुमार सहित पूरे एनडीए के लिए फ्लोर टेस्ट किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है. क्योंकि, नीतीश को एक बार फिर एनडीए के साथ जाने के बाद इस टेस्ट में पास होना सरकार के लिए चुनौती बन गया है. हालांकि, अगर कोई ''बड़ा खेला'' नहीं हुआ, तो फ्लोर टेस्ट सिर्फ औपचारिकता रह जाएगा. क्योंकि, बहुमत साबित करने के लिए एनडीए के पास (भाजपा - 78 जदयू -45 हम-04 निर्दलीय-01= 128) पर्याप्त संख्या बल है. लेकिन, राजनीति में अंतिम रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता.

पक्ष-विपक्ष दोनों की नजर पूर्व सीएम जीतनराम मांझी की पार्टी हम पर है. मांझी पहले भी पाला बदल चुके हैं, इसलिए महागठबंधन की ओर से यह उम्मीद की जा रही है कि वह पाला बदल कर महागठबंधन की ओर आ सकते हैं. कथित रूप से इसके लिए मांझी को तरह- तरह प्रलोभन भी दिये जा रहे हैं. राजद की ओर से उन्हें सीएम तक का ऑफर मिल चुका है. हालांकि उन्होंने साफ किया है कि उनकी आस्था पीएम नरेंद्र मोदी में है और वे एनडीए के साथ हैं. लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है. इस नजरिए से भी हम की ओर लोगों की नजरें गड़ी हैं.

-शेष पेज 11 पर

यह है सत्ता का समीकरण (बहुमत का आंकड़ा : 122/243)

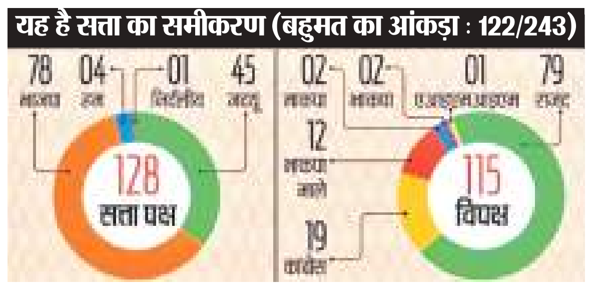

स्पीकर के इस्तीफे से इनकार ने बढ़ाई हलचल

विस अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के इस्तीफे के इनकार ने बिहार में हलचल बढ़ा दी है. चौधरी ने साफ किया है कि बजट सत्र शुरू होने से पहले स्पीकर के पद से इस्तीफा नहीं देंगे. फ्लोर टेस्ट के दौरान अवध बिहारी चौधरी को वोटिंग की इजाजत नहीं होगी, क्योंकि उनके खिलाफ एनडीए ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया है. इस पर राजद के सांसद मनोज झा ने कहा कि स्पीकर को हटाने के लिए जो अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार कम से कम 122 सदस्यों का उसे समर्थन चाहिए, तभी उन्हें पद से हटाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि मैं बिहार सरकार के सलाहकारों से निवेदन करता हूं कि इस तरह के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के आलोक में ही कोई फैसला ले. मनोज झा ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि हम वैसे लोग नहीं हैं, जो कार्यशाला के नाम पर विधायकों को लेकर बाहर चले गए.

तेजस्वी अपना घर देखें: नित्यानंद राय

दूसरी ओर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का कहना है कि किसी तरह के खेला होने की कोई तस्वीर नहीं बन रही है. ये सब फालतू बात है. राय ने तेजस्वी को सलाह दी कि वो अपना घर बचायें. उनको अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है इसलिए अपने विधायकों को अपने घर में ही नजरबंद कर रखे हैं. तेजस्वी यादव भ्रम में जी रहे हैं जबकि एनडीए एकजुट है. मांझी पर डोरे डाले जाने के सवाल पर नित्यानंद ने कहा कि मांझी जी चट्टान की तरह अडिग रहने वाले हैं.

मोदी ने भरी हुंकार भाजपा 370 के पार

झाबुआ। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगी और इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ एनडीए को 400 से अधिक सीट मिलेंगी. मोदी मध्य प्रदेश में 7,550 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के सदस्यों की एक जनसभा संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने वोटरों से आगामी चुनाव में भाजपा को लोकसभा की 543 में से 370 सीटें जिताने के लिए पिछले तीन चुनावों में प्रत्येक बूथ पर पार्टी को मिले सबसे अधिक मत की तुलना में 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा. मोदी ने कहा कि इतना ही नहीं संसद में विपक्षी नेता भी अब एनडीए के लिए अबकी बार 400 पार बात कह रहे हैं.

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन ने झारखंड में खोले दो रिसोर्स सेंटर, 30 गांवों को जोड़ कर अबतक 12,000 लोगों को दिया जा चुका है प्रशिक्षण

कंप्यूटर शिक्षा, जैविक खेती और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

- गिरिडीह और पश्चिमी सिंहभूम में प्रति वर्ष 600 लोग ले रहे हैं प्रशिक्षण
- कंप्यूटर प्रशिक्षण, जैविक खेती, बच्चों को स्कूली शिक्षा, महिलाओं को सिलाई में निपुनता दी जाती है : डॉ ललन

संवाददाता। रांची

आज गांव से लोग पलायन कर रहे हैं. गांव में जरूरी संसाधनों की कमी इसका सबसे बड़ा कारण है. इसके लिए सबसे पहले गांव पर फोकस करते हुए शिक्षा पर बेहतर कार्य किए गए. इसकी शुरूआत झारखंड से ही की गई. किसान, महिला एवं युवाओं को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से कार्य किए जा रहे हैं. ये बातें एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन झारखंड के डॉ ललन कुमार शर्मा ने कही. वह रविवार को स्टेशन रोड स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे.

उन्होंने आगे कहा कि गांव से युवाओं का पलायन रुके, बेरोजगारी दूर हो, सभी को जैविक खेती के उत्तम फसल मिलें और गांव-गांव के बच्चे शिक्षित हों, इस पर कार्य किए जा रहे हैं. उन्होंने यह भी बताया कि झारखंड में 2 रिसोर्स सेंटर बनाये गए हैं. गिरिडीह और पश्चिमी सिंहभूम में 20-30 एकड़ जमीन में हब बनाया गया है. इससे 30 गांवों को जोड़ा गया है. यहां से अब तक 12000 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है. प्रति वर्ष 600 लोग प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं. यहां बच्चों को कम्प्यूटर की ट्रेनिंग, महिलाओं को सिलाई, किसानों को जैविक खेती के गुर सिखाए जा रहे हैं.

परमाडी में जैविक खेती की सब्जियां व मसाले मचा रहे हैं धमाल : चंद्रकांत

चंद्रकांत रायपात ने बताया कि गिरिडीह के परमाडी में जैविक खेती तेजी से बढ़ी है. यदि आप एक बार वहां की सब्जियां, मसाले में मिर्च, हल्दी, सरसों तेल को उपयोग कर लेंगे, तो फिर दूसरे मसारे और सब्जी खाने का जी ही नहीं चाहेगा. यह फसल जैविक खेती कर उगाए गए हैं. मौके पर सुरेंद्र कुमार जिंदल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार अग्रवाल, कुमार भास्कर शर्मा आदि मौजूद थे.

स्वामी विवेकानंद के कथन पर कर रहे हैं कार्य : गोयल

एस्सेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्री के वाइस चेयरमैन और एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन लक्ष्मी नारायण गोयल ने अपने संबोधन में एक किस्सा सुनाया. कहा कि काफी पुरानी बात है, एक गांव में गाड़ी खराब हो गई थी. चारों ओर सन्नाटा था. गांव के कुछ लोग मदद के लिए गाड़ी के पास आए और उन्होंने काफी सहयोग किया. फिर उन्होंने गांववालों से कहा कि क्या हम आप लोगों के लिए कुछ कर सकते हैं. गांववालों ने कहा कि अगर आप कुछ कर सकते हैं, तो हमारे बच्चों को शिक्षित करा दीजिए. फिर स्वामी विवेकानंद की बात याद आई, जहां शिक्षा की बात हो, तो अगर शिक्षा के लिए स्कूल को ही बच्चों के पास जाना पड़े, तो अगर ले जाएं. इसके बाद स्कूल खोलने का कार्य आरंभ किया गया. आज 34 साल में देश भर में 92000 स्कूल चल रहे हैं. एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के नाम से कंपनी भी खोली गई है.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन	डॉ विद्यापति
सर्जरी	डॉ शीतल मलुआ
कार्डियोलॉजी	डॉ प्रकाश कुमार
ऑर्थोपेडिक	डॉ विनय प्रभात
न्यूरोसर्जरी	डॉ सीबी सहाय
टीबी एवं चेस्ट	डॉ ब्रजेश मिश्रा
ऑब्स गायनी	डॉ एसबी सिंह
सीटीवीएस	डॉ अंशुल कुमार
न्यूरोलीजी	डॉ सुरेंद्र कुमार
ईएनटी	डॉ आरके चौधरी
सायकेट्री	डॉ अजय बाखला
प्लास्टिक सर्जरी	डॉ विक्रांत रंजन
-पीएमआर	डॉ अमित चैतन्य
रेडिशन ऑन्कोलॉजी	डॉ अनूप
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
यूरोलॉजी	डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मोहम्मद इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक : डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीः डॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. सीड का कार्यक्रम , होटल रेडिशन ब्लू में दोपहर 3 बजे
2. मुंडा समाज का 13वां राष्ट्रीय स्ममेलन, पिठोरिया में दिन के 10 बजे
3. शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम दिन के 10 बजे से

ब्रीफ खबरें

भाजपा ने चलाया 'बूथ चलें हम' अभियान

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के हरमू के गृह बूथ नंबर 288 में 'बूथ चलें हम' अभियान चलाया. इसके बाद एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट कर उन्होंने हेमंत सोरेन को चुनौती दी कि कम से कम अपने बूथ से तो लीड लेकर दिखाएं. कहा कि आप तो इसी बूथ से वोटर हैं. सभी कार्यकर्ताओं की तरफ से हेमंत सोरेन को चुनौती है कि अपने घर वाले बूथ से तो बढ़त लेकर दिखाएं. वहीं इस अभियान के तहत उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों का पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रचार-प्रसार किया.

एएसपी ने 14 इंस्पेक्टर को पदस्थापित किया

रांची। 14 इंस्पेक्टर को थाना प्रभारी बनाया गया है. विजय कुमार सिंह को खलारी थाना का प्रभारी बनाया गया है. एसएसपी कार्यालय से जारी आदेश के मुताबिक, आनंद कुमार वर्मा को कांके, विजय कुमार मिश्रा को अरगोड़ा, ब्रह्मदेव प्रसाद को नामकुम, राजेश कुमार सिंह को धुर्वा, रमाकांत ओझा को सुखदेवनगर, मनोज कुमार को टाटीसिलवे, उत्तम कुमार उपाध्याय को डेली मार्केट, शशि भूषण चौधरी को रातू, हरदेव प्रसाद को जगन्नाथपुर, उमाशंकर को चुटिया, तुलेश्वर प्रसाद कुशवाहा को यातायात जगन्नाथपुर, रवि कुमार सिंह को यातायात गोंदा और पास्कल टोप्पो को तमाड़ अंचल का प्रभारी बनाया गया है.

एक साल में दो बार फंड खत्म

कार्यालय का चक्कर लगा रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुक

तरुण कुमार चौबे। रांची

राजधानी रांची के नगर निगम क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना की स्थिति ठीक नहीं है. योजना शुरू के बाद 8 हजार लोगों को अबतक घर मिल चुका है, पर कई लोगों के लिए यह योजना सिरदर्द बन कर रह गयी है. लोगों को अपना घर देने का सपना दिखाया गया था. लोग आगे भी आए, लेकिन उनका घर बनाने का सपना तो सपना ही बन कर रह गया.

दरअसल, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए रांची नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 12,587 आवेदन स्वीकृत किए गए थे. लाभुकों को पहली किस्त में 45 हजार रुपये भी दिए गए. लेकिन पहली किस्त की राशि मिलने के बाद 1,121 लाभुकों को दूसरी किस्त की राशि अबतक मिली ही नहीं है. इन लाभुको में कई ऐसे हैं, जो अपनी जमीन पर कच्चे मकान में रह रहे थे. न किसी से लेना था और न ही किसी को देना. कमाते-खाते थे. जिंदगी चल रही थी, मगर योजना के चक्कर में उनमें कच्चे मकान को पक्का करने की चाहत जागी.

कच्चे मकान को तोड़ डाला, ताकि पक्का मकान बना सकें. लेकिन पहली किस्त के बाद हाथ खाली रह गए. हताश-निराश और परेशान लाभुक अफसरों की चिरौरी कर-कर थक चुके हैं. लेकिन, सुने तो आखिर सुने कौन? नगर निगम कार्यालय में रोजाना कई लाभुक अपनी बकाया किस्त के भुगतान के बारे में पता लगाने आते हैं. लेकिन निराश होकर मुंह लटकाए लौट जाते हैं.

बढ़ी परेशानी

- सपना ही बन कर रह गया अपना घर बनाने का सपना
- फंड नहीं मिलने के कारण हो रहा है विलंब : चंद्रदीप

लाभुकों को खुद समझाएंगे सहायक नगर आयुक्त

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रधानमंत्री कार्यालय से मॉनिटरिंग की जाती रही है. केंद्र से कई बार सख्त आदेश मिलने के बाद नगर निगम के अधिकारी भी एक्टिव रहते हैं. सहायक नगर आयुक्त (एएमसी) खुद वार्डों के निरीक्षण के लिए जा रहे है. वे अधूरे निर्माण और काम शुरू नहीं करने वाले लाभुकों को समझाने की कोशिश करेंगे, ताकि लाभुक घर का काम पूरा करा सकें. हालांकि आवास निर्माण को लेकर पहले भी नगर निगम ने कई बार लाभुकों को नोटिस भेजा था, लेकिन लाभुक नोटिस की कोई नोटिस ही नहीं ले लेते हैं. यानी कोई तवज्जो नहीं देते हैं.

1121 लाभुकों को दूसरी किस्त की राशि नहीं मिली

वर्ष 2021-22 के स्वीकृत आवेदनों में से 1121 लाभुक ऐसे हैं, जो पहली किस्त की राशि के बाद दूसरी किस्त की राशि के लिए अफसरों के मुंह ताक रहे हैं. कई लाभुक ऐसे भी हैं, जिन्होंने वर्ष 2016-17 में घर का निर्माण शुरू किया था, लेकिन आज भी उनका घर बन ही रहा है. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए चलाई गई यह योजना अच्छी है, लेकिन सिस्टम में खामियों के कारण योजना अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रही है.

किस साल कितने आवास किए गए आवंटित

वर्ष	संख्या
2015-16	6000
2017-18	2000
2018- 19	250
2019-20	350
2021-22	1000
कुल संख्या	9600

- 7612 घरों का काम पूरा हो चुका है

पहली किस्त के बाद कितने लोगों ने नहीं किया काम

वर्ष	संख्या
2017-18	300
2018-19	20
2019-20	100
2021-22	250
कुल संख्या	670

*जिन आवासों का काम शुरू हुआ है, उसे जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा. कई महीने से योजना मद में फंड नहीं आया है, उसकी वजह से किस्त भुगतान में देरी हो रही है. जैसे ही फंड आएगा, लाभुकों को किस्त का भुगतान कर दिया जाएगा. साथ ही जिन लाभुकों ने पैसे लेकर काम नहीं किया है, उन्हें नोटिस भेजा गया है. अगर तीन नोटिस पर भी वह काम पूरा नहीं करेंगे, तो उन पर केस दर्ज करा कर पैसे वसूल किए जाएंगे. - **चंद्रदीप कुमार, सहायक प्रशासक, रांची नगर निगम.***

कुछ ने नींव खोदवायी, कुछ ने प्लिंथ भी कर लिया तैयार

पहली किस्त की राशि मिलने पर कुछ लाभुकों पुराने घर को तोड़ कर नींव खोदवायी, तो कुछ ने प्लिंथ तक तैयार कर लिया था. फिर दूसरी किस्त के लिए अफसरों के मुंह ताकते-ताकते डेढ़-दो साल बिताए. अब निराश-हताश होकर अपने पक्के घर का सपना देखना ही बंद कर दिया. लाभुक कहते हैं कि का पे करूं शृंगार, जब पिया मोर आंधर. जब अफसर सुनते ही नहीं, किस पर भरोसा करें. अब तो हम न घर के रहे और न घाट के.

अफसर बोले- खत्म हो गया फंड, परेशान हो रहे हैं लाभुक

निगम के अफसरों ने बताया कि पिछले साल सितंबर माह में पीएम आवास योजना का फंड आया था, जो खत्म हो गया. एक साल के अंदर दो बार ऐसा हुआ है कि योजना का फंड खत्म हुआ है. विभाग को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत करा दिया है. हालांकि योजना के तहत बन 75 प्रतिशित आवासों का काम पूरा हो चुका है. फंड नहीं होने के कारण कुछ आवास समय से पीछे चल रहे हैं. जैसे ही फंड आएगा, लाभुकों के खाते में भेज दिया जाएगा.

पैसे लेकर घर नहीं बनाने वाले लाभुकों पर होगा केस

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम चार किश्तों में राशि देती है. लेकिन 2016 से अबतक 470 ऐसे लाभुक ऐसे हैं, जिन्होंने पैसे लेने के बावजूद आवास का काम अधूरा छोड़ दिया है. कई लाभुक ऐसे भी हैं, जिन्होंने पैसे तो ले लिया, लेकिन सारा का सारा पैसा खा-पका गए. अब रांची नगर निगम ऐसे लाभुकों के खिलाफ सर्टिफिकेट केस करने की तैयारी में है. इतना ही नहीं योजना की पूरी राशि, जो अबतक लाभुकों के खाते में ट्रांसफर की गई है, उसे रिकवर भी किया जाएगा.

आदिवासियों ने अवैध कब्जा की गई जमीन की बाउंड्री तोड़ी

संवाददाता। रांची

पुरानी रांची के सरना स्थल के सामने स्थित 2 एकड़ 90 डिसमिल जमीन की बाउंड्री को आदिवासी समुदाय के लोगों ने तोड़ दिया. बाउंड्री वॉल तोड़ने के बाद वहां सरना झंडा गाड़ दिया गया है. उनका आरोप है कि यह आदिवासियों की धार्मिक जमीन है, लेकिन नियमों को ताक पर रख कर जमीन के धंधेबाज इस पर अवैध कब्जा कर रहे हैं. वे दिन-रात काम लगाकर जमीन पर बाउंड्री करवा रहे हैं.

पहले ही उनको बताया गया था कि यह आदिवासियों की धार्मिक जमीन है, लेकिन वो नहीं समझे. इसकी शिकायत पुलिस-प्रशासन से भी की गयी. लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

2015 से संघर्ष कर रहे हैं आदिवासी : इस संबंध में गीताश्री उरांव ने कहा कि इस जमीन को बचाने के लिए आदिवासी 2015 से संघर्ष कर रहे हैं. जमीन के धंधेबाज इस जमीन पर कब्जा जमाने के लिए 9 साल से लीपा-पोती का खेल खेल रहे हैं. सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कई बार बैठक की. इसके बाद भी समस्या का हल नहीं निकला. जब लोगों का सब्र का बांध टूट गया, तो रविवार को हजारों आदिवासियों ने अवैध रूप से कब्जा की गई धार्मिक जमीन के बाउंड्री को तोड़ कर वहां सरना झंडा गाड़ दिया.

बजट सत्र की अवधि बढ़ाकर 20 कार्यदिवस करे सरकार : सरयू

संवाददाता। रांची

विधायक सरयू राय ने चंपाई सरकार से विधानसभा के बजट सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग की है. विधायक ने कहा कि उन्हें सूचना मिली है कि सरकार ने विधानसभा का बजट सत्र (2024-25) आहूत करने के लिए राज्यपाल को जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें सिर्फ 8 दिन का कार्यदिवस होगा. इसमें एक दिन शोक प्रस्ताव में चला जाएगा. एक दिन बजट रखने में और एक दिन 2023-24 के तृतीय अनुपूरक बजट के वाद-विवाद में लग जाएगा. इसके कारण बजट पर वाद-विवाद के लिए सिर्फ 5 दिन ही बच पाएंगे. सरयू राय ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 24-25 का बजट सत्र पंचम विधानसभा का अंतिम बजट सत्र होगा. इस सत्र में वाद-विवाद के दौरान विधायकों के सामने पिछले सभी वर्षों का लेखा-जोखा सामने आना चाहिए. इसलिए, आवश्यक है कि यह बजट सत्र कम से कम 18 से 20 दिन का होना चाहिए.

एआईएमटी कांग्रेस में अरुण बुधिया ने उठाए दो मुद्दे

रांची। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक अध्यक्ष अमृतलाल मदान की अध्यक्षता में कोलकाता के होटल फॉर्च्यून पंचवटी पार्क में हुई. बैठक में झारखंड के लिए गौरव की बात यह रही कि पूर्व चैंबर अध्यक्ष अरुण कुमार बुधिया को कठिनाई और समाधान पर प्रथम वक्ता के रूप में बोलने का मौका मिला. इसमें बुधिया ने दो मुद्दे रखे. एमवी एक्ट 1988 की धारा 136 और दंड संहिता प्रक्रिया 1973 की धारा 102 (3) के तहत दुर्घटनाग्रस्त वाहन का एमवीआई होने के 24 घंटे के अंदर थाना से छोड़ा जाना चाहिए. इसके लिए कोर्ट के कोई जरूरत न हो, ऐसा नियम लागू कराया जाना चाहिए. फाइन के रूप मे अतिरिक्त शुल्क 50 रुपये प्रतिदन का फाइन फिटनेस पर विलंब होने पर लगाया गया है, जो गलत है.

पत्रकार अजय की संदिग्ध मौत की जांच हो : प्रतुल

रांची । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने लातेहार पुलिस से मांग की है कि राष्ट्रीय नवीन मेल के ब्यूरो चीफ अजय सिन्हा की मौत की घटना का खुलासा करें. उन्होंने कहा है कि यह हत्या थी या दुर्घटना, यह साफ होने के बाद संशय के बादल हट जाएंगे. प्रतुल ने कहा कि जब तक इस घटना से पर्दा नहीं हटेगा, तब तक अफवाहों का बाजार गर्म रहेगा, जो उचित नहीं है. उन्होंने लातेहार के पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि वह जल्द मामले की गहराई तक छानबीन करें और पूरी घटना को जनता के सामने स्पष्ट करें. प्रतुल शाहदेव ने कहा कि एक युवा पत्रकार की मौत बहुत ही दुखद घटना है. उन्होंने लातेहार उपायुक्त से भी आग्रह किया है कि सरकारी प्रावधानों के अनुसार या अपने विशेष अधिकार वाले फंड से मृत पत्रकार के परिजनों की यथासंभव सहायता करें.

बच्चों को दीनी तालीम दें : हफीजुल

संवाददाता। रांची

मस्जिद ए यासीन में जलसा ए संग बुनियाद का आयोजन मस्जिद कमेटी एवं नौजवान ए इस्लाम बिशुनपुर, अंजुमन इस्लामिया खिजूर टोला की ओर से परवेज कॉलोनी में रविवार को किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री हफीजुल हसन अंसारी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि मुसलमान के लिए यह समय इम्तिहान का वक्त है. पहले अपने बच्चों को दीनी तालीम दें, फिर दुनिया की पढ़ाई करें.

वहीं, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि मस्जिद की तामीर से आसपास के इलाकों में दीनी समझ आएगी. मस्जिद के साथ यहां शिक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत है. काजी-ए-शरीयत मुफ्ती अनवर कासमी ने कहा कि यह इजलास नई मस्जिद-ए- यासीन की तामीर के लिए हुई है, उन्होंने कहा कि जो अल्लाह के लिए घर बनाता है, अल्लाह उसके लिए जन्नत में घर बनाता है. मौके पर मस्जिदे यासीन के अध्यक्ष सिराज आलम, मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी, मुफ्ती मो. जाहिद कासमी, शफीक अनवर, सचिव आतिफ हसन, नायब सदर शैख अरमान, सह सचिव नौशाद आलम, कोषाध्यक्ष नासिर खान आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे.

वक्ता बोले

- आज के हालात में मुसलमानों को शिक्षा की सख्त जरूरत
- अल्लाह के लिए घर बनानेवालों के लिए जन्नत में बनता है घर

मौके पर ये रहे मौजूद : मौके पर बबलू खान, मस्जिद कमेटी के सदस्य मोख्तार आलम, सुफियान आलम, अब्दुल खालिक, हाफिज सनाउल्लाह, नियाज अहमद, आफताब आलम, साकिब अहमद, परवेज इमाम खान आदि मौजूद थे.

उमड़ी भीड़

राजभवन उद्यान का आनंद लेने पहुंचे एक लाख से अधिक लोग

रांची। रविवार के दिन उम्मीद के मुताबिक बड़ी संख्या में लोग राजभवन के उद्यान का आनंद लेने पहुंचे. राजभवन से मिली जानकारी के मुताबिक 104722 लोगों ने उद्यान का भ्रमण किया. विदित हो कि राज्यपाल के निदेश पर राज भवन उद्यान आम नागरिकों के भ्रमण व परिदर्शन के लिए 6 फरवरी से 12 फरवरी तक खोला गया है. उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है. उद्यान में प्रवेश राजभवन के गेट न. 2 से सुरक्षा जांचोपरांत 1 बजे अपराह्न तक दिया जाता है. 6 फरवरी को पहले दिन ही 41924 लोगों ने इस उद्यान का भ्रमण किया था. इसके बाद से निरंतर यह आंकड़ा बढता ही जा रहा है.

भरोसा जीता अपनी दोनों आंखों की परेशानी से असहज थी बच्ची, 15 दिनों के उपचार के बाद बिलकुल ठीक

पारस एचईसी अस्पताल में 13 वर्षीय बच्ची का हुआ सफल इलाज

संवाददाता। रांची

13 वर्षीय बच्ची अपनी आखों को लेकर पिछले 5-6 दिनों से काफी असहज महसूस कर रही थी. परिजनों ने उसे रांची के पारस एचईसी अस्पताल में भर्ती कराया था. मरीज की स्थिति को देखते हुए अस्पताल में उसे न्यूरोलॉजी वार्ड में रखा गया था. बच्ची दोनों तरफ की आंखों से देखने या पुतली हिलाने में सक्षम नहीं थी. वह इतनी लाचार हो चुकी थी की दो लोगों के सहारे भी खड़ी नहीं हो पा रही थी.

पारस एचईसी अस्पताल के डॉ. संजीव कुमार शर्मा (सलाहकार न्यूरोलॉजी) ने मरीज की आपातकालीन स्थिति को देखते हुए त्वरित उपचार की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी. उन्होंने सबसे पहले बच्ची की एन्सेफलाइटिस जांच की. पारस एचईसी अस्पताल में मरीज को बिकर स्टाफ के एन्सेफलाइटिस के आधार पर 15 दिनों तक उपचार मिलता है. इसके बाद मरीज में काफी सुधार हुआ.

अब वह सामान्य जीवन जी रही है. पारस एचईसी अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नीतेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्ची काफी लाचार स्थिति में अस्पताल आई थी. अस्पताल के न्यूरोलॉजी कंसलटेंट डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने मरीज का बेहतर ढंग से उपचार कर बिलकुल ठीक कर दिया है. पारस एचईसी अस्पताल अपने अनुभवी चिकित्सकों एवं उनकी सजग टीम के नेतृत्व में दिन-प्रतिदिन लोगों का विश्वास जीत रहा है और अपने भरोसे को बनाए रखा है.

लौटी खुशियां

- आंखों से लाचार हो चुकी बच्ची को कराया गया था भर्ती
- न्यूरोलॉजी कंसलटेंट डॉ. संजीव शर्मा ने किया उपचार

चिकित्सक ने अपना खून देकर किया बच्चे का इलाज

रांची। एचसीजी अब्दुर्रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल में कैंसर के एक मरीज को अस्पताल के एक डॉक्टर ने ब्लड डोनेट कर मानवता का परिचय दिया. जानकारी के अनुसार, एक बच्चे को कैंसर के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उसका इलाज तुरंत करना आवश्यक था. एचसीजी अब्दुर्रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल के कंसलटेंट पैडिएट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ अभिषेक कुमार ने बच्चे के इलाज की ज़िम्मेवारी ली. बच्चे की जांच करने पर उन्होंने पाया कि मरीज का हीमोग्लोबिन काफी कम है. उसे तत्काल खून की आवश्यकता थी. मरीज के ग्रुप का खून मिलना मुश्किल हो रहा था. यह एक संयोग ही था कि बच्चे का इलाज कर रहे डॉ अभिषेक के खून का ग्रुप भी वही था, जिसकी बच्चे को ज़रूरत थी. ऐसे में डॉ अभिषेक ने मानवता का परिचय देते हुए खुद अपना खून देने का निर्णय लिया. डॉ अभिषेक कुमार झारखंड के एकमात्र पैडिएट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट हैं, जो वर्तमान में एचसीजी अब्दुर्रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल में कार्यरत हैं. मरीज़ की नाजुक स्थिति को देखते हुए खून की तत्काल व्यवस्था नहीं होने के कारण डॉ अभिषेक ने दरियादिली दिखाई और अपना खून उस बच्चे को दिया. खून चढ़ाने के बाद उस बच्चे की स्थिति में सुधार हुआ है. अब वह बिलकुल ठीक है.

10 एकड़ में लगी अफीम की फसल पर चला पुलिस का डंडा

संवाददाता। रांची

तुपुदाना क्षेत्र के जंगल में 10 एकड़ में लगी अफीम की फसल को रविवार को नष्ट किया गया. सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अफीम की फसल को नष्ट किया. इस अभियान के दौरान सिटी एसपी ग्रामीणों से मिले और उन्हें समझाया कि जो भी पोस्ता की खेती कर रहे हैं, उन्हें सभी ग्रामीण मिलकर समझाइए कि नशे की खेती न करें. उन्होंने आगे समझाया कि नशे (अफीम) की खेती का कारोबार अपराध है. सिटी एसपी ने नशे की खेती करने वाले लोगों को चेतवानी देते हुए कहा कि अफीम की खेती करने वाले लोगों को चिन्हित कर केस किया जाएगा. अफीम की खेती करना बंद करें. उन्होंने अभियान के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी. कई ग्रामीणों ने अपने इलाकों की समस्याओं से एसपी को अवगत कराया. एसपी ने उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया.

तापमान 27.0° अधिकतम 11.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

8000 प्रतिभागियों ने की शिरकत

उड़न परी पीटी ऊषा ने दिखाई हरी झंडी

कोल इंडिया मैराथन

सोनिका व अक्षय ने जीती 42 किमी मैराथन

21 किमी स्पर्धा में रेनु व पुनीत और 10 किमी मैराथन के रूबी व दिनेश बने विजेता

शुभम किशोर। रांची

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के द्वितीय कोल इंडिया मैराथन में फुल मैराथन अक्षय और सोनिका ने जीती. यूपी के रहने वाले अक्षय ने 2 घंटे 20 मिनट और 38 सेकेंड का समय लेकर फिनिश लाइन पर पहुंचे. वहीं महिलाओं में हरियाणा की सोनिका ने लगातार दूसरी बार कोल इंडिया मैराथन में जीत हासिल की. पिछली बार भी सोनिका ही फुल मैराथन की विजेता थीं. रविवार को रांची के मोरहाबादी में आयोजित मैराथन में लगभग 8 हजार प्रतिभागियों ने अलग अलग स्पर्धा में दौड़ लगाई. देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 6100 से अधिक पुरुष व लगभग 1400 महिला धावकों ने हिस्सा लिया. वहीं 500 से अधिक सीसीएल के गेस्ट भी इस मैराथन में शामिल हुए. मैराथन को भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष सह सांसद पीटी उषा ने फ्लैग ऑफ कर शुरू कराया. इस दौरान सीआईएल के चेयरमैन पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी वीरा रेड्डी, सीसीएल निदेशक कार्मिक हर्ष नाथ मिश्र समेत सीसीएल के अधिकारी और कर्मी मौजूद थे.

प्रतिभागियों की संख्या देखकर खुशी हुई

पीटी उषा ने कहा कि कोल इंडिया के मैराथन में प्रतिभागियों की संख्या देखकर खुशी हुई. ज्यादा पार्टिसिपेंट में ज्यादा टैलेंट मिलने की संभावना होती है. अपने समय के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय अच्छी फैसिलिटीज नहीं थी, इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं थे, मसाजर नहीं थे, न्यूट्रीशियन नहीं था. आज के समय में स्पोर्ट्स पर्सन को सारी सुविधा मिल रही है, जिसका असर खेल पर पड़ रहा है, वो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. पेरिस ओलंपिक के बारे में उन्होंने कहा कि ओलंपिक की तैयारी अच्छी चल रही है. आशा करती हूं कि पहले से ज्यादा मेडल मिलेगा. झारखंड में नेशनल गेम कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में झारखंड को मेजबानी मिलेगी. परिवार के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी फैमिली बहुत सपोर्टिव है. उन्होंने बताया कि उनके पति ने उन्हें सपोर्ट करने के लिए पुलिस से वीआरएस ले लिया. बेटा डॉक्टर है और दोनों उन्हें काफी सपोर्ट करते हैं. सीसीएल सीएमडी डॉ. बी वीरा रेड्डी ने कहा कि इस मैराथन का उद्देश्य स्वस्थ और टीम वर्क के प्रति जागरुकता फैलाना था.

मैराथन धावकों ने निकाला समय

42 केएम महिला
1. सोनिका - 2:44:12
2. रीनू - 2:47:11
3. भारती - 2:57:27

42 केएम पुरुष
1. अक्षय कुमार - 2:20:38
2. हेमंत कुमार - 2:21:07
3. अजय कुमार - 2:21:56

21 केएम महिला
1. रेनू सिंह - 1:14:22
2. रेशमा दत्ता - 1:15:11
3. छवि यादव - 1:15:45

21 केएम पुरुष
1. पुनीत यादव - 1:05:17
2. हेमंत सिंह - 1:05:27
3. लोकेश चौधरी - 1:06:33

10 केएम पुरुष
1. दिनेश - 30:02
2. बलराम - 30:03
3. आनंद सिंह - 30:05

10 केएम महिला
1. रूबी कश्यप - 33:59
2. पूनम - 34:43
3. प्रीणु यादव - 35:03

पुरस्कार राशि

फुल मैराथन	हाफ मैराथन 10 किमी
3.3 लाख	2.2 लाख 1.1 लाख
2.2 लाख	1.1 लाख 75 हजार
1.1 लाख	55 हजार 55 हजार
65 हजार	45 हजार 30 हजार
45 हजार	35 हजार 25 हजार
35 हजार	25 हजार 15 हजार
25 हजार	15 हजार 11 हजार

आवासीय परिसर में रहनेवाले लोग भी एचईसी को बचाने में जुटे हैं

एचईसी को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहीं कई यूनियनें

रेहान अहमद। रांची

एचईसी के कामगार हड़ताल पर है. उत्पादन ठप है. केंद्र से निगम को किसी तरह की कोई मदद नहीं मिल रही है. वर्क आर्डर है भी, तो वर्किंग कैपिटल नहीं होने के कारण उत्पादन नहीं हो पा रहा है. कर्मचारियों को 20 से माह से वेतन नहीं मिला है., जिससे उनकी आर्थिक स्थिति गड़बड़ा गयी है. प्रबंधन वेतन भुगतान का आश्वासन देकर कामगारों से काम पर लौटने की अपील कर रही है. मान-मनौव्वल का दौर भी चल रहा है, लेकिन कर्मचारी बिना लिखित आश्वासन के काम पर लौटने को तैयार नहीं है. एचईसी में काम करनेवाले कर्मचारियों के साथ ही साथ आवासीय कॉलोनी में रहनेवाले लोग हर हाल में एचईसी को बचाना चाहते हैं. लोग चाहते हैं कि कारखाना में पहले की तरह रौनक लौटे.एचईसी की साख पहले की तरह बरकरार रहे. लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार और भारी उद्योग मंत्रालय को एचईसी के पुनरुद्धार के लिए पहल करनी चाहिए. बाकी यहां के कर्मचारी व अधिकारी दिन-रात कड़ी मेहनत कर उत्पादन का हर लक्ष्य समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है.

केंद्र मदद करे, मजदूरों को उनका हक व अधिकार मिले : हरेंद्र :

एचईसी में कर्मचारियों का जो आंदोलन चल रहा है, वह प्रबंधन की वजह से ही चल रहा है. एचईसी को बचाने के लिए हम लोग लड़ रहे हैं. 20 माह से वेतन बकाया है. मजदूर कैसे इस हाल में गुजारा कर पाएंगे. ठेका मजदूरों का कांट्रैक्ट अगस्त माह में ही खत्म हो गया. इसे रिन्यूअल कराने की सख्त जरूरत है. एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति समेत 8 यूनियनों का मोर्चा निगम का बचाने की कोशिश में लगा है. हटिया मजदूर यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष हरेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी मांग है कि बकाया वेतन का भुगतान हो, केंद्र एचईसी की मदद करे और मजदूरों को उनका हक- अधिकार मिले. मांगें पूरी नहीं होने तक एचईसी बचाओ मजदूर संघर्ष समिति का आंदोलन जारी रहेगा.

राष्ट्र विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध किया जाएगा: लालदेव सिंह

एटक नेता लालदेव सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एचईसी को कार्यशील पूंजी और बैंक गारंटी नहीं देना, इसको डुबाने की सोची समझी साजिश है. एचईसी को बीमार घोषित करने का मकसद इसकी कीमती जमीन पर कब्जा करना है. मजदूर क्षमतावान हैं. वे काम करना चाहते हैं, समय पर कार्यादेश पूरा करते रहे हैं. लेकिन एचईसी को वित्तीय कुप्रबंधन और लचर मैनेजमेंट से मुक्ति मिले, तो इसकी रौनक फिर वापस लौटेगी. एचईसी की बर्बादी देश की अर्थव्यवस्था के बर्बादी की शुरुआत है, केंद्र सरकार की उद्योग, मजदूर विरोधी और राष्ट्र विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध होगा.

एचईसी के मजदूरों के साथ हर हाल में न्याय होना चाहिए : महतो

एचईसी इलाके में रहनेवाले राजेंद्रकांत महतो ने कहा कि लंबे समय से वेतन बकाया होने के कारण निगम के मजदूरों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है. प्रबंधन को इस ओर ध्यान देकर मजदूरों के बकाया वेतन का भुगतान कर उनके साथ न्याय करना चाहिए, ताकि मजदूरों की समस्याएं दूर हो सकें. आवासीय कॉलोनी में रहनेवाले एचईसी परिवार के लोग कारखान को हर में बचाना चाहते हैं. केंद्र सरकार साथ दे, तो एचईसी के कामगार दिन-रात एक कर कार्यादेश समय पर पूरा कर इसकी खोयी प्रतिष्ठा लौटाने में कामयाब होंगे.

केंद्र को उपेक्षा की कीमत चुकानी होगी : भुवनेश्वर

एटक के प्रदेश सचिव भुवनेश्वर केवट ने कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि एचईसी की मदद कर इसका पुनरुद्धार करे. केंद्र सरकार यदि ऐसा नहीं करती है, तो उसे एचईसी की उपेक्षा की कीमत चुकानी ही होगी. उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्रों के प्रति केंद्र सरकार के उपेक्षात्मक रवैये का सबूत एचईसी की बदहाली है. केंद्र सरकार एचईसी को और बदहाली के दलदल में धकेल कर इसे पूंजीपतियों के हाथों में सौंपने की तैयारी में है. एचईसी कर्मियों को 21 महीने से वेतन का भुगतान नहीं किया जाना मानवाधिकारों और न्यूनतम मानवीय संवेदनाओं का उल्लघंन है. मोदी सरकार चंद्रयान की उपलब्धियों का श्रेय तो लेती है, पर चंद्रायन के लिए लॉन्चिंग पैड बनानेवाले एचईसी के मजदूरों के मामले में मुंह फेर ले रही है. विकसित भारत संकल्प यात्रा का ढोंग करनेवाली मोदी सरकार को एचईसी की उपेक्षा की कीमत हर हाल में चुकानी होगी.

गांवों से दिल्ली की राह तलाश रही भाजपा

ग्रामीण इलाकों में भाजपा विधायकों-सासंदों ने झोंकी ताकत

गांव चलो अभियान

प्रमुख संवाददाता। रांची

2024 में 400 प्लस सीटों के लक्ष्य को लेकर भाजपा कई कार्यक्रम चला रही है. पार्टी ने गांव चलो अभियान भी शुरू किया है. इसके जरिए पार्टी गांवों से दिल्ली का रास्ता तलाश रही.यहां के भी सांसद, विधायक व नेता गांव चलो अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं. विधायक बिरंची नारायण, मनीष जायसवाल और अनंत ओझा समेत कई विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र के गांव प्रवास किया. लोगों से मोदी सरकार की उपलब्धियां बताईं. पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों से मिले.

जनसंपर्क और रात्रि विश्राम कर जनता को लुभाने में जुटे नेता

मोदी सरकार के 10 साल की उपलब्धियां बता रहे नेता

गांव चलो अभियान के तहत भाजपा के सांसद और विधायक ही नहीं, बल्कि पार्टी के हजारों कार्यकर्ता और नेता गांव-गांव में पहुंच रहे हैं. इस कार्यक्रम के जरिये भाजपा के नेता-कार्यकर्ता जनता को मुख्य रूप से यह बता रहे हैं कि पिछले 10 साल में केंद्र में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए कौन-कौन से बड़े कार्य हुए और ऐसी कौन सी योजनाएं हैं, जिनसे व्यापक स्तर पर लोगों को फायदा मिला. इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों और समाज के लिए योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित कर उनका हौसला भी बढ़ाया जा रहा है.

रंजीत कुमार सिन्हा बने कोतवाली थाना प्रभारी

रांची। रंजीत कुमार सिन्हा को कोतवाली थाना का प्रभारी बनाया गया है. इससे संबंधित आदेश रांची एसएसपी चंदन कुमार सिंह के द्वारा रविवार को जारी कर दी गई है. गौरतलब है, कि इससे पहले एसएसपी ने जिले के 14 इंस्पेक्टर स्तर के पुलिस पदाधिकारियों की पोस्टिंग की थी.

राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा संपन्न

रांची। जैक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा रविवार को संपन्न हुई. इसके लिए एलईबीबी विद्यालय, बालकृष्णा प्लस 2 विद्यालय, मारवाड़ी प्लस 2 उच्च विद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाया गया था. परीक्षा में लगभग 350 छात्रों ने भाग लिया.

लोस उम्मीदवारों के नामों पर कांग्रेस की बड़ी बैठक आज

संवाददाता। रांची

झारखंड कांग्रेस की चुनाव समिति की पहली बैठक सोमवार को होगी, जहां संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा होगी. प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी मौजूद रहेंगे.अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर करेंगे. बैठक के बाद 4 बजे दावेदारों से समिति मुलाकात भी करेगी. बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा तथा लोस चुनाव में पार्टी के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए रूपरेखा तय की जाएगी. केंद्र की भाजपा सरकार की विफलताओं को किस तरह जनता के सामने रखा जाए ताकि जनता मोदी सरकार द्वारा फैलाए गए झूठर की सच्चाई जान सके, इस पर भी पूरा मंथन किया जाएगा.

खास बातें

- नवगठित प्रदेश चुनाव समिति करेगी गंभीर मंथन
- प्रभारी और कई सीनियर नेता बैठक में रहेंगे मौजूद

ये रहेंगे मौजूद : प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, आलमगीर आलम, डॉ. अजय कुमार, रामेश्वर उरांव, प्रदीप बलमुचू, सुखदेव भगत, सुबोध कांत सहाय, गीता कोड़ा, बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, फुरकान अंसारी, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, प्रदीप यादव, प्रणव झा, दीपिका पांडेय सिंह कालीचरण मुंडा और केशव महतो आदि के नाम शामिल हैं.

महाजुटान

राज्यस्तरीय सम्मेलन में मोरहाबादी में जमा होगी महिला समूह की हजारों दीदी

आज शहर में सुबह 8 से रात 8 बजे तक मालवाहकों की नो-इंट्री

संवाददाता। रांची

राजधानी में सोमवार को ट्रैफिक बदला रहेगा. राज्यस्तरीय सम्मेलन को लेकर मोरहाबादी में महिला समूह की हजारों दीदी कार्यक्रम में भाग लेंगी. ग्रामीण विकास विभाग अन्तर्गत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के एक्सपोजर व क्षमता संवर्द्धन तथा समूह की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का एक्सपोजर व क्षमता संवर्द्धन शिविर - सह - महिला सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है.

यह आयोजन राज्य स्तर और सभी प्रमंडल स्तर पर किया जाना है. सोमवार को 12.30 बजे से मोरहाबादी में आयोजन तय है. कार्यक्रम में सभी 24 जिलों से महिला समूह की 30 हजार दीदियां कार्यक्रम में भाग लेंगी. इस दौरान रांची के शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है. कार्यक्रम में आने वाली बसों को छोड़कर रांची की ओर आने वाले भारी मालवाहक वाहन प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक शहर में प्रवेश नही करेंगे. चाईबासा, खूंटी से आने वाले वाहन तुपुदाना रिंग रोड तक, गुमला, सिमडेगा, पलामू, लोहरदगा से आने वाले वाहन तिलता रिंग रोड तक, जमशेदपुर, सरायकेला से आने वाले वाहन रामपुर चौक तक, हजारीबाग से आने वाले वाहन नेवरी गोलचक्कर तक. बरियातू रोड, बोड़ेया रोड, कांके रोड एवं हरमू रोड में मालवाहक वाहन का प्रवेश निषेध रहेगा. बूटी मोड़ से बरियातू होकर करमटोली तक, चांदनी चौक, कांके राडे से रातू रोड तक, पिस्का मोड़ से रातू रोड तक, सहजानन्द चौक से रातू रोड तक सिटी राइड बस, ऑटो, ई-रिक्शा नहीं चलेंगे. अति आवश्यक सेवाओं से संबंधित वाहन सामान्य रूप से चलेगा.

यहां पर बसों के लिए पार्किंग की व्यवस्था

- चाईबासा, जमशेदपुर एवं सरायकेला-खरसावां की बस तुपुदाना, बिरसा चौक, सेटेलाईट, अरगोडा, हरमू सहजानन्द चौक, किशोरगंज होते हुए सिद्धू कान्हू पार्क के पास की दीदियों के ड्रॉप कर सहजानन्द चौक के पास पार्किंग करेंगे.
- गढ़वा, पलामू एवं लातेहार की बस रातू रिंग रोड, कांके रोड होकर सिद्धू कान्हू पार्क के पास दीदियों को ड्रॉप कर पुलिस लाइन, कांके रोड में बस पार्किंग करेंगे.
- बोकारो, चतरा, धनबाद, गिरिडीह, हजारीबाग, कोडरमा एवं रामगढ़ से आने वाली बस एन.एच.-33 बूटी मोड़, बरियातू रोड होकर आर्मी मैदान, मोरहाबादी के पास दीदियों को ड्रॉप कर आर्मी मैदान, मोरहाबादी पार्किंग करेंगे.
- गुमला, खूंटी, लोहरदगा एवं सिमडेगा की बस तुपुदाना, बिरसा चौक, सेटेलाइट,

अरगोडा, हरमू, सहजानन्द चौक, किशोरगंज होते हुए रांची कालेज स्टडियम के पास महिला दीदियों को ड्रॉप कर रॉची यूनिवर्सिटी ग्राउंड में बस पार्किंग करेंगे.
- देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ एवं साहिबगंज की बस नेवरी विकास रिंग रोड कांके रोड होते हुए राम मंदिर के पास दीदियों को ड्रॉप कर पुलिस लाइन पार्किंग स्थल में बस पार्किंग करेंगे.
- अनगड़ा, खेलारी, लापुंग, राहे, सिल्ली एवं सोनाहातु की बस करमटोली के पास दीदियों को ड्रॉप कर बरियातू पहाड़ी मैदान में बस पार्किंग करेंगे.
- कांके, नगड़ी एवं ओरमांझी की बस करमटोली के पास दीदियों को ड्रॉप कर डीआईजी मैदान, बरियातू रोड निर्धारित पार्किंग स्थल में बस पार्किंग करेंगे.
- बेड़ो, बुंडू बुढ़मू, चान्हों एवं ईटकी के महिला समूह की दीदियों की बस राम मंदिर के पास महिला समूह की दीदियों को ड्रॉप कर रांची यूनिवर्सिटी निर्धारित पार्किंग स्थल में बस पार्किंग करेंगे.
- रांची के मांडर, नामकुम, रातु एवं तमाड़ के महिला रामूह की दीदियों का बस सिद्धू कान्हू पार्क के पास महिला समूह की दीदियों को ड्रॉप कर सहजानन्द चौक के पास निर्धारित पार्किंग स्थल में बस पार्किंग करेंगे.

ऐसे जाएंगे वाहन

सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक बरियातू रोड, बोड़ेया रोड, कांके रोड और हरमू रोड में सभी प्रकार के मालवाहन वाहन का प्रवेश निषेद्य किया गया है. मोरहाबादी में कार्यक्रम स्थल के मद्देनजर बरियातू रोड, कांके रोड, बोड़िया रोड और हरमू रोड में वाहनों का दबाव अत्याधिक होने की संभावना है, इसलिए कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी वाहनों को छोड़कर सामान्य वाहन का उपयोग कम रहेगा.

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, सामान जलकर खाक

आगलगी में 5 लाख का नुकसान

संवाददाता। राहे (रांची)

राहे प्रखंड क्षेत्र के चैनपुर गांव में रविवार सुबह छह बजे शार्ट सर्किट से एक खपरैल के मकान में आग लग गयी. इस अगलगी में रामेश्वर महतो के घर में सारे सामान जलकर राख हो गये. घटना के संबंध में राशेश्वर महतो ने बताया कि सुबह 6 बजे आग की लपटें उठती देखी. जब तक कुछ समझ पाते, तब तक आग पूरे घर में फैल गया था. बताया कि सूचना पाकर बुंडू से दमकल गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया. लेकिन तब तक पूरा घर और उसमें रखे सामान जलकर राख हो गये थे. राशेश्वर महतो ने इस आगलगी में 5 लाख के नुकसान की आशंका जतायी है. घटना की सूचना पाकर ओपी प्रभारी राम रेखा पासवान, विगेश पासवान, रामपुकार बैठा दल बल के साथ गांव पहुंचकर घटना की जानकारी ली.

बारीडीह पाड़हा बगीचा में विश्वनाथ भगत की तृतीय पुण्यतिथि मनाई गई

विश्वनाथ भगत ने पाड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ किया : डॉ परमेश्वर भगत

संवाददाता। बेड़ो

केंद्रीय पड़हा संचालन समिति बारीडीह बेड़ो के तत्वावधान में बारीडीह पाड़हा बगीचा में दिवंगत विधायक एवं केंद्रीय पड़हा संचालन समिति के पूर्व मुख्य संरक्षक स्वर्गीय विश्वनाथ भगत की तृतीय पुण्यतिथि सह स्मृति दिवस मनाया गया. कार्यक्रम का संचालन एवं देखरेख पूर्व विधायक विश्वनाथ भगत की पत्नी एवं पाड़हा संचालन समिति की संरक्षक नीलमणि भगत ने किया. इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी

डॉ परमेश्वर भगत ने दिवंगत विश्वनाथ भगत के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी. इस मौके पर डॉ परमेश्वर भगत ने कहा कि दिवंगत विश्वनाथ भगत ने अपने समय में पाड़हा व्यवस्था को बचाने, स्थापित करने तथा पाड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अपनी जीवन समर्पित कर दिया. आज हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलने की जरूरत है. हम उनके अधुरे सपने को पूरा कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं. उन्होंने कहा कि उरांव समाज में पड़हा व्यवस्था, मुंडा समाज में मानकी व्यवस्था, हो में डोकलो सोहोर व्यवस्था ब्रिटिश काल के पहले से ही सामाजिक एवं न्यायिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए कायम है. अब इसको मजबूत एवं सुदृढ़ करना समय की मांग है इसके लिए गांव गांव में जाकर जो भी पड़हा व्यवस्था में पद धारी है जैसे राजा, दीवान, महतो, पहान, पूजर एवम् अन्य से मिल कर एवं संगठित करके पाड़हा को मजबूत करने में सभी को भागीदारी सुनिश्चित करना होगा.

खास बातें

- पड़हा व्यवस्था को और मजबूत करना समय की मांग
- उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया गया.

बुद्धिजीवी मंच तमाड़ पूर्वी प्रखंड की कमेटी गठित

तमाड़। आजसू पार्टी बुद्धिजीवी मंच का तमाड़ पूर्वी प्रखंड कमेटी का गठन किया गया. जिसमें सर्व समिति से प्रखंड अध्यक्ष रसराज महतो ,उपाध्यक्ष गंगाधर महतो, सचिन शांति शरण गुप्ता, संगठन सचिव भगत राम महतो, कोषाध्यक्ष सीताराम प्रमाणिकऔर प्रवक्ता सनातन महतो को चुना गया. इस मौके पर केंद्रीय महासचिव डॉक्टर मुकुंद चंद्र महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष लंबोदर महतो, बुद्धिजीवी के सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष विजय चंद्र महतो, मीडिया संयोजक मनोज महतो थे. दिनेश प्रमाणिक मीडिया प्रभारी हरदेव कुमार, मनोज कुमार महतो उमेश महतो फनी भूषण महतो, चंद्र मोहन महतो आदि का योगदान था.

28 फरवरी तक सोननगर यार्ड रिमॉडलिंग और सोननगर-अंकोरहा थर्ड लाइन सुदृढ़ीकरण का होगा काम

48 ट्रेनें प्रभावित रहेंगी, कई रद्द, कइयों के रूट बदले गए

संवाददाता। रांची : रेल प्रशासन द्वारा परिचालन क्षमता में वृद्धि के लिए सोननगर यार्ड रिमॉडलिंग एवं सोननगर-अंकोरहा थर्ड लाइन के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने का कार्य किया जाना है. इसे लेकर कुछ ट्रेनों को रद्द किया गया है, वहीं कुछ ट्रेनों का आंशिक समापन, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण किया गया है. सोननगर यार्ड रिमॉडलिंग होने और थर्ड लाइन के निर्माण से लाइन क्षमता में विस्तार होने के फलस्वरूप अधिक गाड़ियों का परिचालन किया जा सकेगा और ट्रेनों के समय पर परिचालन में भी सुधार होगा.

रद्द पैसेंजर ट्रेन

1. गाड़ी सं. 03341/03342 बरकाकाना-डेहरी ऑनसोन-बरकाकाना पैसेंजर स्पेशल - 11 से 23 फरवरी 2024 तक रद्द.
2. गाड़ी सं. 03359/03360 बरकाकाना-वाराणसी-बरकाकाना मेमू पैसेंजर स्पेशल - 15 से 23 फरवरी 2024 तक रद्द.
3. गाड़ी सं. 03311/03312 बरवाडीह-डेहरी ऑनसोन-बरवाडीह पैसेंजर स्पेशल - 15 से 23 फरवरी, 2024 तक रद्द.
4. गाड़ी सं. 03363/03364 बरवाडीह-डेहरी ऑन सोन-बरवाडीह पैसेंजर स्पेशल - 15 से 23 फरवरी, 2024 तक रद्द.
5. गाड़ी सं. 03381/03382 गया-डेहरी ऑन सोन-गया पैसेंजर स्पेशल - 16 से 23 फरवरी, 2024 तक रद्द .
6. गाड़ी सं. 03691/03692 गया-डेहरी ऑन सोन-गया मेमू पैसेंजर स्पेशल - 16 से 23 फरवरी, 2024 तक रद्द .
7. गाड़ी सं. 03383/03384 गया-डीडीयू-गया मेमू पैसेंजर स्पेशल - 16 से 23 फरवरी, 2024 तक रद्द .
8. गाड़ी सं. 03693/03694 डेहरी ऑन सोन-डीडीयू-डेहरी ऑन सोन मेमू पैसेंजर स्पेशल - 16 से 23 फरवरी, 2024 तक रद्द .

रद्द मेल/एक्सप्रेस ट्रेन -

1. गाड़ी सं. 13349 सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस - 15 से 24 फरवरी 2024 तक रद्द.
2. गाड़ी सं. 13350 पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस - 14 से 23 फरवरी 2024 तक रद्द.
3. गाड़ी सं. 18311 विशाखपट्नम-बनारस एक्सप्रेस - 14, 18 व 21 फरवरी, 2024 को रद्द.
4. गाड़ी सं. 18312 बनारस-विशाखपट्नम एक्सप्रेस - 15, 19 एवं 22 फरवरी, 2024 को रद्द.
5. गाड़ी सं. 18611 रांची-बनारस एक्सप्रेस - 15, 16, 17, 19, 20 एवं 22 फरवरी, 2024 को रद्द .
6. गाड़ी सं. 18612 बनारस-रांची एक्सप्रेस - 16, 17, 18, 20, 21 एवं 23 फरवरी, 2024 को रद्द .
7. गाड़ी सं. 18635 रांची-सासाराम एक्सप्रेस - 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 22 एवं 23 फरवरी, 2024 को रद्द .
8. गाड़ी सं. 18636 सासाराम-रांची एक्सप्रेस - 15, 16, 17, 18, 20, 21, 22, 23 एवं 24 फरवरी, 2024 को रद्द.

आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेन

- 16 से 23 फरवरी 2024 तक धनबाद से खुलने वाली ट्रेन सं. 13305 धनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस का आंशिक समापन गया में किया जाएगा.
- 16 से 23 फरवरी 2024 तक सासाराम से खुलने वाली ट्रेन सं. 13306 सासाराम-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ गया से किया जाएगा.
- 16 से 23 फरवरी 2024 तक पटना से खुलनेवाली ट्रेन सं. 13243 पटना-गया-भभुआ रोड एक्सप्रेस का आंशिक समापन गया में किया जाएगा.
- 17 से 24 फरवरी 2024 तक भभुआ रोड से खुलने वाली ट्रेन सं. 13244 भभुआ रोड-गया-पटना एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ गया से किया जाएगा .
- 15, 20 व 22 फरवरी 2024 को लखनऊ से खुलने वाली ट्रेन सं. 14262 लखनऊ-गया एकात्मता एक्सप्रेस का आंशिक समापन डीडीयू में किया जाएगा.
- 16, 21 व 23 फरवरी 2024 को गया से खुलने वाली ट्रेन सं. 14261 गया-लखनऊ एकात्मता एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ डीडीयू से किया जाएगा.
- 17 फरवरी 2024 को लखनऊ से खुलनेवाली ट्रेन सं. 14260 लखनऊ-गया एकात्मता एक्सप्रेस का आंशिक समापन डीडीयू में किया जाएगा.
- 18 फरवरी, 2024 को गया से खुलने वाली ट्रेन सं. 14259 गया-लखनऊ एकात्मता एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ डीडीयू से किया जाएगा .

नियमित के बजाए परिवर्तित मार्ग से जिन ट्रेन का परिचालन होगा

- ग्रैंड कॉर्ड के बजाए मेन लाईन (आसनसोल-किउल-पटना-डीडीयू) के रास्ते चलायी जाने वाली ट्रेनें
- 15 से 22 फरवरी, 2024 तक हावड़ा/कालका से खुलने वाली ट्रेन सं. 12311/12312 हावड़ा-कालका-हावड़ा नेताजी एक्सप्रेस
- 15 से 22 फरवरी 2024 तक सियालदह/अजमेर से खुलनेवाली ट्रेन सं. 12987/12988 सियालदह-अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस
- 14 से 21 फरवरी, 2024 तक जम्मूतवी से खुलने वाली ट्रेन सं. 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस
- 16 से 23 फरवरी 2024 तक कोलकाता से खुलने वाली ट्रेन सं. 13151 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस
- 16 एवं 20 फरवरी, 2024 को हावड़ा से खुलने वाली ट्रेन सं. 12323 हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस
- 17 व 21 फरवरी, 2024 को बाड़मेर से खुलने वाली ट्रेन सं. 12324 बाड़मेर-हावड़ा एक्सप्रेस
- 22 फरवरी 2024 को हावड़ा से खुलने वाली ट्रेन सं. 12381 हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस
- 22 फरवरी, 2024 को कोलकाता से खुलने वाली ट्रेन सं. 13167 कोलकाता-आगरा कैंट एक्सप्रेस

पटना-बक्सर-डीडीयू के रास्ते चलायी जानेवाली ट्रेन

- 15 से 22 फरवरी 2024 तक राजगीर से खुलने वाली ट्रेन सं. 14223 राजगीर-वाराणसी बुद्धपूर्णिमा एक्सप्रेस
- 16 से 23 फरवरी 2024 तक वाराणसी से खुलने वाली ट्रेन सं. 14224 वाराणसी-राजगीर बुद्धपूर्णिमा एक्सप्रेस

बरकाकाना-हजारीबाग टाउन-कोडरमा-गया के रास्ते चलायी जानेवाली ट्रेन

- 14 से 22 फरवरी 2024 तक बरकाकाना से खुलनेवाली ट्रेन सं. 13347 बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस
- 15 से 23 फरवरी 2024 तक पटना से खुलने वाली ट्रेन सं. 13348 पटना-बरकाकाना पलामू एक्सप्रेस

मुरी-बरकाकाना-चोपन-चुनार के रास्ते चलायी जाने वाली ट्रेन

- 21व 22 फरवरी, 2024 को पुरी से खुलने वाली गाड़ी सं. 12801 पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस
- 21 व 22 फरवरी 2024 को नई दिल्ली से खुलने वाली ट्रेन सं. 12802 नई दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस
- 15 व 19 फरवरी 2024 को रांची से खुलने वाली ट्रेन सं. 12825 रांची-आनंद विहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस
- 17 व 21 फरवरी 2024 को आनंद विहार से खुलने वाली ट्रेन सं. 12826 आनंद विहार-रांची संपर्क क्रांति एक्सप्रेस

गढ़वा रोड-चोपन-चुनार के रास्ते चलायी जाने वाली ट्रेन

- 16, 19, 20 एवं 23 फरवरी, 2024 को रांची से खुलने वाली गाड़ी सं. 12877 रांची-नई दिल्ली गरीबरथ एक्सप्रेस
- 15, 18, 20 एवं 22 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 12878 नई दिल्ली-रांची गरीबरथ एक्सप्रेस
- 15 एवं 22 फरवरी, 2024 को रांची से खुलने वाली गाड़ी सं. 20407 रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस
- 14 एवं 21 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 20408 नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस

पुनर्निधारित/नियंत्रित कर चलायी जाने वाली ट्रेन

गया से 22 फरवरी, 2024 को खुलने वाली 12397 गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस गया से 04 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी .

आसनसोल से 22 फरवरी, 2024 को खुलने वाली 13553 आसनसोल-वाराणसी मेमू एक्सप्रेस धनबाद और सोननगर के मध्य 03 घंटा नियंत्रित कर चलाई जाएगी

ब्रीफ खबरें

तमाड़ में पं दीनदयाल उपाध्याय को भाजपाइयों ने किया नमन

तमाड़। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पं दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि समर्पण दिवस के रूप में बूथ नंबर 233 नुरीडीह में मनाया. गांव चलो अभियान के निमित्त तमाड़ के बूथ नम्बर 206 के क्षेत्र में लोगों से घर घर मिलते हुए मोदी सरकार के कामकाज की जानकारी दी .कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुंडा के अलावे भाजयुमो मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, विधानसभा विस्तारक ईश्वर बास्की, सोहना रविदास, मिहिर मोदक, चन्दन साहु, सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे.

एसएसबी ने पोस्ते की फसल को नष्ट किया

तमाड़ । सशस्त्र सीमा बल 26 वी वाहिनी जी कंपनी तमाड़ व तमाड़ पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर वृहद पैमाने पर लगे पोस्ते की फसल को नष्ट किया.
पेलकाडीह व बीरडीह के जंगलों में बड़े पैमाने पर पोस्ते की खेती करने की गुप्त सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर सहायक कमांडेंट व एएसआई परमेश्वर शर्मा के नेतृत्व में एसएसबी और जिला पुलिस के जवानों ने पेलकाडीह और बीरडीह में 18 एकड़ में लगे अफीम की फसल को नष्ट कर दिया गया है.

आज होगा राहे थाना का उद्घाटन,तैयारी पूरी

राहे। सोमवार को राहे ओपी को उत्क्रमित करते हुये राहे थाना के रूप में उद्घाटन किया जायेगा. विधायक सुदेश महतो,रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा, ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो के द्वारा राहे थाना का उद्घाटन किया जायेगा. इस अवसर पर बुंडू डीएसपी, इंस्पेक्टर, सोनाहातू थाना, राहे ओपी, सिल्ली और अनगड़ा के थाना प्रभारी भी उपस्थित रहेंगे. ओपी प्रभारी रामरेखा पासवान के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. सोमवार को थाना उद्घाटन की आवश्यक तैयारी की समीक्षा की गई.सरस्वती पूजा के अवसर में भड़काऊ गाने, तेज डीजे,विधि व्यवस्था नियंत्रण सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई.

झारखंड युवा मंच इटकी में जल्द ही हाईटेक लाइब्रेरी का निर्माण कराएगा

संवाददाता। इटकी

प्रखंड में छात्र छात्राओं के विकास व प्रतियोगिता परीक्षाओं को आसान बनाने को लेकर झारखंड युवा मंच इटकी में हाईटेक लाइब्रेरी का निर्माण कराएगी. पूर्व जिला पार्षद सह झारखंड युवा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मसूद आलम ने रविवार को मंच के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उक्त जानकारी दी. सामाजिक समरसता, शैक्षणिक विकास किसानों के आर्थिक विकास को लेकर मंच द्वारा तैयार की गई विजन की विस्तृत जानकारी दी . मसूद आलम ने जानकारी दी कि इटकी में प्रखंड स्तरीय एक उत्तम श्रेणी का पुस्तकालय का निर्माण कराया जाएगा, जो छात्र छात्राओं के लिये सारी सुविधाओं से सुसज्जित होगा. ताकि इटकी प्रखंड क्षेत्र के विद्यार्थी यूपीएससी, जेपीएससी, एसएससी, कैट् बैंकिंग जैसे प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल. हो सकेंगे. इसके अलावा किसान हित मे उनके चहुंमुखी विकास को लेकर किसान सुविधा केंद्र का भी निर्माण कराया जाएगा. जिसमे किसानों के खेती से सम्बंधित समस्याओं का समाधान मंच के माध्यम से कराया जाएगा श्री आलम ने जानकारी दी कि लाइब्रेरी और किसान सुविधा केंद्र के लिए सरकारी स्तर से जमीन उपलब्ध कराने को लेकर मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मसूद आलम के अगुवाई में इटकी प्रखंड किरण उरांव, उप प्रमुख परवेज राजा, मुस्ताक अंसारी सहित पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल झारखंड सरकार. के विभागीय मंत्री से शीघ्र भेंट करेगी.

बजरंगबली मंदिर की 14 वीं वर्षगांठ मनायी गयी

बेड़ो। बेड़ो महावीर चौक स्थित बजरंगबली मंदिर के जीर्णोद्धार का 14 वां वर्षगांठ धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ पूजा अर्चना तथा अखंड हरी कीर्तन के साथ मनाया गया। वर्षगांठ कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के पुजारी अशोक पंडा के नेतृत्व में यजमान ज्वाला प्रसाद सोनी ने सपत्नीक बजरंगबली की विधिवत पूजा अर्चना कर किया। इस मौके हरि सोनी सहित हरखनाथ महतो, मदन राम, सोमा नायक, मनोज कुमार साहु, सहित विभिन्न श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

हलमाद हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में स्वास्थ्य सेवा शुरू

सिल्ली/मुरी । सिल्ली सामुदायिक अस्पताल अंतर्गत प्रखंड के हलमाद स्थित हेल्वेथ एंड वेलनेस सेंटर में शनिवार से चिकित्सक-कर्मियों की रोस्टर ड्यूटी शुरू हो गई. हलमाद निवासी गर्भवती महिला मधु देवी की सफल प्रसव कराया गया. वेलनेस सेंटर में अब24 गुणा 7 स्वास्थ्य सेवा का प्रारंभ कर दिया गया. प्रभारी चिकित्सा प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि अब अस्पताल में ओपीडी और जांच के अलावा प्रसव की व्यवस्था और इमरजेंसी सेवा भी बहाल कर दी गई.

आदिवासी समाज के लोग 14 को दर्शन के लिए गुमला जाएंगे

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची से 14 फरवरी को हजारो आदिवासी गुमला के सिरासिता नाला के दर्शन के लिए रवाना होंगे. वहां पहुंचकर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर पड़ी बुरी छाया को दूर करने के लिए सिंहबोंगा और धर्मेश की विशेष पूजा पाठ करेंगे. विनती करेंगे कि हेमंत को बुरी छाया से मुक्त कराया जाए. मोरहाबादी स्थित चेल्ड्रन पार्क में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हेमंत साजिश के शिकार हुए हैं. राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के मंती उरांव ने कहा कि सुख -शांति, समृद्धि- खुशहाली के लिए विनती कार्यक्रम होगा . पूर्वजों की आस्था के स्थल ककड़ो लाता, सिरसीता नाले का दर्शन किया जाएगा.

खास बातें

- सिंहबोंगा और धर्मेश की विशेष पूजा-पाठ करेंगे
- पूर्व सीएम हेमंत की बुरी छाया से मुक्ति की विनती करेंगे

दुलार मुंडा की अगुवाई में होगी पूजा-अर्चना

बसंत पंचमी और बढ़ती चांद को देखकर सरना धर्मावलंबी सृष्टि स्थल सिरसीता नाले के दर्शन के लिए पहुंतेंगे. सरना धर्म गुरु राजेश लिंडा और सिरसी ग्राम के दुलार मुंडा (की अगुवाई में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा. मौके पर केंद्रीय सरना समिति के सचिव रूपचंद, रांची महानगर कोषाध्यक्ष सीता खलखो, धर्मअगुवा कैलाश तिर्की, शांता कच्छप मौजूद थे.

आयोजन बच्चों ने पाश्चात्य संस्कृति वाली वेलेंटाइन डे का बहिष्कार करने का संकल्प लिया

परंपरा को बचाये रखने के लिए बच्चे संवाहक बने : डॉ राजेंद्र तिवारी

सुनील गुप्ता। बेड़ो

माता पिता का आदर और सम्मान करना बच्चों का सबसे प्रमुख कर्त्तव्य होता है. भारतीय संस्कृति और परंपरा को बचाए रखने के लिए समाज का सबसे बड़ा संवाहक बच्चे ही होते हैं. उक्त बातें बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मैदान स्थित रंगमंच पर एकल विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित मातृ पितृ पूजन दिवस के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि करमचंद भगत महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ राजेन्द्र तिवारी ने कहीं.

मौके पर एकल विद्यालयों के आचार्य एवं संच समिति की देखरेख में एकल विद्यालय एवं संस्कार केन्द्र के बच्चों ने अपने माता पिता का पद

प्रक्षालन कर उनकी विधिवत पूजा अर्चना की, तिलक लगाया और आरती उतारी. इस मौके पर उपस्थित सभी माता-पिता ने अपने बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया. बच्चों ने पाश्चात्य संस्कृति खासकर वेलेंटाइन डे का बहिष्कार करने का संकल्प लिया. इस मौके पर एकल विद्यालय संच समिति के अध्यक्ष और समाजसेवी रमेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि एकल विद्यालय एवं एकल अभियान गांव गांव में संस्कारयुक्त की शिक्षा का अलख जगा रहा है. हमें भारतीयता एवं भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए.

वहीं भीखा उरांव ने कहा कि सरना सनातन की एकता और अखंडता ही हमारी संस्कृति की पहचान है. इस मौके पर दक्षिणी झारखंड प्रांत के दक्षिणी संभाग के प्रशिक्षण प्रमुख अर्जुन सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया. इस मौके पर महादानी मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक पंडा ने वेद मंत्रोच्चार के बीच बच्चों के माध्यम से माता-पिता का विधिवत पूजन कराया. उन्होंने कहा कि दुनिया में माता-पिता से बढ़कर और कोई नहीं होता. कार्यक्रम के दौरान संच प्रमुख भोला महतो, बेड़ो संच समिति के संस्थापक सचिव सुनील गुप्ता, उमा देवी, मीना कुमारी, आचार्य गीता देवी, सुषमा देवी, लक्ष्मी देवी, नमिता देवी, एलिस उरांव, मंजू मिंज, अलका कच्छप, मिथिला देवी, लक्ष्मी देवी, रूपरानी देवी, कुमुद कुमारी सिंह, जगमोहन गोप, सृष्टि कुमारी, अराधना कुमारी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस मौके पर जरिया, पंडरा, मुडामु, टेंगरिया, बोदा, हरिहरपुर जामटोली, डांड़कंडरिया, ईटा बगीचा टोली, शहेदा, कुदारखो, ताबेर खुर्द, ईटा चिल्द्री, जमुनी सहित विभिन्न गांवों के छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया.

खास बातें

- एकल विद्यालय परिवार ने मातृ पितृ पूजन का आयोजन किया
- बच्चों में संस्कार युक्त शिक्षा देना एकल विद्यालय का मुख्य उद्देश्य

न्यूज अपडेट

नामकुम के बड़ाम में हुई आजसू की बैठक

नामकुम। प्रखंड के बड़ाम पंचायत के शिव मंदिर प्रांगण में आजसू पार्टी की बैठक हुई . प्रखंड के पंचायत प्रभारी धीरज नाग की अध्यक्षता में बैठक की गई . बड़ाम पंचायत के महिला तथा पुरुष एवं ग्राम प्रभारियों को मिल कर सभी टोला मुहल्ले में चूल्हा प्रमुख बनाने एवं पार्टी संगठन को बेहतर मजबूती प्रदान करने, सहायता केन्द्र स्थापित करने पर बल दिया. क्षेत्र के वैसे व्यक्ति जिनका काम बिना बिचौलियों के नहीं हो पाता है उन्हें मदद करना ही आजसू पार्टी का मुख्य उद्देश्य है.मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह ,महिला मोर्चा रांची जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी, पंकज केरकेट्टा, अनिता देवी, सुनीता टोप्पो, कृष्णा नायक, राहुल करमाली, रवि नायक, बसंत नायक,सुमित नायक, सुनैना कच्छप,सोमारी देवी, सोभित टोप्पो आदि उपस्थित थे.

कलशयात्रा के साथ तीन दिवसीय यज्ञ शुरू

बुढ़मू। काटमकुली गांव में नवनिर्मित राधा कृष्ण स्वामी मंदिर का तीन दिवसीय यज्ञ समारोह का शुभारंभ रविवार को कलशयात्रा के साथ हुआ. कलश वितरण अतिथि समाजसेवी भैरव सिंह,लक्ष्मण सिंह,आजसू के प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, जिप सदस्य सुषमा देवी ने किया. इस अवसर पर 601 कन्याओं व महिलाओं ने कलशयात्रा में भाग लिया. यज्ञ के सभी अनुष्ठान आचार्य रुद्रनाथ मिश्रा,नरेंद किशोर वैद्य व उमानाथ मिश्रा के सानिध्य में यजमान सुनील भगत द्वारा संपन्न कराया जा रहा है. कलशयात्रा को सफल बनाने में विकास मुंडा, मोतीराम महतो, फुलेश्वर महतो, रामप्रसाद महतो, प्रेमकुमार महतो, अशोक सम्राट आदि की सराहनीय भूमिका रही.

10 वीं व 12 वीं के छात्र-छात्राओं को दी गयी विदाई

मांडर। दयानंद आर्या पब्लिक स्कूल कंदरी के सभागार में रविवार को कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बच्चों के लिए विदाई सह-आशीर्वचन का आयोजन किया गया.कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई.मंच का संचालन रंजना गुप्ता ने किया गया .विद्यालय के निदेशक डॉ राजेश दत्त के द्वारा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ मोहन सिंह, प्राचार्य डॉ बब्बन कुमार का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र तथा मोमेंटो देकर किया गया.इसके बाद विद्यालय के निदेशक, विशिष्ट अतिथि विद्यालय की सचिव अर्चना दत्त,संगीता सिंह,आरती सिंह, उषा सिंह एवं मुकेश कुमार के द्वारा सभी बच्चों को विद्यालय के तरफ से यादगार के रूप में विद्यालय का मोमेंट दिया गया .

प्रशिक्षुओं ने पंचघाघ फॉल का किया भ्रमण

ओरमांझी। मदर जीरामणी शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज गुंजा ओरमांझी के सत्र- 2023-25 के सभी प्रशिक्षुओं ने पंचघाघ का शैक्षणिक भ्रमण किया.खूंटी जिला में स्थित पंचघाघ फॉल में प्रशिक्षुओं ने प्रकृति के गोद में फैले मनोरम दृश्य के अनसुलझे रहस्यों से रूबरू हुए. यह भ्रमण प्रशिक्षुओं के लिए एक रोमांचपूर्ण दौरा रहा. इस दौरान विद्यार्थी काफी उत्साह में दिखे. भ्रमण के बाद बच्चों ने बताया कि भविष्य में नई उमंग एवं सोच के साथ आगे बढ़ेंगे. कॉलेज के उप प्राचार्या डॉ नाजिश नाज, प्रोफेसर राजेश कुमार साहू, हरनी कुमारी, राखी मेहता, आर्यन राज, मुबारक अंसारी ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक,भौगोलिक, फॉल का झरना का मनोरम दृश्य को लेकर बच्चों के मन में बसे डर को दूर करना था. विद्यार्थियों का आत्मविश्वास तो बढ़ेगा , बच्चे उपयुक्त विषय का चयन कर पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल करेंगे.

लेदियाटांड़ मैदान में दो दिवसीय बुरु मेला संपन्न

सिल्ली/मुरी। सिल्ली के लोवादाग पंचायत के सिटकाडीह लेदियाटांड़ मैदान में रविवार को दो दिवसीय सिल्ली बुरु मेला सह खेलकूद प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ. समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया. क्रिकेट मैच के फाइनल में सारजमडीह को हराकर डोमनडीह चैम्पियन बना. वहीं फुटबॉल में सारजमडीह एफसी को हराकर हड़वाडीह एफसी फाइनल का विजेता बना. मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि जयपाल सिंह, गूंज परिवार के अध्यक्ष सुनील सिंह व जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी ने मैच के विजेता टीम को ट्राफी एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया. फुटबॉल के विजेता टीम को राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव, प्रमुख जितेन्द्र बड़ाईक व मुखिया लालसिंह मुंडा ने ट्रॉफी वह नगद देकर सम्मानित किया .

मुंडारी भाषा एवं संस्कृति पर कार्यशाला का आयोजन

तमाड़ । झारखंड मुंडा समाज के तत्वावधान तमाड़ इंटर कॉलेज सलगाडीह मैदान में रविवार को मुंडारी भाषा एवं संस्कृति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का शुभारंभ मुंडाओं के ईस्ट देव सिंहबोंगा के स्तुति से हुआ. कार्यशाला में मुंडा समाज के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक के संबध में विचार-विमर्श किया गया. अतिथियों ने कहा कि सीएनटी एक्ट 1908 का उल्लंघन कर आज भी जमीन लूट जारी है. मौके पर जनजातीय शोध संस्थान के पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा, पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा, पूर्व उप निर्देशक सोमा मुंडा, शिक्षाविद गुंजल ईकिर मुंडा, रमेश मुंडा, जगरनाथ मानकी, मुखिया द्रौपदी मुंडा, मुखिया अंजना शाही मुंडाआदि सैकड़ो महिला पुरुष उपस्थित थे.

डॉ हरि उरांव के कविता संग्रह का लोगों ने किया विरोध

कांके। जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक आरोग्य भवन में जिला संयोजक जगन्नाथ भगत की अध्यक्षता में हुई.बैठक में मुख्य रूप से डॉ हरि उरांव द्वारा लिखित चईजका कथा डंडी पुथी (कविता संग्रह) नामक पुस्तक रांची विवि में स्नातकोत्तर में पढ़ाई हो रही है. जिसमें कई आपत्तिजनक बातें है. उसकी कॉलेजों में पढ़ाई हो रही है. जनजाति सुरक्षा मंच इस विषय को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर यथाशीघ्र इसे पाठ्यक्रम से और इसके लेखक डॉ हरि उरांव को वहां से हटाने व कार्रवाई करने की मांग करेगा. इस विषय को लेकर जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधि मंडल जल्द से जल्द कुलपति से मिलेंगे . बैठक में जगन्नाथ भगत,मीडिया प्रभारी सोमा उरांव,शंकर बाइक, दुर्गा उरांव ,मनोज भगत ,अंजलि लकड़ा, सनी उरांव ,मेघा उराव ,अजय कुमार भोकक्ता ,राजू उरांव हिंदवा एवं क्षेत्रीय संयोजक उरांव संदीप उपस्थित थे.

डकरा के नए थाना प्रभारी का स्वागत किया

डकरा। खलारी थाना परिसर में रविवार को एक सादे समारोह आयोजित कर नये थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह का स्वागत व निवर्तमान थाना प्रभारी फरीद आलम को विदाई दी गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस नेता राजा सिंह राजा व संचालन श्रमिक कृष्णा चौहान ने किया. खलारी थाना के निवर्तमान प्रभारी फरीद आलम से नए थाना प्रभारी ने पदभार ग्रहण किया. इस दौरान क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दल के नेता,व्यवसायिक संघ, पंचायत प्रतिनिधि के अलावे प्रबुद्ध लोगो ने दोनों पुलिस पदाधिकारियों को शॉल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया. इस दौरान निवर्तमान प्रभारी फरीद आलम ने कहा कि अपने ढाई साल के कार्यकाल में खलारी के जनता ने जो स्नेह व प्यार दिया .

रांची विश्वविद्यालय में रिझरंग का समापन, सभी विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

हमारे छात्र ईस्ट जोन में भी जीत हासिल करेंगे : प्रो. अजीत

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय में चल रहे रिझ रंग का समापन हो गया. इस दौरान सभी विजेताओं को प्राइज दिया गया. अंतिम दिन के कार्यक्रम मुख्य अतिथि के तौर पर विवि के कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा शामिल हुए. कुलपति ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी और कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि रांची विश्वविद्यालय के हमारे छात्र बरहमपुर विश्वविद्यालय में होने वाले इस्ट जोन यूथ फेस्ट में विनर होंगे. उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों और झारखंड में अभूतपूर्व प्रतिभा है. जिस अनुशासन और शांति से यह यूथ फेस्ट आयोजित हुआ उसके लिये सभी का कुलपति ने आभार जताया. इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. इसमें रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद नारायण, डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश साहु, सीवीएस की डिप्टी डारेक्टर डॉ. स्मृति सिंह समेत अन्य अधिकारी व छात्र मौजूद थे.

इवेंट में ये रहे विजेता

- **मेंहदी-** फर्स्ट : गुलफशां डोरंडा कॉलेज, सेकेंड : खुशबू आरएलएसवाई कॉलेज, थर्ड : फतह नाज़ योगदा कॉलेज
- **इंसटालेशन :** फर्स्ट : डोरंडा कॉलेज, सेकेंड : योगदा कॉलेज
- **स्पॉट फोटोग्राफी :** फर्स्ट : धीरज कुमार तांती, सेकेंड : चंदन कुमार, थर्ड : मुकेश कुमार
- **रंगोली:** फर्स्ट सचिन कुमार पीजी बॉटनी, सेकेंड : राहुल कुमार आरएलएसवाई कॉलेज, थर्ड : भूमिका कच्छप गोस्नर कॉलेज
- **कार्टूनिंग :**फर्स्ट : एंजेलिना टेटे गोस्नर कॉलेज, सेकेंड आकृति पीएफए विभाग आरयू, थर्ड : प्रियांशी मारवाड़ी कॉलेज
- **क्ले मॉडलिंग:** फर्स्ट : नायब फरीदी डोरंडा कॉलेज, सेकेंड : अजीत लोहरा पीएफए विभाग, आरयू, थर्ड : सोनम कुमारी मारवाड़ी कॉलेज
- **पोस्टर मेकिंग :** फर्स्ट : सेताबंरश्री योगदा कॉलेज, सेकेंड : सारथी नारायण गोराई मारवाड़ी कॉलेज, थर्ड : इमरान खान गोस्नर कॉलेज
- **फाइन आर्ट :** फर्स्ट : अनुराग सेठ मारवाड़ी कॉलेज, सेकेंड : नीलम धान बारला डोरंडा कौलेज, थर्ड : प्रतिमा कुमारी गोस्नर कॉलेज
- **स्पॉट पेंटिंग :** फर्स्ट :पूनम कुमारी कॉलेज, सेकेंड : आकृति बाखला पीएफए विभाग, आरयू, प्रिया कुमारी मारवाड़ी कॉलेज
- **मिमिक्री :** फर्स्ट : जीतेंद्र कुमार पीजी अंग्रेजी विभाग, सेकेंड : आयुष अर्जन दूबे मारवाड़ी कॉलेज, थर्ड : अर्चना कुमारी निर्मला कॉलेज
- **थियेटर माइम :** फर्स्ट : निर्मला कॉलेज, सेकेंड : पीएफए विभाग आरयू, थर्ड : डोरंडा कॉलेज
- **थियेटर स्किट :** फर्स्ट : निर्मला कॉलेज, सेकेंड : डोरंडा कॉलेज, थर्ड : बिरसा कॉलेज, खूंटी
- **एक्ट प्ले :** फर्स्ट : डिपार्टमेंट आफ परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट, सेकेंड : डोरंडा कॉलेज, थर्ड : रांची वीमेंस कॉलेज.
- **डिबेट:** फर्स्ट आकाश कुमार डोरंडा कॉलेज, सेकेंड :अभिषेक घोष योगदा कॉलेज, थर्ड : प्रणव राम तिवारी मारवाड़ी कॉलेज
- **काव्यपाठ :** फर्स्ट : माया पांडेय निर्मला कॉलेज, सेकेंड : मो. अदनान सामी गोस्नर कॉलेज, थर्ड : रेशमा केरकेट्टा डोरंडा कॉलेज
- **क्विज :** फर्स्ट : मारवाड़ी कॉलेज एवं डोरंडा कॉलेज संयुक्त विजेता, सेकेंड : बिरसा कॉलेज, खूंटी, थर्ड : योगदा कॉलेज.
- **इंडियन सोलो डांस:** फर्स्ट : शकुंतला (योगदा कॉलेज), सेकेंड : प्रिया पीएफए विभाग आरयू, थर्ड : सृष्टि कुमारी डोरंडा कॉलेज
- **फोक एवं ट्राइबल डांस :** फर्स्ट : अनुज शर्मा एंड ग्रुप आरएलएसवाई कॉलेज, सेकेंड : श्वेता केरकेट्टा एंड ग्रुप निर्मलाकॉलेज, थर्ड : विक्की कुमार एंड ग्रुप योगदा कॉलेज
- **ग्रुप सिंगिंग :**फर्स्ट : निर्मला कॉलेज, सेकेंड : डोरंडा कॉलेज
- **ग्रुप सॉंग इंडियन :** फर्स्ट : पीएफए विभाग आरयू (श्रुति, अनुजा, सुष्मा, शिवांजली, आनंदिता), सेकेंड : रांची वीमेंस कॉलेज, थर्ड : आरएलएसवाई कॉलेज.
- **वेस्टर्न सोलो:** फर्स्ट : वीमेंस कॉलेज, सेकेंड : पीएफए विभाग, थर्ड : आरएलएस वाई कॉलेज.
- **लाइट वोकल इंडियन:** फर्स्ट : पीएफए रांची युनिवर्सिटी, सेकेंड : रांची वीमेंस कॉलेज, थर्ड : डोरंडा कॉलेज.
- **क्लासिकल वोकल :** फर्स्ट : आनंदिता सिंह

कलकत्ता पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने नृत्य-संगीत से सबका मन मोहा

ओरमांझी। कलकत्ता पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हुआ. इस अवसर पर नर्सरी एवं प्रेप के नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने मनमोहन प्रतिभा का प्रस्तुतीकरण किया. कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गान एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. अतिथि के तौर पर झारखंड विधानसभा के सह सचिव मिथिलेश कुमार मिश्रा, बीआईटी मेसरा के डीन डॉक्टर अशोक शेरोन, बिनोदा नंद झा कार्यक्रम में शामिल हुए. कार्यक्रम में बच्चों ने संगीत, नृत्य और नाटक में शामिल होकर अपना अतुलनीय प्रदर्शन दिया. कक्षा नर्सरी के छात्रों द्वारा इंद्रधनुष की सतरंगी छठ बिखर गई. वहीं कक्षा प्रेप के बच्चों ने फंकी एंगल्स, यूफोरिया नामक कार्यक्रम द्वारा दर्शकों का मन मोह लिया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मिथिलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि पिछले नौ सालों से कलकत्ता पब्लिक स्कूल सुदृढ़ समाज के निर्माण में एक स्तंभ की भांति अपना योगदान देता आ रहा है. मुख्य अतिथि ने कहा कि आज के होनहार बच्चे आने वाले समय में सुनहरे भारत का नेतृत्व करेंगे. उत्कृष्ट बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर स्कूल के वाइस चेयरमैन पीके झा ने सम्मानित किया.

डीएवी आलोक पब्लिक स्कूल में हुई वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

रांची। अरगोड़ा-नयासराय पथ स्थित डीएवी आलोक पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर रांची के मुख्य वन संरक्षक कुमार मनीष अरविंद ने शिक्षा एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों में डीएवी आलोक के प्रयासों की सराहना की और शिक्षा के साथ-साथ खेलों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. इस मौके पर विद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई. विद्यालय के निदेशक डॉ. आलोक कुमार ने शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय द्वारा किए जा रहे क्रियाकलापों की सराहना की. साथ ही छात्र, शिक्षक एवं अभिभावक के परस्पर संबंधों में निरंतर विचार विनिमय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला. प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार ने विद्यालय के वार्षिक लेखा-जोखा का वर्णन करते हुए शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक उपलब्धियों पर चर्चा की. इस दौरान अलग-अलग श्रेणियों में उत्कृष्ट भूमिका निर्वहन करने वाले छात्रों को मेडल व प्रमाण पत्र दिया गया. इसके अंतर्गत शैक्षणिक टॉपर्स, योगा एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रों को पुरस्कृत किया गया.

डीएवी हेहल में क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में शिक्षकों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया. विभिन्न विद्यालयों के 56 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कार्यशाला में भाग लिया. इस अवसर पर सीबीएसई रिसोर्स पर्सन के रूप में सुलगना आइच, पीजीटी राजनीतिक विज्ञान, विद्याभारती चिन्मया विद्यालय टेल्को, जमशेदपुर एवं तनुश्री सेन गुप्ता, कांउसलर कार्यक्रम में शामिल हुई. दोनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज की परिस्थिति में कक्षा प्रबन्धन कैसे सुव्यवस्थित हो सकता है. आजकल बच्चे अनेक कारणों से विघटनकारी कार्यों में संलग्न होते हैं. उन्हें हम ऊर्जास्वित कैसे करें, यही कक्षाप्रबंधन का मुख्य उद्देश्य होता है. कक्षा प्रबन्धन एक प्रभावी अनुशासन है. यह छात्रों को सीखने एवं आत्मसम्मान का निर्माण करने के लिए प्रेरित करता है. इसके लिए हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारा कायिक व वाचिक प्रभाव कक्षा के कोने-कोने तक हो. यह इतना आकर्षक हो कि बच्चे आनंद ले सकें. कमरे में लर्निंग बोर्ड, लर्निंग सेंटर एवं बैठने की समुचित व्यवस्था हो.

दो दिवसीय हीरानागपुर नाट्योत्सव में पांच नाटकों का किया गया मंचन

रांची। वसुन्धरा आर्ट्स द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'हीरानागपुर नाट्योत्सव 2024' का आयोजन एलईबीबी हाई स्कूल यानी बांग्ला स्कूल में किया गया. नाट्योत्सव के पहले दिन तीन नाटकों का मंचन किया गया.

पहली प्रस्तुति '14 अगस्त की शाम से लेकर 15 अगस्त की सुबह तक' रंग दर्पण रांची की थी. इस नाटक के नाटककार सूरज खन्ना और निर्देशक अशोक गोप थे. दूसरी प्रस्तुति थी नाटक 'दिग्दर्शक' जिसे झारखंड संस्कृति कला मंच जमशेदपुर ने प्रस्तुत किया, इसके नाटककार थे प्रियम जानी और निर्देशक थे शिवलाल सागर. तीसरी प्रस्तुति थी जेएफपीए रांची की. इस दौरान नाटक 'शून्य काल' का मंचन किया किया गया. इसके निर्देशक राजीव सिन्हा थे. नाटयोत्सव के दूसरे दिन की पहली प्रस्तुति वसुंधरा आर्ट्स की रही, जबकि दूसरी प्रस्तुति के रूप में पथ जमशेदपुर ने नाटक ' पेइंग गेस्ट' का मंचन किया, जिसके नाटककार विशाल विजय और निर्देशक मोहम्मद निजाम थे. कार्यक्रम में रंगकर्मी कमल बोस, सुशील अंकन, राकेश रमण, सुकुमार मुखर्जी, सूरज खन्ना, अभिराज कुमार, संजय शर्मा, शंकर पाठक इत्यादि मौजूद थे. सैयां मगन में पहलवानी में वसुंधरा आर्ट द्वारा प्रस्तुत नाटक' दुस्मन उर्फ सैयां मगन पहलवानी में' के मुख्य किरदार हिकमत सिंह हैं.

ऑक्सफोर्ड के 12वीं के छात्रों को दी गयी विदाई

रांची। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के सभागार में रविवार को 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी गयी. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सिमी मेहता, मुख्य अतिथि रोमी मेहता, नर्सरी स्कूल की प्राचार्या सोमा घोष, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर रवि शेखर, परीक्षा नियंत्रक एके श्रीवास्तव, जूनियर विंग इंचार्ज राज किशोर शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. सरस्वती वंदना के बाद कक्षा 12वीं की विशाखा कुमारी और देशदीपक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया. कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया. वहीं नृत्य-गीत कार्यक्रम ने लोगों का मन मोह लिया. एके श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की. आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में स्वर्णिम परीक्षा परिणाम लाते हुए विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे.

बच्चों ने किया श्रीजपुजी साहिब का सामूहिक पाठ

रांची। फाइनल परीक्षा में सफलता के लिए नन्हें-मुन्नों ने रविवार को सामूहिक श्रीजपुजी का पाठ कर श्रीगुरु ग्रंथ साहिब से आशीर्वाद मांगा. गुरुद्वारा श्रीगुरु

नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में सुबह आठ बजे दीवान सजाया गया. इसमें सत्संग सभा के लगभग दो सौ बच्चों ने हिस्सा लिया. जिनमें जागृत मुंजाल, आशना मिड्ढा, जन्नत वाधवा व हर्षल मिड्ढा ने मुख्य मंच से अन्य बच्चों को पाठ कराया. साथ ही हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी द्वारा शबद कीर्तन भी किया गया. मौके पर छात्रों को वाहेगुरु जी का जाप भी कराया गया. बच्चों ने श्रीअनंद साहिब जी का पाठ भी स्वयं पढ़ा.

सरला बिरला में फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन

रांची। रांची के सरला बिरला पब्लिक स्कूल (एसबीपीएस) के शैक्षणिक सत्र 2023-24 का समापन स्कूल परिसर में फ्लैग-ऑफ समारोह आयोजित कर किया गया. इस अवसर पर 'कड़ी मेहनत और आत्म-विश्वास से सफलता मिलती है' विषय पर एक विशेष सभा आयोजित की गयी. सभा की शुरुआत प्रेरक गीत के साथ की गयी. इसके बाद छात्रों ने वर्तमान सत्र के सफल समापन पर प्रेरणादायक विचार साझा किये. विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्कूल का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. स्कूल की प्राचार्या परमजीत कौर ने सत्र 2023-24 के लिए यजुर्वेद सदन को सर्वश्रेष्ठ सदन घोषित किया. प्राचार्या ने स्कूल में पूरे वर्ष की विभिन्न गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी और अर्जित अंकों के आधार पर यह निर्णय लिया. साथ ही कक्षा II ए, V ए, VI जी और IX ए को सेकेंड टर्म के लिए सर्वश्रेष्ठ कक्षा घोषित किया गया.

पहाड़ी बाबा का हुआ रुद्राभिषेक, तिलकोत्सव 14 को

रांची। पहाड़ी बाबा के तिलकोत्सव को लेकर रविवार को भोले बाबा का महारूद्राभिषेक किया गया. अब बसंत पंचमी के दिन 14 फरवरी को धूमधाम से

उत्सव मनाया जायेगा. सुबह नौ से दोपहर बाद तक अभिषेक-पूजन चला. इसमें शिव कुमार गुप्ता और उनकी पत्नी ललिता देवी ने बतौर मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लिया. पुरोहित नवीन पांडे, पिंटू पांडे, अशोक पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 101 लीटर दूध, दही, गन्ने का रस आदि से बाबा का पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. पहाड़ी मंदिर तिलक उत्सव समिति के कैलाश रॉय, रमेश सिंह, गोपाल भैया, त्वरित राय, राजकुमार पंडित, बबलू भैया, अभिषेक भैया आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

श्रीश्याम मंदिर का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची। श्रीश्याम मंदिर अग्रसेन पथ का 19वां स्थापना दिवस रविवार को धूमधाम से मनाया गया. इस मौके पर श्रीश्याम मंडल की ओर से सेवा और भक्ति के विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये. शुरुआत सुबह श्रीश्याम प्रभु की श्रृंगार-आरती के बाद गौ सेवा की गयी. मंडल के पदाधिकारी और सदस्य भक्तों संग गौशाला, हरमू रोड पहुंचे. यहां गौ माताओं की सेवा कर उन्हें गुड़, रोटी, हरी सब्जी आदि खिलाया गया. इसमें बालकिशन परसरामपुरिया, सुदर्शन चितलांगिया, विक्रम परसरामपुरिया, रतन मोर,

ज्ञान प्रकाश बागला ने सहयोग दिया. इसके बाद दिन के साढ़े 11 बजे से मंदिर के निकट शीतल टावर परिसर में वृहत भंडारा चलाया गया. बड़ी संख्या में भक्तों ने श्रीश्याम का प्रसाद पाया. विकास पाड़िया, गौरव शर्मा, अजय साबू, अशोक लाठ, प्रमोद बागड़ीया, रोहित पोद्दार आदि ने भंडारा में मुख्य रूप से सहयोग दिया. फिर शाम चार बजे से श्रीश्याम प्रभु और मंदिर में विराजमान अन्य देवी-देवताओं का नैनाभिराम श्रृंगार-पूजन किया गया. विविध प्रकार के मिष्ठान प्रभु को अर्पित किया गया. मौके पर वन बंधु, रांची के एकल विद्यालय को सहयोग राशि भी प्रदान की गई.

वार्षिकोत्सव के मौके पर देर शाम तक भजनरस से श्रद्धालु सराबोर रहे. मंडल के भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजन हारे के सहारे श्रीश्याम की भक्ति में प्रस्तुत किये. बनारस से खास तौर से आये प्रसिद्ध भजन गायक कृष्णा दधीच ने भी साथी कलाकारों संग खूब रंग जमाया.

श्रीशिव बारात में कलाकार बिखेरेंगे भक्ति के रंग

रांची। श्रीश्री शिव बारात आयोजन समिति और चंद्रशेखर आजाद श्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से महाशिवरात्रि पर भव्य रूप में शिव बारात निकाली जायेगी. इसको लेकर श्रीराम मंदिर सर्जना चौक प्रांगण में रविवार को शाम साढ़े चार बजे समिति की बैठक अध्यक्ष रमेश सिंह की अध्यक्षता में हुई. इसमें तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर विचार-विर्मश किया गया. रमेश सिंह ने बताया कि इस बार की बारात ऐतिहासिक होगी. इसमें दिल्ली के कलाकारों की टोल भक्ति के खूब रंग बिखेरेंगे. देवी-देवताओं की जीवंत झांकी मन मोहेगी. गाजे-बाजे के साथ भूत-बेताल के रूप में टोली धमाल माचायेगी. स्थानीय और बाहर से आये भजन गायक भक्ति की अविरल धारा बहाते यात्रा में साथ चलेंगे.

शिल्पकारों ने तैयार की मां सरस्वती की मूर्तियां

पियूष गौतम । रांची

सरस्वती पूजा को लेकर शहर में तैयारी आखिरी चरण में है. पूजा को लेकर मूर्तिकार मां सरस्वती के विभिन्न रूपों को अंतिम रूप देने में जोर-शोर से जुटे हुए हैं. कोलकाता से आए कारीगर और मूर्तिकारों ने बताया कि मूर्ति बनाने के लिए वह पिछले दो महीने से शहर में डेरा डाले हुए हैं और दिन-रात एक कर मूर्तियों को तैयार करने में लगे हैं. प्रत्येक वर्ष की भांती इस वर्ष भी मूर्तियों की मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद थी, लेकिन इस बार परिस्थिति विपरित है. मांग में वृद्धि की बजाय कमी आयी है. कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब में मां सरस्वती की कुल 150 मनमोहक और दिव्य मूर्तियां बनकर तैयार हैं. चार मूर्तिकारों ने 60 दिनों से दिन-रात एक कर सभी मूर्तियां तैयार की

है. कोलकाता के मूर्तिकार धनेश्वर पाल ने बताया कि 3 फीट से लेकर 9 फीट तक मां सरस्वती की कई आकर्षक मूर्तियां तैयार की गई है. अब तक 80 मूर्तियां बिक चुकी हैं. उम्मीद है बाकी मूर्तियां भी आने वाले दिनों में बिक जाएंगी. वहीं भारत माता चौक के समीप मूर्ति बना रहे कोलकाता के आनंद बाजार से आए कलाकार मनोज पाल ने भी कुछ ऐसी ही दास्तां बयां की. उन्होंने बताया कि बनाए गए कुल 70 मूर्तियों में से केवल 35 मूर्ति ही बिकी है. वहीं मूर्तियों के मूल्यों की बात करें तो बाजार में ढाई हजार से लेकर 16000 तक की मूर्ति उपलब्ध है. वहीं मूर्ति निर्माण में आई कठिनाइयों के बारे में कलाकारों ने अपनी व्यथा साझा की. उन्होंने बताया कि महंगाई की वजह से इस बार निर्माण में 25 प्रतिशत की आधिक लागत आई है. मां सरस्वती के श्रृंगार सामग्री जैसे साड़ी, कपड़ा, मुकुट और आभूणण का खर्चा पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़ गया है. वहीं मिट्टी ढुलाई की लागत भी पहले की तुलना में अधिक बढ़ गयी है. मूर्तिकार राजा राम ने बताया कि सरकार अगर शिल्पकारों को मूर्ति बनाने के लिए जगह मुहैया कराने के साथ आर्थिक सहायता और प्रोत्साहन राशि जैसी मदद करे तो हम अपने साथ दो-चार और लोगों को जोड़ेंगे. इससे लोगों को रोजगार तो मिलेगा ही, इससे हमारा काम-काज बढ़ेगा.

न्यूज अपडेट

श्रीशिव दुर्गा मंदिर का पांचवां वार्षिकोत्सव संपन्न

रांची। श्रीशिव दुर्गा मंदिर, पूर्वी फ्रेंड्स कॉलोनी का पांचवां वार्षिकोत्सव रविवार को श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से मनाया गया. इस मौके पर भव्य कलश यात्रा निकाली गयी. दोपहर बाद अटूट भंडारा चला, संध्या बेला महाआरती उताने के साथ उत्सव संपन्न हुआ. मंदिर परिसर से सुबह नौ बजे गोजे-बाजे के साथ कलश शोभायात्रा निकाली तो वातावरण जयकारों से गूंज उठा. बैंड बाजा के कलाकारों संग अगुवाई करते मंदिर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों की टोली थी. इनके पीछे ध्वज लहराते स्कूली बच्चियां साथ चल रही थी. साथ ही मनोहारी छटा बिखेरती चुनड़ी ओढ़े 501 कलशधारी महिला बढ़ रही थी. मातृशक्ति की लंबी कतार से ऐसा लग रहा था मानो कोई लाल सर्प अंगड़ाई लेते सरक रहा हो. यात्रा कॉलोनी से निकलकर मुख्य मार्ग के रास्ते कमडे मंदिर पहुंची. यहां से पवित्र जल कलश में भरा गया.

श्रीशिव बारात आयोजन समिति की कार्यकारिणी गठित

रांची। श्रीशिव बारात आयोजन सिमिति की रविवार को हुई बैठक में इस बार भी महाशिवरात्रि के मौके पर निकलने वाली शिव बारात का जोरदार स्वागत करने का निर्णय लिया गया. साथ ही पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नयी गठित की गयी. जिसमें सर्वसम्मति से मुख्य संग्रक्षक राजीव रंजन मिश्रा, संरक्षक शंकर दुबे, कैलाश केसरी और राजेश साहू, अध्यक्ष लंकेश सिंह, मंत्री गोपाल पारीक, उपाध्यक्ष अमरदीप साहू, सुनील रंजन सहाय और राजू सिंह, सह मंत्री के रूप में इंदर सिंह, राहुल सिन्हा और श्रवण कुमार को चुना गया.

मुंडा समाज का 13वां राष्ट्रीय सम्मेलन आज

रांची। खूंटकटी मुंडा धर्म सभा के तत्वाधान में सोमवार को पिठौरिया स्थित महाराजा मदरा मुंडा के गढ़ सुतियाम्बे में देश विदेश के हजारों मुंडा समाज

शामिल होंगे. इसमें सामाजिक कार्यकर्ता समेत विभिन्न राज्य के मुंडा लोग आयेंगे. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शहीद गया मुंडा के सेनापति रमय मुंडा उपस्थित रहेंगे. वहीं अरविंद पाहन की अगुवाई में 501 पाहन समेत हजारों पड़हा राजा शामिल होंगे. इस दौरान पाहनों द्वारा विधिवत तरीके से पूजा अर्चना की जाएगी. सिरमा सिंगबांगा गोवारी बच्चों के द्वारा किया जाएगा. कार्यकारिणी अध्यक्ष मनीष मुंडा ने बताया कि सुतियाम्बे में मुंडाओं का 13वां राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन हो रहा है.

महासम्मेलन | आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन के महासम्मेलन में बोले विधायक सुदिव्य कुमार

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के वायदों को करेंगे पूरा

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन के तत्वावधान में रविवार को धुर्वा शहीद मैदान में महासम्मेलन का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में शामिल गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू शामिल हुए. उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं की जो मांगें हैं, उसे पूरा कराने में हर संभव प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा कि पारा शिक्षक, आंगनबाड़ी बहनें, रसोइया सब हमारी बहनें हैं. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था हम अपनी बहनों को सड़क पर उतरने नहीं देंगे, उनकी जायज मांगों को पूरा करेंगे.

महासम्मेलन में पारित प्रस्ताव

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका की नियमावली बनाई जाए. श्रमिक दर्जा दिया जाए तथा सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाये. समान काम, समान वेतन. केंद्र सरकार सेविका को 30 हजार रुपये तथा सहायिका को 20 हजार रुपये मानदेय नहीं, वेतन दे. आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका को सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में एकमुश्त 5 लाख रुपये दें एवं पेंशन लागू किया जाये. कार्यावधि में सेविका, सहायिका की मृत्यु होने पर 5 लाख रुपये दिये जाएं. केंद्र सरकार द्वारा तय 2011 में लघु, आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं को सेविका के मानदेय के बराबर जो घोषणा की गयी थी.

हमें मानदेय नहीं वेतन चाहिए: बालमुकुंद सिन्हा

प्रदेश अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के साथ नाइंसाफी कर रही है. 10 वर्षों से केंद्र सरकार केवल छलने का काम कर रही है. यह परियोजना 2 अक्टूबर 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के द्वारा शुरू किया गया था. आज पूरे भारत में 13 लाख आंगनबाड़ी केंद्र हैं, करीब 27 लाख आंगनबाड़ी सेविका सहायिका कार्यरत हैं. 48 वर्ष तक कार्य करते हुए यदि केंद्र सरकार 1 हजार रुपये प्रति वर्ष बढ़ाती तो 48 हजार रुपये मानदेय में वृद्धि होती है.

अपने हक की लड़ाई लड़नी होगी : सुभद्रा

महाराष्ट्र से आई सुभद्रा ठाकुर ने कहा कि हमें अपनी हक की लड़ाई लड़नी होगी. हम सभी को एकजुट होकर अपनी ताकत बतानी होगी. न्याय नहीं मिला तो चुनाव में सबक सिखाने की जरूरत है. मौके पर जिला अध्यक्ष प्रतिमा देवी, रंजिता भगत, कौशल्या देवी, पुष्पा देवी, रेखा देवी, मरियम, मार्शिला हेम्ब्रम, माया देवी, पुष्पा देवी समेत बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत झारखंड के 24 जिलों से आंगनबाड़ी सेविका बहनें महासम्मेलन में शामिल हुईं.

डॉ हरि उरांव की पुस्तक पर उठ रहे हैं सवाल

रांची। जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वाधान में रविवार को आरोग्य भवन के बरियातू में एकदिवसीय बैठक का आयोजन किया गया. संयोजक जगन्नाथ भगत की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया कि डॉ हरि उरांव द्वारा लिखित चईजका कथा डंडी पुथी (कविता संग्रह) नामक पुस्तक रांची विश्वविद्यालय रांची में स्नातकोत्तर में पढ़ाई जा रही है. इसमें लिखा गया है कि गांवा देवती को गांव का भूत कहना, घर को भूत कहना, गाय बैल गोहार को भूत कहना यानी सभी जगहों को भूत कहना और भूत पूजा कहना है, जो अत्यंत ही आपत्तिजनक है. यह ठीक नहीं है. सोमा उरांव ने कहा कि आरयू के कुलपति से मिलकर मंच डॉ हरि पर कार्रवाई करने की मांग करेगा.

सहायक प्राध्यापकों के 100 से अधिक पद खाली

रांची। झारखंड में मेडिकल कॉलेज में सहायक प्राध्यापकों के 100 से अधिक पद खाली पड़े हैं. इन पदों के लिए पिछले दो सालों से नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. लेकिन अबतक ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायी है. दरअसल झारखंड लोक सेवा आयोग सहायक प्राध्यापकों के लिए दो बार विज्ञापन जारी कर चुका है. लेकिन संशोधन के नाम पर दोनों बार भर्ती प्रक्रिया रोक दी गई. आयोग के द्वारा तीसरी बार आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई है. दूसरी बार संशोधन करते हुए आयोग ने कहा था कि जो अभ्यर्थी पूर्व में आनलाइन आवेदन नहीं किया है.

तन और मन के लिए योग-ध्यान जरुरी : निर्मला

रांची। तन और मन की शुद्धि के लिए योग और ध्यान जरुरी है. इसके अभाव में लोग दुःखी और अशांत हैं. इससे छुटकारा पाने नवचेतना की आवश्यकता

है. उक्त बातें रविवार को ब्रह्माकुमारी संस्थान की संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कही. वे राजयोग प्रवचनमाला में अनुयायियों को अपना आशीर्वचन प्रदान कर रही थीं. उन्होंने कहा कि इस मानसिक बीमारी के लिए योगाभ्यास एक अचूक उपचार है. योग के नाम से आज कितने ही प्रकार की शारीरिक क्रियाएं प्रचलित हैं.

चुनावी साल के भारत रत्न

इसमें दो राय नहीं, भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है. जिन व्यक्तियों ने देश के लिये असाधारण योगदान राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में दिया हो, उन्हें इस सम्मान का हकदार माना जाता रहा है. निश्चित रूप से केंद्र सरकारें अपनी विचारधारा और राजनीतिक सुविधा से पुरस्कारों की घोषणा करती रही हैं. पिछले दिनों बिहार में सामाजिक क्रांति के अगुवा रहे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई थी. फिर अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को पुरस्कार दिया गया. शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की जानकारी दी. इस साल अब तक पांच लोगों को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा की जा चुकी है. सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लगा है, लेकिन लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि कितने लोगों को एक साल में भारत रत्न पुरस्कार दिया जा सकता है. कहा जा रहा है कि नियम के अनुसार एक साल में अधिकतम तीन लोगों को ही भारत रत्न से सम्मानित किया जा सकता है. ऐसे में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या इस संबंध में सरकार ने नियमों में कतिपय बदलाव किये हैं या फिर इन्हें किसी दूसरे वर्ष में सम्मानित करने का फैसला किया गया है.

> शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की जानकारी दी.

निस्संदेह, भारत रत्न सर्वोच्च नागरिक सम्मान है और इसकी अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा है. जिनके असाधारण प्रयासों से देश को लाभ हुआ हो, उन्हीं को इस पुरस्कार के योग्य माना जाता है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में नियम से हटकर चार बड़ी हस्तियों को भारत रत्न के लिये चुना गया था. फिलहाल, विपक्षी दल पुरस्कार की घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहे हैं. राजनीतिक पंडितों का कहना है कि केंद्र सरकार ने पुरस्कारों के जरिये विभिन्न राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को साधा है. चुनावी साल में पांच हस्तियों को देश के सबसे बड़ा नागरिक सम्मान दिये जाने के राजनीतिक निहितार्थ देखे जा रहे हैं. निस्संदेह किसानों के नेता व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जाट समाज में खासा प्रभाव रहा है. यह फैक्टर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली की जाट बहुल सीटों को प्रभावित कर सकता है. इसे चौधरी चरण सिंह की राजनीतिक विरासत संभाल रहे जयंत चौधरी के भाजपा से जुड़ाव की कवायद के रूप में भी देखा जा रहा है. वहीं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न देकर यह दर्शाने का प्रयास किया कि भाजपा कांग्रेस के पूर्व नेतृत्व को पूरी तरह खारिज नहीं करती. राव को मरणोपरांत यह सम्मान देकर भाजपा ने दक्षिण भारत के मतदाताओं को भी प्रभावित करने का प्रयास ही किया है. कृषि क्रांति के सूत्रधार एमएस स्वामीनाथन के असाधारण योगदान पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जा सकता.

सुभाषित

अतितृष्णा न कर्तव्या तृष्णां नैव परित्यजेत्।
शनैः शनैश्च भोक्तव्यं स्वयं वित्तमुपार्जितम् ॥

बहुत अधिक इच्छाएं नहीं करनी चाहिए, क्योंकि बहुत अधिक इच्छाएं पूरी नहीं हो पातीं. इसके बावजूद इच्छाओं का पूरी तरह से त्याग भी नहीं करना चाहिए. अपने कमाये हुए धन का धीरे-धीरे उपभोग करना चाहिए और जो उपलब्ध है, उसी का आनंद लेना चाहिए.

यूसीसी का उत्तराखंड के रास्ते देश में प्रवेश

यूसीसी (समान नागरिक संहिता) पर सुशील मोदी की अध्यक्षता में गठित 17 सदस्यीय कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति की 3 जुलाई 2023 की बैठक के बाद सुशील मोदी ने बताया था कि इस संहिता से जनजातियों को अलग किया जा सकता है और यही प्रावधान उत्तराखंड की समान नागरिक संहिता में भी किया गया है.

उत्तराखंड विधानसभा से समान नागरिक संहिता या कॉमन सिविल कोड का विधेयक पास कराना पूरे देश में इस को लागू कराने का ट्रायल माना जा रहा है, क्योंकि बिना राष्ट्रपति या केंद्र सरकार की अनुमति से न तो यह लागू हो सकती है और न ही उत्तराखंड सरकार बिना केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के इतने बड़े और विवादित मुद्दे को छेड़ सकती है. माना जाता है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी 1951-52 का आम चुनाव समान नागरिक संहिता पर ही लड़ा था, जिसका उन्हें लाभ मिला और उन्होंने 1955 और 56 में हिंदुओं से संबंधित नागरिक संहिताएं पारित करवा दीं. परिस्थितियों को देख कर साफ लगता है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व यूसीसी का ट्रायल उत्तराखंड में कराया जा रहा है. नागरिक संहिता की ड्राफ्ट कमेटी ने 2 जून 2023 को दिल्ली में 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ऋतुराज अवस्थी से भेंट की थी. इसके बाद जस्टिस रंजना देसाई ने सीएम पुष्कर सिंह धामी के साथ 3 जुलाई 2023 को इस संबंध में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की. उसके अगले ही दिन सीएम धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद बताया था कि पीएम उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता की तैयारियों से भली भांति अवगत हैं. इन मुलाकातों से साफ जाहिर है कि उत्तराखंड का यूसीसी कानून अकेले पुष्कर सिंह धामी के दिमाग की उपज नहीं, बल्कि एक सुनियोजित चुनावी रणनीति का ही हिस्सा है.

जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी की 2 जून को 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात के बाद 14 जून को आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर जन साधारण और धार्मिक संगठनों से राय शुमारी करना भी केंद्र सरकार की इस संहिता को लागू करने के प्रति बढ़ती रुचि के साथ ही सरकार के उत्तराखंड की नागरिक संहिता से सीधे लिंक को ही दर्शाता है. क्यों 21वां विधि आयोग 2018 की अपनी रिपोर्ट में साफ कह चुका था कि भारत में न तो समान नागरिक संहिता जरूरी है और ना ही वांछित है. उस आयोग का गठन भी मोदी सरकार ने ही किया था और उसके पास भी यह विषय विचारणीय था. यही नहीं उत्तराखंड के सीएम ने पहले कहा था कि देसाई कमेटी जून तक अपनी रिपोर्ट दे देगी. उन्होंने यह भी कहा था कि संहिता का ड्राफ्ट बन कर प्रेस में है, लेकिन कमेटी की विधि आयोग और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकातों के बाद उसकी रिपोर्ट को इतने विलम्ब से 2 फरवरी को आने का मतलब विधि आयोग और गृह मंत्रालय के सामंजस्य से रिपोर्ट को ऐसा बनाना भी हो सकता है, जो स्वयं केंद्र सरकार के काम आए.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता में 21 फरवरी 2020 को 22वें विधि आयोग का गठन 3 साल के लिए हुआ था, जिसका कार्यकाल फरवरी 2023 में पूरा होने के बाद उसे 31 अगस्त 2024 तक का विस्तार दिया गया है. भारत का विधि आयोग एक गैर-सांविधिक निकाय है और भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय की एक अधिसूचना द्वारा कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए एक निश्चित समय सीमा के साथ इसे गठित किया जाता है और आयोग के विचारार्थ विषयों के अनुसार सरकार को (रिपोर्ट के रूप में) सिफारिशें करता है. वर्तमान आयोग के समक्ष भी विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा समान नागरिक संहिता के मामले को संदर्भित किया गया है. आयोग को अपने मूल कार्यकाल की समाप्ति के बाद अब यूसीसी पर तत्परता दिखाने का सीधा मतलब भारत सरकार का इस मुद्दे को अपनी प्राथमिकता में लाना है. तत्परता भी तब दिखाई जा रही है, जब उसका मूल कार्यकाल ही समाप्त हो गया. सरकार का इस विषय पर इतनी रुचि दिखाने का मतलब 2024 का लोकसभा चुनाव ही हो सकता है.

संविधान के नीति निर्देशक तत्व संख्या 44 में सरकार से भारत के पूरे क्षेत्र के अंदर समान नागरिक संहिता लागू करने की अपेक्षा की गई है. मौलिक अधिकारों संबंधी अनुच्छेद 24 से 28 की रुकावटों, देश की सांस्कृतिक विविधता और अनुसूची 5 और 6 की विशेष परिस्थितियों के कारण भारत की सरकारें अब तक इसे लागू नहीं कर सकीं. मोदी सरकार धारा 370 को हटाने तक का बहुत ही मुश्किल काम आसानी से कर गई, लेकिन वह भी देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता तथा संवैधानिक प्रावधानों को देखते हुए यूसीसी को लेकर ठिठक गई. यह संहिता सीधे तौर पर लोगों की आस्था और धार्मिक परम्पराओं के मौलिक अधिकारों से संबंधित है. यह भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र से भी संबंधित है और सुप्रीम कोर्ट की सबसे बड़ी बेंच 1973 में कह चुकी है कि संसद के पास संविधान संशोधन के व्यापक अधिकार तो हैं, लेकिन असीमित अधिकार नहीं हैं. उसी समय कोर्ट का यह भी कहना था कि संविधान की मूल भवना से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है और अगर ऐसा होता है तो सुप्रीमकोर्ट को ऐसे संशोधनों की समीक्षा का अधिकार है. इसलिए उत्तराखंड की यूसीसी को भी कोर्ट में चुनौती अवश्य मिलेगी. जहां तक उत्तराखंड में यूसीसी का सवाल है तो राज्य विधानसभा को कानून बनाने का पूरा अधिकार है मगर संविधान के दायरे से बाहर जाने का अधिकार नहीं. यह संविधान की समवर्ती सूची का है और अनुच्छेद 254(1) कहता है कि समवर्ती सूची के विषयों पर संसद के साथ ही विधानसभा भी कानून बना तो सकती है, लेकिन अगर दोनों के कानून टकराते हैं तो केंद्र के कानून के आगे राज्य का कानून स्वतः अमान्य हो जाएगा.

चूंकि इस विषय पर पहले ही संसद द्वारा पारित हिंदू मैरेज ऐक्ट और मुस्लिम पर्सनल लॉ जैसे कानून मौजूद हैं, जिन्हें बदलने का अधिकार राज्य विधानसभा को नहीं है, लेकिन इसी अनुच्छेद के 254 (2) में कहा गया है कि अगर समवर्ती सूची में राज्य विधानसभा द्वारा पारित कानून को राष्ट्रपति अनुमति देते हैं तो वह कानून उस राज्य की सीमा के अंदर लागू हो सकता है. जाहिर है कि इसी धारा को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड में यूसीसी बनाने की पहल हो रही है और बिना केंद्र सरकार के आश्वासन या प्रोत्साहन के राज्य सरकार द्वारा यह पहल नहीं हो सकती थी. इस यूसीसी में मौलिक अधिकारों के हनन के साथ ही लिव इन रिलेशन, सम्पति का उत्तराधिकार, सरकारी कर्मचारियों तथा दूसरे राज्यों में रह रहे प्रवासियों पर बंदिशें जैसी कुछ ऐसी खामियां हैं, जो अदालती हस्तक्षेप के लिए पर्याप्त कारण है. ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार ट्रायल के तौर पर उत्तराखंड में यह संहिता परखना चाहती है और देखना चाहती है कि इसके सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक प्रभाव क्या हो सकते हैं.

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

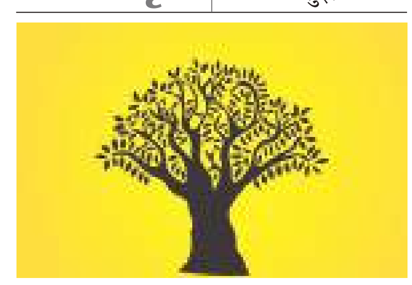

व्यक्तित्व के चार शत्रु

व्यक्तित्व के चार शत्रु, मन के चार कषाय भाव हैं. यथा- क्रोध, मान (मद, अहंकार), माया (छद्म व्यवहार कपट), लोभ (लालच तृष्णा). काम वस्तुतः उसके विकृत स्वरूप में ही दूषण है. यह अपने सामान्य स्वरूप में विकार नहीं है. एक ब्रह्मचारी के लिए तो काम हर दशा में अनादेय है वहीं, जो एक साथी से वचन बद्ध है या व्रतधारी है, उनके लिए मर्यादित स्वरूप में स्वीकार्य है. वैसे भी काम के प्रति जनसामान्य में सहानुभूति है. मात्र विकृत स्वरूप से ही वितृष्णा है. अतः इसे सर्वसामान्य कथन के रूप में, व्यक्तित्व का शत्रु नहीं माना जा सकता. तथापि कामविकार को तृष्णा अर्थात लोभ में परिगणित तो माना जाता ही है. प्रत्येक आत्म के साथ मोह का प्रगाढ बंधन होता है. और ये चार कषाय, मोह से ही सक्रिय होते हैं. मोह के दो स्वरूप है राग और द्वेष. मोह से ही मन के अनुकूल स्थिति 'राग' है और मोह से ही मन के प्रतिकूल स्थिति 'द्वेष' है. इन चार कषायों में दो 'राग' प्रेरित है और दो 'द्वेष' प्रेरित. माया और लोभ राग प्रेरित है तो क्रोध व मान द्वेष प्रेरित. 'मोह' से इतना स्रोत सम्बंध होने के उपरांत भी 'मोह' इन शत्रुओं का पोषक तो है किंतु सीधा दूषण नहीं है. इसलिए व्यक्तित्व के शत्रुओं के रूप में क्रोध, अहंकार, कपट और लोभ को चिह्नित किया जा सकता है. निसंदेह अहंकार इन चारों में अधिक प्रभावशाली और दुर्जेय है. किंतु यदि मात्र अहंकार को लक्ष कर, उसे ही साधा जाय और शेष तीनो को खुला छोड दिया जाय तो वे अहंकार को सधने नहीं देते. वस्तुतः यह चारों कषाय एक दूसरे पर निर्भर और एक दूसरे के सहयोगी होने के बाद भी अपने आप में स्वतंत्र दूषण है. इसलिए चारों पर समरूप नियंत्रण आवश्यक है. एक को प्रधानता और दूसरे के प्रति जरा सी लापरवाही, उस एक को साधने के लक्ष्य को सिद्ध होने नहीं देती. कह सकते है यह शत्रुओं का घेरा है, जिस शत्रु को कमजोर समझा जाएगा वह निश्चित ही पीछे से वार करेगा. चारों के साथ, समरूप संघर्ष आवश्यक है. अब बात ईर्ष्या और आलस की तो ईर्ष्या 'अहंकार' का ही प्यादा है और आलस 'लोभ' का प्यादा. ये दोनों भी, उन चार प्रमुख शत्रुओं के अधीनस्थ ही है. यदि हम गौर से देखेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि क्रोध, घमण्ड, अविश्वसनीयता और प्रलोभन हमारे व्यक्तित्व को असरदार बनने नहीं देते. और इन चारों के अधीनस्थ जो भी दूषण आते हैं, वे भी सभी मिलकर हमें नैतिकता के प्रति टिकने नहीं देते.

श्रीलंका की राजनीतिक बिसात पर भारतीय दांव

• देशातंर

पुष्परंजन

क्यों और किसलिए भारत सरकार के अतिथि के रूप में श्रीलंका के वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी या पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 5 फरवरी को तीन दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचा? अब इस रणनीति के दूसरे हिस्से को ध्यान से देखना-समझना होगा. अनुरा कुमारा दिसानायक 27 अक्तूबर, 2023 को लॉस एंजिलिस गये थे. उससे पहले उनकी मुलाक़ात अमेरिकी राजदूत जुलिये चुंग से 19 अक्तूबर, 2023 को कोलंबो में हुई थी. मई, 2023 से वे लगातार अमेरिकी राजदूत से मिलते रहे. श्रीलंका के अल्ट्रा लेफ्ट नेता अनुरा कुमारा दिसानायक में भारतीय व अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठानों की दिलचस्पी के मायने तलाशने में दुनिया की बड़ी शक्तियां लग गई हैं. साल 2023 में जेवीपी के हृदय परिवर्तन से सबको हैरानी हुई थी. ये वो लोग हैं, जिन्होंने 29 जुलाई, 1987 को हुए भारत-श्रीलंका समझौते का विरोध करते हुए एक सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था. इनके एजेंडे में तथाकथित 'भारतीय विस्तारवाद' का विरोध कूट-कूट कर भरा था. इन्होंने भारतीय सामानों का बहिष्कार से लेकर यहां की साड़ी तक धारण करने पर रोक लगा दी थी. दिसंबर, 2023 में एक इंटरव्यू के ज़रिये जनता विमुक्ति पेरामुना के रुख में बदलाव को स्वीकार करते हुए दिसानायक ने कहा था, 'हम जानते हैं कि भारत, जो हमारा निकटतम पड़ोसी है, एक प्रमुख राजनीतिक-आर्थिक केंद्र बन गया है. इसलिए भारत के प्रभाव को हम नकार नहीं सकते.'दिसंबर, 2014 में एनएसए अजीत डोभाल 'गाले डॉयलॉग' के वास्ते श्रीलंका गये थे, तब उन्होंने हिंद महासागर को शांति क्षेत्र बनाये जाने की परिकल्पना पर ज़ोर दिया था. दिसंबर, 2023 में एक बार फिर अजीत डोभाल श्रीलंका कोलंबो सिक्योरिटी कांक्लेव में गये और क्षेत्रीय सुरक्षा की बात की. अजीत डोभाल का इस बीच श्रीलंका के शिखर नेताओं से लगातार मिलना-जुलना रहा है, जिनमें वामपंथी नेतृत्व भी है. नई दिल्ली में इस सप्ताह जेवीपी के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक की मेहमाननवाजी इसी रणनीति का हिस्सा लगता है. जेवीपी प्रतिनिधिमंडल विदेशमंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात के बाद अहमदाबाद और तिरुवनंतपुरम की ओर रवाना हो गया. इन जगहों पर वामपंथी शिष्टमंडल को कृषि और उद्योग केंद्रों का अवलोकन करना है. सरकारी अधिकारियों व व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के साथ बैठक के बाद

> साल 2023 में जेवीपी के हृदय परिवर्तन से सबको हैरानी हुई थी. ये वो लोग हैं, जिन्होंने 29 जुलाई, 1987 को हुए भारत-श्रीलंका समझौते का विरोध करते हुए एक सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था. इनके एजेंडे में तथाकथित 'भारतीय विस्तारवाद' का विरोध कूट-कूट कर भरा था. इन्होंने भारतीय सामानों का बहिष्कार से लेकर यहां की साड़ी तक धारण करने पर रोक लगा दी थी.

8 फरवरी को इनकी वतन-वापसी है.1935 में स्थापित देश की पहली वामपंथी ट्रॉट्स्कीवादी 'लंका समा समाज पार्टी' थी. वह पार्टी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत बन गई, जो 1948 में सफल हुई. लंका समा समाज पार्टी ने 1953 की हड़ताल का नेतृत्व करने में कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर चावल सब्सिडी को समाप्त करने के सरकार के प्रस्ताव का सफलतापूर्वक विरोध किया, जिस पर कई श्रीलंकाई लोग भरोसा करते थे. लेकिन तीन दशक बीत जाने के बाद भी श्रीलंका में वामपंथियों को सत्ता में आने का अवसर नहीं मिल पाया. धान उत्पादन और भूमि सुधार वादा पूरा नहीं हुआ, देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई.कालांतर में माओवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक गुट ने जनता विमुक्ति पेरामुना का गठन किया, जिसके कारण 1971 में ग्रामीण गरीबी और बेरोजगारी से परेशान सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह हुआ, जिसे शासन ने कुचल दिया. वर्ष 1978 में जेआर जयवर्धने के राष्ट्रपति बनने के बाद भी तनाव जारी रहा, जब श्रीलंका ने बाजार-संचालित अर्थव्यवस्था शुरू की. वर्ष 1980 की आम हड़ताल में जब कई वामपंथी दलों और ट्रेड यूनियन नेताओं ने वेतन वृद्धि की वकालत की, तो शासन ने ट्रेड यूनियन आंदोलन को कुचलने के लिए बल का प्रयोग किया. इस साल की शुरुआत में जब देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए तब तक वामपंथ बिखरा हुआ था. लेकिन 'गोटा गो गामा' आंदोलन ने बादुल्ला, गाले और कैंडी जैसे शहरों में युवाओं को सक्रिय कर दिया. वामपंथी इंटर यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स फेडरेशन, जिसे 'अंतारे' के नाम से जाना जाता है, ने कई हल्ला बोल और विरोध प्रदर्शन किए. फिर 12 मई, 2023 को विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने के बाद, वामपंथियों ने जनता को यह भरोसा दिलाना शुरू किया कि उन्हें अवसर मिला तो अर्थव्यवस्था को स्थिर कर सकते हैं और मुल्क में सामान्य स्थिति को दोबारा बहाल कर सकते हैं.

ममता बनर्जी को किस कारण है वर्तमान दुविधा

• सियासत

अरुण श्रीवास्तव

हाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुश्किल में फंसती नजर आ रही हैं. राजनीतिक चर्चा के अनुसार, उनकी तृणमूल कांग्रेस के लगभग 14 और मंत्री, विधायक और वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व प्रतिशोध की प्रतीक्षा सूची में हैं, जिन्हें अगले दो महीनों में, लोकसभा चुनाव से काफी पहले, ईडी द्वारा गिरफ्तार किया जाना है. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खुद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने आशंका जताई है कि लोकसभा चुनाव से पहले और भी विपक्षी नेताओं को जेल जाना पड़ सकता है और अगर उन्हें भी जेल भेजा गया तो वह किसी तरह बाहर आ जायेंगी. उन्होंने यहां तक कहा कि 'डरा-धमकाकर सभी को सलाखों के पीछे डाल दिया जायेगा. ध्यान रखें कि चुनाव जीतने के लिए सभी को जेल भेजा जा रहा है.' वर्तमान में, पार्थ चटर्जी, ज्योति प्रिया मल्लिक, कुंतल घोष, माणिक भट्टाचार्य और कद्दावर नेता अणुब्रत मंडल सहित टीएमसी में कम से कम पांच वरिष्ठ नेता और मंत्री महीनों से जेल में बंद हैं. उन्हें स्कूल सेवा आयोग भर्ती घोटाला, राशन वितरण घोटाला और पशु तस्करी में कथित संलिप्तता के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था. तृणमूल कांग्रेस संगठन में वास्तविक रूप से नंबर दो, ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम उन 14 नेताओं की सूची में सबसे ऊपर है, जिनकी गिरफ्तारी की संभावना है. इनमें से अधिकतर नेताओं के आवासों और दफ्तरों पर ईडी पहले ही छापेमारी कर चुकी है. वे मवेशी तस्करी, कोयला तस्करी आदि से जुड़े विभिन्न मामलों में फंसे हुए हैं. अफवाहों में सांसद और फिल्म स्टार नुसरत जहां का नाम भी शामिल है. मोदी और अमित शाह के इशारे पर ईडी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले टीएमसी को पंगु बनाने, उसके शीर्ष नेताओं और चेहरों को चुनावी जीत के रास्ते पर से हटाने पर आमादा है. सूत्रों का कहना है कि इस बार ईडी भारी सशस्त्र दल के साथ घटनास्थल पर उतरेगी और यदि उनके कार्यों का विरोध करने का कोई प्रयास किया गया तो वह क्रूर बल का प्रयोग करने से नहीं चूकेगी. बेशक, ममता बनर्जी ने राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया हैः 'क्या हम सभी चोर हैं और वे सभी संत हैं? वे चोरों में सबसे बड़े हैं. आज वे सत्ता में हैं और इसीलिए एजेंसियों को लेकर घूम रहे हैं. कल वे सत्ता में नहीं रहेंगे और सब कुछ ख़त्म हो जायेगा.' हालांकि, आलोचक, शिक्षाविद और बुद्धिजीवी मौजूदा स्थिति के लिए बंगाल की सीएम को दोषी मानते हैं. ममता की मुद्रा के विपरीत, वामपंथियों ने यह कहकर भाजपा से लड़ने के लिए अपनी राजनीतिक परिपक्वता और उत्सुकता दिखाईः 'हमने दरवाजे बंद नहीं किये हैं और न ही हम नेतृत्व करने जा रहे हैं. हम अतिरिक्त मील चलकर राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हुए हैं. अब यह कांग्रेस को तय करना है कि वे हमारे साथ गठबंधन चाहते हैं या ममता के साथ. जब तक वे तृणमूल के साथ बातचीत जारी रखेंगे, हम दूर रहेंगे. राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब मुर्शिदाबाद से गुजरी तो मोहम्मद सलीम सहित बंगाल सीपीएम के कई नेता उनके साथ थे. ममता बनर्जी लगातार मोदी के नक्शेकदम पर चलते हुए कांग्रेस पर हमले कर रही हैं, विशेषकर कांग्रेस आलाकमान द्वारा प्रदेश अध्यक्ष अधीर चौधरी को मुंह बंद करने के लिए नहीं कहने के कारण. टीएमसी के साथ गठबंधन करने की कांग्रेस की उत्सुकता सोनिया गांधी द्वारा सीट बंटवारे को सुलझाने के लिए ममता से मिलने के फैसले से भी जाहिर होती है. हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि बनर्जी इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से भी अधिक अड़ियल हैं. ममता इंडिया ब्लॉक की चुनावी क्षमता और इससे भाजपा और खासकर मोदी के लिए पैदा होने वाले खतरे से अनभिज्ञ नहीं हैं, लेकिन वह नखरे दिखा रही हैं. उनकी टिप्पणियों को अन्य राज्यों में भी व्यापक प्रचार मिल रहा है, जिससे इंडिया ब्लॉक की अखंडता को खतरा पैदा हो गया है. गांधी अलग नहीं सोचती थीं. कांग्रेस ने तीखा हमला करते हुए जवाब दिया, 'मोदी जो सोचते हैं कि वह चतुर हैं, लेकिन असल में वह जिस पद पर हैं, उसका अपमान करते हैं. मेगालोमेनिया और नेहरूफोबिया एक जहरीला मिश्रण है, जो भारत में लोकतंत्र की हत्या का कारण बन रहा है. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोमवार को लोकसभा में अपना भाषण देते समय मोदी अपने 'बेतुके बुरे' स्तर पर थे, जिसे पार्टी ने 'निम्न-श्रेणी' वाला बताया.

> तृणमूल कांग्रेस संगठन में वास्तविक रूप से नंबर दो, ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम उन 14 नेताओं की सूची में सबसे ऊपर है, जिनकी गिरफ्तारी की संभावना है. इनमें से अधिकतर नेताओं के आवासों और दफ्तरों पर ईडी पहले ही छापेमारी कर चुकी है. वे मवेशी तस्करी, कोयला तस्करी आदि से जुड़े विभिन्न मामलों में फंसे हुए हैं.

मीडिया में अन्यत्र

ब्राजील में एक नाकाम तख्तापलट

ब्राजील की पुलिस ने चौंकाने वाले आरोप लगाये हैं कि पूर्व राष्ट्रपति जाएर बोलसोनारो, उनके सहयोगियों और कुछ सैन्य अधिकारियों ने, 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद, तख्तापलट की कोशिश की थी. यह उन संरचनात्मक दरारों और राजनीतिक चुनौतियों को उजागर करता है जिनका सामना दक्षिण अमेरिका का युवा लोकतंत्र कर रहा है. पुलिस का यह भी आरोप है कि वे चुनाव में धांधली का झूठा प्रचार करने, नये चुनाव के लिए दबाव बनाने, तख्तापलट के लिए सैनिकों की भर्ती करने, जजों की जासूसी करने और चुनाव नतीजों की अवहेलना करनेवाले प्रदर्शनों के लिए भीड़ को उकसाने में शामिल थे. चुनाव से काफी पहले ही, बोलसोनारो ने चुनाव प्रणालियों के बारे में संशय जाहिर किया था. उन्होंने अपने वामपंथी प्रतिद्वंद्वी लुईस ईनास्यू लूला डा सिल्वा से हार कबूल करने से इनकार किया था, जबकि उनके धुर-दक्षिणपंथी समर्थकों ने अपना विरोध जारी रखा, जिसकी परिणति जनवरी 2023 में ब्राजील की संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति कार्यालय में दंगे के रूप में हुई. एक अदालत ने बोलसोनारो को अपना पासपोर्ट जमा कराने और उनके तीन सहयोगियों व उनकी पार्टी के प्रमुख को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है. इस धुर-दक्षिणपंथी नेता, जिसके शासन में ब्राजील की अर्थव्यवस्था तबाह हुई, सामाजिक तनाव बढ़े, कोविड-19 के बोझ तले स्वास्थ्य व्यवस्था बिखर गयी और संस्थाएं हमले का शिकार बनीं, का कहना है कि ये आरोप राजनीति से प्रेरित हैं. लेकिन उनके लिए इस मुश्किल से निकलना आसान नहीं है. सत्ता में रहे लोगों को व्यवस्था द्वारा निशाना बनाया जाना, ब्राजील में कतई नया नहीं है. बजट नियमों के उल्लंघन के आरोप में पूर्व वामपंथी राष्ट्रपति डिलमा रूसेफ पर 2016 में महाभियोग चलाया गया था. मौजूदा राष्ट्रपति लूला ने भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी करार दिये जाने पर अपने कार्यकालों के बीच में 580 दिन जेल में बिताये. बाद में उनकी दोषसिद्धि को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया. रूसेफ एवं लूला भ्रष्टाचार के आरोपी थे और ब्राजील की संसद व न्यायपालिका की ताकतवर लॉबियों के शिकार बने, लेकिन 1964-1985 की क्रूर तानाशाही के पैरोकार बोलसोनारो के खिलाफ कहीं ज्यादा गंभीर आरोप हैं. ब्राजील में लोकतंत्र नाजुक है और सेना के लिए, तानाशाही की यादें अब भी ताजा हैं. राजनीतिज्ञों या अधिकारियों द्वारा चुनाव प्रक्रिया की अवहेलना और लोकतंत्र को कमजोर करने की किसी कोशिश से यथासंभव गंभीरता से निपटा जाना चाहिए. लेकिन यह राजनीतिक बदले की भावना से बचते हुए, कानून के मुताबिक किया जाना चाहिए.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सलाम/सलीम

सलीम भाई मुझसे उम्र में बड़े हैं, इसलिए जब भी वे मेरे सामने होते हैं, मैं उन्हें सलाम करता हूं. हालांकि मुस्लिम समुदाय में तो बुजुर्ग बच्चों तक को अस्स्लामअलैकुम बोलते हैं. इस व्याख्या में सलाम और सलीम पर गौर किया जा सकता है. ये दोनों शब्द अरबी भाषा मूल के हैं और हिंदी में भी प्रचलित हैं. सलाम शब्द संज्ञा पुल्लिंग है तो वहीं सलीम विशेषण. सलाम का सीधा अर्थ है नमस्कार, प्रणाम. यह अभिवादन करने की एक फारसी शैली है, जिसमें दाहिने हाथ की उंगलियों को माथे पर लगाते हैं. एक पद है सलामअलैकुम, जिसका मतलब है तुम सलामत रहो. तुम पर सलामती हो. सलामत विशेषण है. इसका मतलब है विपदा या हानि से बचा हुआ, सुरक्षित, महफूज, सकुशल, जीवित, स्वस्थ, पूर्ण, पूरा, अखंड. सलामत होने की अवस्था या भाव को सलामती कहा जाता है. चर्चा हो रही थी सलाम शब्द की. इससे बनता है सलामी. यह संज्ञा स्त्रीलिंग है. हिंदी में सलाम जैसा ही इस शब्द का प्रयोग भी होता है. इसका आशय है सलाम करने की क्रिया भाव, सैनिकों या सिपाहियों द्वारा किसी प्रतिष्ठित अतिथि के आगमन पर उसके सम्मानार्थ बंदूकों, तोपों आदि का दागा जाना, मकान या दुकान आदि किराये पर देते समय पगड़ी के रूप में लिया जानेवाला धन. अब तो आप सलामी शब्द की अहमियत समझ ही गये होंगे. विशेषण के रूप में सलामी का मतलब झुकनेवाला, ढालुआं, प्रारंभिक, शुरुआती भी होता है. मुस्लिम समाज में सलाम की तरह ही सलीम शब्द भी काफी लोकप्रिय है. मुस्लिम और यहूदी समाज में पुरुषों का नाम सलीम रखा जाता है. बादशाह अकबर के पुत्र का नाम सलीम था, जो बाद में शाहजहां के नाम से प्रसिद्ध हुआ. फिल्मी दुनिया के मशहूर संवाद लेखक सलीम खान को तो फिल्मों से ताल्लुक रखनेवाले लोग जानते ही हैं.सलीम का मतलब है शांत, गंभीर, सहनशील, शांतिप्रिय, सरल, विनीत, ठीक, दुरुस्त, ध्वनि, अछूता, ईमानदारी, सुरक्षित, मुबारक.

सबके वश की बात नहीं जीवन में सादगी

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

सादगी का महत्व समझते हुए हमने सोचा कि चलो, जीवन में सादगी को अपनाया जाए ! मोहल्ले में एक नेता जी को दिन भर सफेद पैंट और सफेद शर्ट प्रेस करी हुई पहने हुए देखते थे. हमने सोचा कि यह सादगी के प्रतीक हैं. उनके पास गए. कहा "हम जीवन में सादगी को अपनाना चाहते हैं. बताइए, क्या करना होगा?" नेता जी ने हमारी तरफ नजर डाली और कहने लगे "सादगी को अपनाना तुम्हारे बस की बात नहीं है. यह बहुत खर्चीला आइटम है." हमें बड़ा आश्चर्य हुआ. हमने प्रश्न किया "सादगी तो बहुत सस्ती मानी जाती है. यह खर्चीली कब से हो गई?" नेता जी बोले "मेरी पैंट-शर्ट देख रहे हो! सुबह दस बजे नहाकर तैयार होता हूं. धुली हुई और प्रेस की हुई पैंट-शर्ट पहनता हूं. ग्यारह बजे मीटिंग अटेंड करता हूं. उसके बाद कार्यकर्ताओं से मिलता हूं. दोपहर का भोजन करने के बाद जब सोता हूं और पुनः उठकर पांच बजे की मीटिंग में जाता हूं तो नई पैंट-शर्ट पहनता हूं. पुरानी पैंट और शर्ट धोबी के पास धुलने के लिए चली जाती है. शाम को गतिविधियों से निबट कर वापस आता हूं. रात्रि नौ बजे या तो किसी राजनीतिक विचार-गोष्ठी में हिस्सा लेना होता है या फिर किसी मनोरंजक कार्यक्रम का उद्घाटन करना पड़ता है. तीसरी बार पुनः नई ड्रेस पहनी जाती है. मैं पैंट-शर्ट पहनता हूं, जबकि हमारे कुछ साथी खद्दर का कुर्ता-पाजामा पहनते हैं. लेकिन खर्चा एक सा-ही आता है. क्या इतना खर्च कर सकोगे?" नेता जी ने जब प्रश्नवाचक मुद्रा में हमें देखा तो हमारा सादगी का उत्साह ठंडा पड़ गया. हमने मरियल स्वर में कहा "हमें सफेद कुर्ता पाजामा तथा सफेद पेंट शर्ट देखने में अच्छी लगी तो हमने सोचा इसे पहनना शुरू कर दिया जाए और सादगी वाले समूह में शामिल हो जाएं..लेकिन हम तो एक दिन में तीन बार क्या ,दो बार भी कपड़े बदलने के मूड में नहीं हैं. उनकी धुलाई का खर्चा कौन बर्दाश्त करेगा?" अब नेताजी रहस्य भरी मुस्कुराहट चेहरे पर भी बिखेरने लगे. बोले "बच्चू ! हमने तो पहले ही कहा था कि यह सादगी का खेल बहुत महंगा है. फिर बार-बार कपड़े धुलेंगे तो सिर्फ धुलाई का खर्च ही ज्यादा नहीं होगा, बल्कि फटेंगे भी ज्यादा और नए सिलवाने भी अधिक संख्या में पड़ेंगे. सोचो, खर्चा कहां तक बर्दाश्त करोगे!" सादगी की कड़वी सच्चाइयों का सामना करने के बाद हमने कपड़ों के मामले में सादगी बरतने की योजना त्याग दी और जिस तरह नीले-हरे-पीले कपड़े पहनते थे, वैसे ही पहनते रहे.

सुकून

मोटिवेशन

लॉन्ग लास्टिंग प्यार

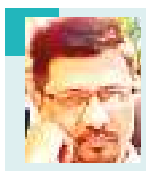

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

वसंत के आते ही फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ का यह शेर खुद-ब-खुद जुबां पर आ जाता है- गुलों में रंग भरे बाद-ए-नौ-बहार चले / चले भी आओ कि गुलशन का कारोबार चले

जी हां, वसंत ऋतु के आगमन से फूलों में निखार आ गया है, नई उम्मीदें, नई चाहतें सामने आ खड़ी हुई हैं, नई खुशियां हाथ थामने को बेचैन हैं. आइए, वसंत के आगमन का स्वागत करें. वसंत का हाथ थामे आता है वेलेंटाइन डे. एक साल के लंबे इंतजार के बाद प्रेमियों की दिलों की धड़कनें बढ़ा देता है. प्यार करने वालों के लिए इजहार करने का इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है जब सारी क़ायनात इनका साथ देने के लिए आतुर है. तो बेशक आप वेलेंटाइन डे मनाएं, अपने प्यार का इजहार करें, लेकिन इन बातों को जरूर ध्यान में रखें: (यह आलेख 13 से 30 वर्ष के युवाओं पर केंद्रित है, जो अभी तक सिंगल हैं)

1. **पेरेंट्स से झूठ न बोलें :** झूठ बोलकर किया हुआ कोई भी काम सही नहीं हो सकता. अगर काम सही है तो छुपाना कैसा! इसलिए अपने प्यार के संग आप यह दिन कहीं मनाने जा रहे हैं, तो अपने पेरेंट्स की जानकारी में जाएं. अगर पेरेंट्स नहीं मान रहे तो आप पेरेंट्स की बात मानें, खासकर तब जब आप अपने पैरों पर खड़े नहीं हैं. अपने पेरेंट्स को बैकवर्ड न समझें. वे हर हाल में आपका भला चाहते हैं. पेरेंट्स के नॉलेज में आप कोई काम करते हैं तो दिल से अच्छा और सुरक्षित महसूस करते हैं. पेरेंट्स से अनुरोध है कि समय के साथ चलें. अपने बेटा-बेटी के फ्रेंड के बारे में पूरी जानकारी रखें. अगर वह फ्रेंड सही लगता है तो अपने बेटा-बेटी को वेलेंटाइन डे मनाने दें. निर्धारित समय के लिए जाने दें. कड़ाई करने से बेहतर होगा दोस्ताना व्यवहार करना.

2. **उपहार या गिफ्ट :** अपने प्यार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना ही तो सबसे बड़ा गिफ्ट है. गिफ्ट दीजिए लेकिन किसी से उधार लेकर नहीं और न ही घर से पैसा चुराकर. आप अपने बजट के अंदर रहकर गिफ्ट दें. झूठे दिखावे के लिए बहुत महंगा गिफ्ट देना सरासर बेवकूफी है. सोच-समझकर ऐसे गिफ्ट दें जो भविष्य में आपके खिलाफ न चला जाए.

3. **सुरक्षित जगह:** शहर से दूर, एकांत जगह में जाने की कोई जरूरत नहीं है. असामाजिक तत्व ऐसे ही अवसरों की तलाश में रहते हैं. हर वर्ष कई अशुभ, बुरे समाचार सुनने को मिलते हैं. प्रेमियों को बुरी तरह पीटा गया, उनसे उठक-बैठक कराया गया और कुछ तो मर्डर वाले समाचार भी मिलते हैं. अच्छे पार्क, पिकनिक स्पॉट, रेस्तरां में जाएं जहां लोगों की उपस्थिति हो. वैसे पार्क और पिकनिक स्पॉट भी न जाना ही बुद्धिमानी होगी. वह तो आप समझ रहे हैं, क्यों. अच्छा होगा, सोच समझकर सही जगह का चयन करें.

4. **मर्यादा :** अपनी मर्यादा में रहकर वेलेंटाइन डे मनाएं. कुछ ऐसा न करें कि बाद में आपको पछताना पड़े. आप अपनी नजर में गिर जाएं. याद रखें- संयमित प्यार टिकता है, असंयमित प्यार चंद दिनों में अपना आकर्षण खो देता है.

5. **ड्रेस :** यह पॉइंट मुख्य रूप से गर्ल्स के लिए लिखा जा रहा है. आकर्षक दिखने के चक्कर में सस्ता मत दिखने लगें. कायदे के कपड़े पहनें, कायदे से बने संवरें. यह बात सिर्फ वेलेंटाइन डे के लिए नहीं कही जा रही बल्कि हर अवसर के लिए कही जा रही है. वैसे तो यह बात सभी के ऊपर लागू होती है.

मूल मंत्र : हेलेन केलर ने बहुत खूबसूरत बात कही है - संसार की सबसे खूबसूरत चीजें न देखी जा सकती हैं, न सुनी जा सकती हैं, उन्हें बस दिल से महसूस किया जा सकता है. प्यार एक खूबसूरत एहसास है. इसे शारीरिक आकर्षण, पैसा, उपहार से पाने और लुभाने की कोशिश न करें. वह छिछला प्यार होगा, टिकने वाला नहीं. लॉन्ग लास्टिंग प्यार बसता है - एक दूसरे को समझने में, प्रोत्साहित करने में, अच्छे-बुरे वक्त में एक दूसरे के लिए खड़ा होने में. वेलेंटाइन डे जरूर मनाएं, कायदे से मनाएं. एक दिन वाले प्यार को लाइफ लॉन्ग वाले प्यार में कन्वर्ट करें.

प्यार में टू स्टेट्स

अलग-अलग संस्कृति-भाषा-रिवाज के दो राज्य के बाशिंदों में जब प्यार के फूल खिलते हैं तो रंग बहुत अलहदा होता है. वेलेंटाइन वीक पर वास्तविक जीवन की ऐसी ही कुछ युगल जोड़ियों की कहानियां ...

डॉगी ने मिलाई जोड़ी-अदिति

कैरियर बनाने के चक्कर में 25 साल की उम्र तक तो शादी का मसला टलता रहा. परंतु उसके बाद घरवालों का दबाव बढ़ने लगा. मेरे पापा आए दिन लड़कों का बायोडाटा एवं उनका फोन नंबर भेजते रहे. मुझे इन सब चीजों में कोई रुचि नहीं थी. मैं अपने डॉगी सैंडी के साथ बैंगलोर में सेटल्ड होकर खुश थी. एक दिन पापा ने प्रतीक का नंबर दिया जिसके पेरेंट्स राजस्थान निवासी थे. तब भी मैंने कोई इंटरेस्ट नहीं दिखाया, पर नंबर सेव कर लिया था. एक बार उस नंबर से एक मेसेज आया,

"सुना है तुमने कुछ सालों से एक डॉग पाल रखा है. मैंने भी एक डॉग लिया है, पर मुझे उसका अनुभव नहीं है. क्या इस मामले में मेरी मदद करोगी?"

अर्पिता अदिति-प्रतीक शुक्ला

डॉग मुझे बहुत प्रिय हैं. मैंने तुरंत हामी भर दी और उसके खाने-पीने से लेकर उसे पॉटी आदि के लिए ट्रेंड करने में मैंने उसकी काफी सहायता की. धीरे-धीरे हम बहुत अच्छे दोस्त बन गए. इसी बीच मेरे मम्मी-पापा भीलवाड़ा जाकर प्रतीक के घरवालों से भी मिल आए थे. मेरी मम्मी और प्रतीक की मम्मी के बीच भी अच्छी दोस्ती हो गयी थी. दोनों परिवारों को बस हमारी हां का इंतजार था.

एक दिन मैं और प्रतीक बनारस घूमने गए. गंगा आरती के समय हजारों जलते दीए के समक्ष प्रतीक ने घुटनों के बल बैठकर मुझे प्रपोज किया. स्वीकृति मिलते ही चट मंगनी पट ब्याह के तर्ज पर हमारी शादी भी हो गयी.

महारानी सा हुआ फील

मैं रांची की रहने वाली जब शादी कर राजस्थान गयी तो एक नए परिवेश और नए रीति-रिवाजों का सामना हुआ. पर मुझे तो बड़ा मजा आ रहा था. सबकुछ फिल्मी-फिल्मी जो लग रहा था. वहां एक रस्म होती है कि जब नयी बहू आती है तो उसके सभी देवर परात में भाभी के पांव धोते हैं. हमारी शादी नीमराना पैलेस में राजस्थानी शाही अंदाज में हुई थी. मुझे तो महारानी वाली फीलिंग्स आ रही थी.

अजीब लगा यह रिवाज

वहां एक रिवाज देखने को मिला कि मर्दों के खाने के बाद ही औरतें खा सकती हैं. हमारे यहां ऐसा नहीं था. खैर मैं तो हसबैंड के साथ बैंगलोर आ गयी जहां हम दोनों ने नौकरी छोड़ अपनी-अपनी खुद की कंपनी खड़ी की. एक-दूसरे के प्यार और सहयोग से हमारी प्यारी-सी गृहस्थी चल रही है. हम दोनों अपने-अपने क्षेत्र में बहुत अच्छा कर रहे हैं. दो अलग स्टेट्स का कोई खास असर नहीं पड़ा हमारे ऊपर.

डॉ लीलान-डॉ संजय भट्ट

पढ़ते पढ़ते प्यार हो गया - डॉ लीलान

मैं झारखंडी (बिहारी) लड़की डॉक्टर लीलान और मेरी शादी एक कन्नड़ ब्राह्मण, डॉक्टर संजय भट्ट के साथ हुई. बात 35 साल पुरानी है. हम दोनों मेडिकल कॉलेज में साथ-साथ पढ़ते थे. हम दोनों नेशनल स्कॉलरशिप पाने वाले स्टूडेंट थे. जिन्हें नेशनल स्कॉलरशिप मिलता है उन्हें आगे भी स्कॉलरशिप कंटिन्यू रखने के लिए हमेशा अपने एग्जाम में फस्ट क्लास लगातार पाना जरूरी होता है. इस चक्कर में हम दोनों कॉलेज के बाद भी बाहर साथ-साथ पढ़ाई करते थे. धीरे धीरे यह पढ़ाई वाला साथ कब प्यार में बदल गया, पता ही नहीं चला. इंटर्नशिप में हम दोनों शादी के ख्वाब बुनने लगे, पर जाहिर था तू स्टेट्स की प्रॉब्लम आएगी. उन दिनों इंटर कास्ट मैरिज को कुछ ज्यादा ही तूल दिया जाता था. मेरा परिवार मीट मछली खाने वाला और संजय का परिवार विशुद्ध शाकाहारी.

खैर (बेंगलोर) बेंगलुरु में हम दोनों परिवार मिले और धूमधाम से हमारी शादी हुई. साथ ही मेंगलोर के खानदानी घर में हमारा जोरदार स्वागत भी. हम दोनों के एकेडमिक्स से परिवार बहुत खुश था. टू स्टेट्स के होते हुए भी लैंग्वेज की कोई प्रॉब्लम नहीं थी. सारे इंग्लिश बोलते थे. बस दादी मां को छोड़कर.

महंगा पड़ा वह सरप्राइज

शादी के दूसरे दिन ही मेरा जन्मदिन था. उसी दिन शाम को पूरे परिवार को कहीं अन्य शादी में भी जाना था. डॉक्टर संजय की दादीजी ने कहा कि "बेटा तुम दोनों किसी होटल में जाओ. खाना पीना करो. शादी के बाद हमलोग भी जल्दी ही उसी होटल में आते हैं, तब मिलकर केक काटेंगे." अभी हम खाना खा ही रहे थे कि हमारे टेबल की अचानक से लाइट डीम हुई और पूरा परिवार हमारे टेबुल को घेर कर खड़ा था. मेरे प्लेट में जितनी तरह की नॉन-वेज होती है सबके खायी हुई हड्डियां पड़ी हुई थी. लाइट डीम करके आना, सरप्राइस देना यह हमारे देवरश्री का आइडिया था. पर उनको क्या पता कि मैं नॉन वेजिटेरियन अपना फूड एंजॉय कर रही थी.

इसके बाद तो जो हाय-तौबा मची. डॉ संजय की दादी जी ने कन्नड़ में क्या-क्या कही यह तो मैं कुछ मुझे कुछ नहीं पता, परिवार वालों को क्या-क्या कही यह भी मुझे कुछ समझ में नहीं आया पर चेहरे से गुस्सा साफ झलक रहा था. दादी मां को छोड़ सभी को पहले से पता था कि मैं नॉन -वेजिटेरियन हूं.

दादी सास की औलिया हुडगी

जो परिवार पिछले दो दिनों से मुझे सिर-आंखों पर बिठाकर रखा था, आज मेरे कारण उन्हें डांट पड़ी. यह देखकर मुझे अच्छा नहीं लगा. इसका नतीजा यह है कि आज मैं वेजिटेरियन हूं पर बहुत खुश हूं. दादी मां जब तक रहीं मुझे औलिया हुडगी बुलाती रही मतलब अच्छी लड़की!

ड्रामे से प्यार की शुरुआत- डॉ अरुणा

बात उन दिनों की है जब मैं अपनी पीजी की पढ़ाई करने जिपमर पांडिचेरी गई थी. मैं कर्नाटक के छोटे से कस्बे में अपने माता-पिता के साथ रहती थी. एमबीबीएस भी मैंने वहीं के राजकीय सरकारी कॉलेज से किया था. नेशनल कॉलेज में पीजी में एडमिशन मिलना मेरे लिए और परिवार वालों के लिए बड़े गर्व की बात थी. उत्साह से लबरेज जनवरी महीने में मैंने वहां एडमिशन ले लिया. अभी कुछ ही दिन बीते थे कि वैलेंटाइन डे के शोरगुल सुनाई पड़ने लगी जिसके बारे में मैं बिल्कुल ही अनभिज्ञ थी. उस दिन एक नाटक खेला गया जिसमें मेरे सहपाठी डॉक्टर शरद अहलूवालिया जो पंजाब से थे, उनके साथ मेरी जोड़ी बनाई गई. प्ले जोरदार हिट हुई. लोग मेरी जोड़ी को पति-पत्नी के रूप में रूप में देखना चाहते थे और मैं एक कन्नड़ कई स्टेटस पार कर चंडीगढ़, पंजाब की दुल्हन बन गई.

भाषा के कारण मूक-बधिर सी

डॉक्टर शरद के आर्मी परिवार वालों ने मेरा खुलकर स्वागत किया. मुझे हिंदी बिल्कुल भी नहीं आती और उनके पड़ोसियों और रिश्तेदारों को जरा भी इंग्लिश नहीं आती थी. शादी का घर खचाखच भरा हुआ और मैं मूक बधिर सी बैठी कातर नजरों से सभी को देखती रहती. बॉय कट से मेरे बाल और सभी ने उपहार में परांदे दिए,,, मानो गंजे को कंघी दिए जा रहे हों. पीठ पीछे कुछ लोगों को मैंने अपना नाम इडली सांभर बुलाते सुना.

पहली रसोई की वह गलती

पहली रसोई की बारी आई सभी ने इडली सांभर बनाने को कहा. मैं सुबह नहा धोकर पंजाबी सूट पहनकर किचन में जाकर सांभर और चटनी बना ली. सोची कि पति उठेंगे तो उन्हें बाजार भेज कर मैं इडली घोल मंगवा लूंगी. उनके उठने पर उन्हें जब घोल लाने के लिए कहा तो सासू मां जिन्हें इंग्लिश आती थी उन्होंने हमारी सारी बातें सुन ली. आकर मुझे कहा कि यहां इडली घोल नहीं मिलती बेटा. खुद से दाल चावल भिंगोकर पीसना होता है. यह सुनकर मैं रूआंसी हो गई. उनकी बातें आज भी कानों में शहद सी घोलती हैं- "परेशान मत हो बेटा, मैं शरद को भेज कर बाजार से इडली मंगवा देती हूं." जेठानी ने भी मेरा पूरा साथ दिया. इस छोटी सी गलती ने रिश्ते के तार मजबूत किए और टू स्टेटस की दूरियां भी मिटा दी.

डॉ शरद अहलूवालिया- डॉ अरुणा

(आलेख सौजन्य : बिंदु प्रसाद रिद्धिमा व गीता चौबे गूंज)

रेस्त्रां में वेलेंटाइन डे पर स्पेशल तैयारी

म्यूजिक, कैंडल लाइट डिनर, रेड थीम मेन्यू

स्निग्ध रोशनी, धीमा संगीत, लजीज व्यंजन और सामने वह जिस पर है दिल कुर्बान...वेलेंटाइन डे पर इससे खूबसूरत भला क्या नजारा होगा. इस लिए जहां जोड़े अपनी जेब, पसंद और सहूलियत का रेस्त्रां तय करते हैं वहीं रेस्त्रां वाले भी इस दिन का खास बनाने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ते. स्वाद ही नहीं, युगल की निजता और माहौल की पसंदगी का भी पूरा ख्याल रखते हैं. आइए जाने कि झारखंड के कुछ खास रेस्त्रां में वेलेंटाइन डे स्पेशल क्या है-

राजधानी स्थित रेडिसन ब्लू हर साल वेलेंटाइन डे पर कुछ अलग करने की कोशिश करता है इस कारण जोड़ों की खास पसंद भी यह जगह है. रेडिसन ब्लू के पपाया रेस्टोरेंट में कैंडल लाइट डिनर का इंतजाम है. इसके लिए लाइट म्यूजिक की भी व्यवस्था होगी. डेकोरेशन वेलेंटाइन स्पेशल होगा. वहीं डेजर्ट वेलेंटाइन के मद्देनजर पूरी तरह रेड थीम का होगा. कपल की इंट्री तो होगी ही, मैरिड कपल अपने बच्चों को भी साथ ले जा सकेंगे.

रांची के अरगोड़ा स्थित मोती महल रेस्त्रां भी वेलेंटाइन डे को लेकर मुक्कमल तैयारी कर रहा है. रेस्त्रां के सौरभ वर्मा ने बताया कि कपल को विशेष ऑफर के तहत वेलकम ड्रिंक या डेजर्ट रेस्त्रां की तरफ से दिया जाएगा. खास साज सज्जा होगी. पूरे दिन एंट्री रहेगी. मेन्यू में भी कुछ स्पेशल करने की योजना है. रांची के कई रेस्त्रां जिसमें कैपिटोल हिल, द काव, कैपिटोल रेजिडेंसी आदि में वेलेंटाइन डे पर डेकोर या मेन्यू में कुछ भी अलग नहीं किया जा रहा, बल्कि आम दिनों की तरह ही यहां वेलेंटाइन डे पर भी होगा.

जमशेदपुर के अप्लग्ड म्यूजिक बिस्ट्रो एंड किचेन में वेलेंटाइन समेत कई फेस्टिवल्स पर स्पेशल मेन्यू-डेकोर-ऑफर होते रहते हैं. रेस्त्रां के ऑप्रेशन हेड नॉबर्ट क्रिस्टी जोसेफ ने बताया कि वेलेंटाइन डे पर पूरे दिन जोड़े यहां खास महसूस कर सकते हैं. मेन्यू में बहुत कुछ वेलेंटाइन स्पेशल होगा. प्रेमी/विवाहित जोड़ों के अनुकूल साज-सज्जा होगी. शाम को कलाकारों द्वारा लाइट मयूजिक की प्रस्तुति भी दी जाएगी.

धनबाद के होटल सोनाटेल के लग्जरी रेस्त्रां व रूफ टॉप बार ट्रोपोस्फेयर में वेलेंटाइन स्पेशल "प्यार का चक्कर" प्रोग्राम है. यहां कैंडल लाइट डिनर की व्यवस्था है. डीजे आग का लाइव परफॉर्मेंस है. मेन्यू रेग्यूलर ही है, पर साजसज्जा, माहौल, कैंडल लाइट और डीजे का परफॉर्मेंस दिन का यादगार बना देगा, ऐसा दावा होटल के मैनेजर सुबीर ब्रह्मा करते हैं.

रांची के सर्कुलर रोड स्थित रेस्त्रां सिल्वर स्पून में भी वेलेंटाइन डे स्पेशल तैयारी अंतिम चरणों में है. इसके ओनर प्राण रंजन कहते हैं कि साजसज्जा वेलेंटाइन स्पेशल होगी. वेलकम ड्रिंक या डेजअर् आदि में कुछ ऑफर की प्लानिंग चल रही है. यहां लाइव म्यूजिक की व्यवस्था तो नहीं है, पर बैकग्राउंड म्यूजिक में युगल की पसंदगी का ध्यान रखा जाएगा. मेन्यू बाबत सोमवार तक निर्णय लिया जाएगा.

मन के पास रहो तुम मेरे

ये आपसी प्यार और सम्मान हमेशा बना रहे. इसके लिए जहां तक संभव हो सके पहल अपनी तरफ से करें. सबसे पहले हमें इस बात को मानना पड़ेगा कि जिंदगी हमेशा फूलों की सेज नहीं होती है और ना ही हमारे हिसाब से कोई चीज बदलने वाली है. ऐसी ही छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हर दिन को बनाएं वेलेंटाइन सा सुखद...

स्वीकारने की कला

साथी को अपने रंग में ढालने की कोशिश करते हैं जो कि गलत है. जो जैसा है उसे उसी रूप में स्वीकार कर हम खुद के साथ सामने वाले को भी शांति प्रदान कर सकते हैं. इससे आप और वे, दोनों सहज रहेंगे.

शिकायतों से बचें

साथी की कोई बात या आदत पसंद नहीं आ रही है तो इसकी शिकायत दूसरों से ना करें. बेहतर हो कि खुद ही समय और मौका देखकर बात करें और बतायें कि इससे उन्हें नुकसान भी हो सकता है.

तुलना कैसी

तुलना से आत्मसम्मान आहत होता है. सबकी अपनी खूबियां और कमियां हैं. जब हम सामने वाले के गुणों पर ध्यान देंगे तो उन्हें प्रोत्साहन मिलता है और वे धीरे-धीरे अपनी कमियों को भी दूर करने की कोशिश करते हैं.

भावनाओं की कद्र जरूरी

जहां भावनाओं की कद्र होगी वहां किसी को भी कुछ कहने या सुनने की जरूरत नहीं है. वहां रिश्ते खुद ही मजबूत होते हैं. गलतफहमी हो तो किसी दूसरे को माध्यम न बनाकर खुद ही बात करें और अपनी गलतफहमी को दूर करें.

ये छोटी-छोटी खुशियां

एक-दूसरे की छोटी-छोटी खुशियों में शामिल हों. आज जब हम रिश्तों के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं तो समय हमारे बीच से रिश्ते निकाल देता है. वर्तमान की खुशियों का आनंद लें.

उपहार से नहीं आंके प्यार

साथी का सामिप्य सबसे बड़ा उपहार है. सिर्फ महंगे गिफ्ट ही प्यार का संकेत नहीं हैं. इन दिनों दिखावे और मार्केट के षड्यंत्र के कारण उपहारों को बहुत महत्वपूर्ण मान लिया जाता है जो गलत है.

- गुड़िया झा

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

फुटबॉल : एशियन कप के फाइनल में अकरम अफीफ ने किया शानदार प्रदर्शन, दागे तीन गोल

कतर ने लगातार दूसरी बार एशियन कप खिताब जीता

अकरम अफीफ ने दागा हैट्रिक

भाषा । लुसैल (कतर)

कतर ने अकरम अफीफ की पेनल्टी पर की गयी हैट्रिक की बदौलत शनिवार को यहां जॉर्डन को 3-1 से हराकर लगातार एशियन कप खिताब अपनी झोली में डाला. टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और आठ गोल से शीर्ष स्कोररर अफीफ ने यहां लुसेल स्टेडियम में तीनों स्पॉट किक को गोल में तब्दील करने में जरा भी गलती नहीं की. पिछले साल इसी स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल खेला गया था जिसमें लियोनल मेस्सी और किलियान एमबापे ने इसे रोमांचक बना दिया था, लेकिन इस मुकाबले में अफीफ आकर्षण का केंद्र रहे और वह एशियन कप फाइनल में हैट्रिक लगाने वाले पहले फुटबॉलर बने. जापान ने 2000 और 2004 में लगातार एशियन कप खिताब जीता था. इसके बाद से कतर लगातार खिताब जीतने वाला पहला देश बन गया. स्टेडियम में 86,000 से ज्यादा दर्शक मौजूद थे. अफीफ ने 22वें मिनट में पहली पेनल्टी को गोल में बदला, जिसके बाद यजान अल नेमत ने 67वें मिनट में गोल कर जॉर्डन को बराबरी पर ला दिया.

3-1 से कतर ने जॉर्डन को हराया

86 हजार से अधिक दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे

अफीफ ने फिर 73वें मिनट में स्पॉट किक से और 'स्टॉपेज टाइम' (95वें मिनट) मिनट में स्पॉट किक से गोल कर अपनी टीम को जीत दिलायी. उन्होंने कहा कि मैं इन पेनल्टी को गोल में बदल सका क्योंकि मेरे साथियों को मुझ पर पूरा विश्वास था.

यह तकनीक के बारे में नहीं बल्कि उस अहसास के बारे में है कि लोग यानी मेरी टीम मेरे पीछे समर्थन के लिए खड़ी है. जॉर्डन की टीम अपना पहला एशियन कप फाइनल खेल रही थी.

अंडर-19 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने फिर तोड़ा भारत का दिल

चौथी बार जूनियर विश्व चैंपियन बना ऑस्ट्रेलिया

भाषा । बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)

ऑस्ट्रेलिया ने तीन महीने के अंदर दूसरी बार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों का दिल तोड़कर रविवार को यहां फाइनल में 79 रन से जीत दर्ज करके चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता. ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 253 रन चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया. भारतीय टीम इसके जवाब में 43.5 ओवर में 174 रन बनाकर आउट हो गई. ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम ने पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गए वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर उसका आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा दिया था. अब उसकी जूनियर टीम ने पिछली बार के चैंपियन भारत को छठी बार अंडर-19 विश्व कप नहीं जीतने दिया। यह पहला अवसर है जबकि भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा. ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की.

उसकी तरफ से हरजस सिंह (64 गेंद पर 55 रन, तीन चौके, तीन छक्के), हैरी डिक्सन (56 गेंद पर 42 रन), कप्तान ह्यू वीबगेन (66 गेंद पर 48 रन) और ओलिवर पीक (43 गेंदों पर नाबाद 46) ने उपयोगी योगदान दिया. भारत की तरफ से तेज गेंदबाज राज लिंबानी ने और 38 रन देकर तीन विकेट जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने नौ ओवर में 63 रन देकर दो विकेट लिए. पिच सेअसमान उछाल मिल रही थी और ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला सही साबित हुआ. भारतीय बल्लेबाज परिस्थितियों से सामंजस्य नहीं बिठा पाए.

भारत के केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच पाये

भारत के केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिसमें सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (47) और निचले क्रम के बल्लेबाज मुरूगन अभिषेक (42) भी शामिल हैं. ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज माहलि बीयर्डमैन ने सात ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट जबकि कैलम विडलर ने 35 रन दे कर दो विकेट लिए. ऑफ स्पिनर रैफ मैकमिलन ने 43 रन देकर तीन विकेट लेकर अच्छा योगदान दिया. भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज अर्शीन कुलकर्णी (03) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने कैलम विडलर की गेंद पर विकेट के पीछे कैच दिया. उनका स्थान देने के लिए उतरे मुशीर खान (33 गेंद पर 22 रन) भी क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल पाए. माहलि बीयर्डमैन की गेंद उनके बल्ले का निचला किनारा लेकर विकटों में समा गई. आदर्श ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिरते रहे. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमी फाइनल में भारत की जीत के नायक रहे कप्तान उदय सहारन (08) और सचिन धास (09) दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाए जबकि प्रियांशु मोलिया (09) और विकेटकीपर बल्लेबाज अरावेल्ली अवनीश (00) ने भी निराश किया जिससे भारत का स्कोर 6 विकेट पर 91 रन हो गया.बीयर्डमैन ने आदर्श को विकेट के पीछे कैच करा कर उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया और इस तरह से भारत की रही सही उम्मीद भी समाप्त कर दी.

अफ्रीका कप में तीसरे स्थान पर रहा द. अफ्रीका

अबिदजान (आइवरी कोस्ट) । दक्षिण अफ्रीका के कप्तान रोनवेन विलियम्स ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर कोंगो पर 6-5 की जीत से अपनी टीम को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स' में तीसरा स्थान दिलाने में मदद की. निर्धारित समय में दोनों टीम कोई गोल नहीं कर सकी थीं जिसके बाद कोई 'एक्स्ट्रा टाइम' नहीं खेला गया. विलियम्स ने क्वार्टरफाइनल में भी चार पेनल्टी बचायी थी. दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में नाईजीरिया से हार गया था जबकि कोंगो को आइवरी कोस्ट से पराजय मिली थी. मेजबान देश आइवरी कोस्ट रविवार को होने वाले फाइनल में तीन बार की चैम्पियन नाईजीरिया से भिड़ेगा.

बुमराह की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए अश्विन ने कहा-

अद्भुत थी 'बूमबॉल'

भाषा । चेन्नई

भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साथी जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उनकी 'बूमबॉल' ने कमाल कर दिया और इस तेज गेंदबाज का तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना बहुत बड़ी उपलब्धि है. बुमराह के गेंद से शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में 106 रन की जीत से श्रृंखला 1-1 से बराबर करने में सफल रही. इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड की पहली पारी में 'रिवर्स स्विंग' से बेहतरीन प्रदर्शन किया और 45 रन देकर छह विकेट झटके. इसके बाद दूसरी पारी में तीन विकेट से मैच में 91 रन देकर कुल नौ विकेट प्राप्त किये. इस प्रदर्शन की बदौलत बुमराह टेस्ट रैंकिंग सूची में शीर्ष पर पहुंच गये और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी बने. बुमराह ने इससे पहले वनडे और टी-20 में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था. अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा कि सबसे शानदार प्रदर्शन 'बूमबॉल' था. जसप्रीत बुमराह ने असाधारण गेंदबाजी की. उन्होंने कहा कि वह 14 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और साथ ही नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बन गये. सभी प्रारूपों में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज. मैं उनका बड़ा प्रशंसक हूं और यह बहुत बड़ी उपलब्धि है. अश्विन ने कहा कि दूसरे टेस्ट के चौथे दिन खिलाड़ियों में जो उत्साह और ऊर्जा थी, उससे भारत को मनमुताबिक नतीजा हासिल करने में मदद मिली.

क्या कहा

- आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना बड़ी उपलब्धि
- अश्विन ने कहा- आसाधरण गेंदबाज हैं बुमराह

टी-20 : ग्लेन मैक्सवेल ने जड़ा शतक

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 34 रन हराया

भाषा । एडीलेड

ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 120 रन) के रिकॉर्ड बराबरी वाले शतक से ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की. मैक्सवेल ने 55 गेंद की पारी के दौरान आठ छक्के और 12 चौके जमाये. उन्होंने टिम डेविड (14 गेंद में 31 रन) के साथ 92 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट पर 241 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की. इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहले सात ओवर में पांच विकेट गंवा दिये. कप्तान रोवमैन पावेल और आंद्रे रसेल ने उम्मीद जगायी, लेकिन लक्ष्य इतना पड़ा था कि टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी. मार्कस स्टोइनिस ने 36 रन देकर तीन और पदार्पण कर रहे स्पेंसर जॉनसन ने 39 रन देकर दो विकेट झटके. बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर भी हालांकि 6.4 ओवर के बाद तीन विकेट पर 64 रन था पर मैक्सवेल ने स्टोइनिस के साथ 82 रन की भागीदारी निभाने के बाद टिम डेविस के साथ 92 रन जोड़े. मैक्सवेल ने 50 गेंद में शतक जड़ दिया जो ऑस्ट्रेलिया में किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक है. उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोऊ के 2022 विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 52 गेंद में बनाये गये शतक के प्रदर्शन को पीछे छोड़ा.

मैक्सवेल ने की रोहित के रिकॉर्ड की बराबरी

मैक्सवेल ने इस मैच में अपने टी-20 करियर का पांचवा शतक जड़कर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के सबसे ज्यादा पांच सैकड़ों के रिकॉर्ड की बराबरी की. चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैक्सवेल ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 50 गेंद में 12 चौके और आठ छक्के से शतक पूरा किया. मैक्सवेल ने पारी के ब्रेक के दौरान कहा कि यह मनोरंजक रहा. उन्होंने कहा कि इससे मुझे मौका मिला. यह शानदार विकेट था. इसका फायदा उठाना और क्रीज पर समय बिताना शानदार रहा. मैं मुश्किलों से पार पाने के लिए हमेशा अपने हाथ की फुर्ती पर निर्भर रहता हूं. और आज यह मेरे लिए वास्तव में कारगर रहा. मैक्सवेल ने पांच शतक जड़ने में भी काफी फुर्तीले रहे, वह इस उपलब्धि तक 93 पारियों में पहुंचे जबकि रोहित ने 143 पारी में ऐसा किया था.

एसजीएफआई साइकिलिंग के रोड इवेंट में राजस्थान के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

झारखंड की पुष्पा ने अंडर-19 बालिका वर्ग में कांस्य जीता

संवाददाता । रांची

67वीं एसजीएफआई नेशनल स्कूल गेम्स में रविवार को रोड इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें अंडर-19 बालिका वर्ग के 15 किलोमीटर स्पर्धा में झारखंड की पुष्पा कुमारी ने कांस्य पदज जीता. प्रतियोगिता शुरू होने से पहले पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, शिक्षा विभाग की निदेशक किरन कुमारी पासी, रांची एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. रोड इवेंट में राजस्थान के खिलाड़ियों का दबदबा रहा. अंडर-17 स्पर्धा में दोनों वर्गों में राजस्थान ने 4 पदक अपने नाम किए. झारखंड की मेजबानी में आयोजित साइक्लिंग प्रतियोगिता का रोड इवेंट का आयोजन नेवरी रिंग रोड में किया गया. झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग और स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17, 19 बालक और बालिका प्रतिभागी हिस्सा ले रहें हैं. इस प्रतियोगिता में देश भर के कुल 617 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है. वहीं झारखंड के 44 साइक्लिस्ट ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया है.

परिणाम

15 किमी इवेंट (अंडर-17 बालक वर्ग)
- राजस्थान के रामअवतार ने स्वर्ण जीता
- राजस्थान के मनीष नेहरा ने रजत जीता
- हरियाणा के राहुल मालिक ने कांस्य जीता

15 किमी इवेंट (अंडर-17 बालिका वर्ग)
- राजस्थान की रुक्मणी ने स्वर्ण जीता
- राजस्थान की निकिता ने रजत जीता
- हरियाणा की वनशिका ने कांस्य जीता

15 किमी इवेंट (अंडर-19 बालिक वर्ग)
- कर्णाटक की अनुपमा गुलेड ने स्वर्ण जीता
- राजस्थान की मंजू चौधरी ने रजत जीता
- झारखंड की पुष्पा कुमारी ने कांस्य जीता

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर हुए लीच

लंदन । इंग्लैंड के बायें हाथ के स्पिनर जैक लीच घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैच से बाहर हो गये। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह घोषणा की. लीच के स्थान पर किसी और खिलाड़ी को अभी शामिल नहीं किया गया है. इससे संकेत मिलता है कि टॉम हार्टले, रेहान अहमद और शोएब बशीर की स्पिन तिकड़ी ही बचे हुए दौरे में जारी रहेगी. जो रूट इंग्लैंड के चौथे स्पिन विकल्प हैं. लीच को हैदराबाद में इंग्लैंड के पहले टेस्ट दौरान बायें पैर के घुटने में चोट लगी थी जिससे वह विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाये थे. ईसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि वह अगले 24 घंटे में अबुधाबी से घर के लिए रवाना होगा, जहां इंग्लैंड की टीम 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले रूकी हुई है. इसके अनुसार, लीच अपने 'रिहैबिलिटेशन' के लिए इंग्लैंड और समरसेट की चिकित्सा टीम के साथ काम करेंगे.

लगातार दूसरी बार चैंपियन बना सनराइजर्स ईस्टर्न केप

- 89 रन से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने दर्ज की जीत
- मैन ऑफ द मैच टॉम एबेल ने 55 रन बनाए

भाषा । केपटाउन

मार्को यानसेन के पांच विकेट के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जाइंट्स को 89 रन से हराकर लगातार दूसरी बार साउथ अफ्रीका 20 खिताब अपने नाम कर लिया. लीग के पहले सत्र में भी सनराइजर्स विजयी रहे थे. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाये. जवाब में डरबन टीम कल देर रात हुए इस मैच में 17 ओवर में 115 रन पर आउट हो गई. तेज गेंदबाज यानसेन ने चार ओवर में 30 रन देकर पांच विकेट लिये. उन्होंने लीग में सर्वाधिक 20 विकेट अपने नाम किये. खचाखच भरे न्यूलैंड्स स्टेडियम पर पहले सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया. कप्तान एडेन मार्कराम ने 26 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाये. वहीं प्लेयर आफ द मैच बने टॉम एबेल ने 34 गेंद में 55 रन का योगदान दिया.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें चंद्र राहु के प्रभाव में हैं. गलत जगह खर्च होगा. नींद में खलल होगी. विदेश में व्यापार वालों को अच्छा लाभ होगा. किसी नए कार्य पर खर्च अधिक होगा और कार्य क्षेत्र में किये गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी.

वृषभ गलत लोगों के संपर्क से बचें. आय होगा आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा, दिन सामान्य रहेगा. अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे. यात्रा के दौरान कोई नई वस्तु की प्राप्ति होगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन सरकार से लाभ होगा. पिता और सत्कर्म के सहयोग से कर्म का लाभ मिलेगा. पर शरीर में आलस्य की प्रधानता बनी रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते है.

कर्क समय उत्तम है. भाग्य और धर्म बढ़ेगा. परिवार में आपका या किसी और का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है. क्रोध पर नियंत्रण रखे. किसी से बिना वजह के तकरार से बचना चाहिए. जल और अन्न का दान करें.

सिंह कोई बड़ा नुकसान होगा मन पर परिवार का सुख भी उत्तम स्तर का प्राप्त होगा. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. गलत संगति की ओर मन आकर्षित हो सकता है. किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकता है. मीठा वस्तु का दान करें.

कन्या जीवनसाथी का सुख मिलेगा. पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा.वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें. आज मिथ्या आरोप लग सकते है. धन से संबंधित दिक्कतें आ सकती हैं. मंदिर में जल और अन्न का दान करें.

तुला कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है. खान-पान पर ध्यान दें. शत्रु से बचें. अपनी इच्छा अनुसार कार्य करेंगे. घर में किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा. गुस्से पर काबू नहीं रहेगा. अकारण क्रोध से बचें. अन्न और मिठाई का दान करें.

वृश्चिक शिक्षा में कोई नया जिम्मेवारी मिल सकती है. माता के सहायता से लाभदायक फलों की प्राप्ति होगी. पढ़ाई लिखाई में पूरी तरह से मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. पक्षी को जल और अन्न दे.

धनु किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकता है. जवान पर नियंत्रण आवश्यक है. मेहनत और समझदारी से जीवन को सुखमय बनेगा. बड़ों का आदर करने में आगे रहेंगे. परिवार का सुख मिलेगा. गृहस्थ सुख में मधुरता बनी रहेगी.

मकर समय अनुकूल है. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. पारिवारिक सुख मिलेगा. मन में नया उत्साह और जोश देखने को मिलेगा. आपके प्रभाव से कामकाज ठीक-ठाक रहेगा. मिठाई का दान बच्चों को करें.

कुंभ परिवार में मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. वाणी का प्रभाव दूसरों पर अच्छा बना रहेगा. मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. धन का संचय होगा. कोई बड़ा कार्य करने का मन होगा. शनि को दीपक दान करें.

मीन कोई बड़ा कार्य होगा. मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन खर्च होगा. यात्रा करते समय सावधानी बरतें. मिठाई का दान करें.

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

घाटशिला। घाटशिला के मऊभंडार ओपी क्षेत्र के अंतर्गत कुतलुडीह फाटक पार करने के दौरान रविवार को पोल संख्या 216/8ए- 10 के समीप अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से हरिजन बस्ती निवासी 62 वर्षीय श्यामू करवा की मौत हो गई. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रेलवे लाइन पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही मऊभंडार ओपी के एएसआई भगवान सिंह, पासिंग हांसदा व आरपीएफ अधिकारी श्याम चंद्र घोष पहुंचे एवं मामले की जानकारी ली तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज दिया.

हक व अधिकार की मांग को लेकर ओबीसी समुदाय के लोगों ने एकजुटता दिखाई

ओबीसी समाज को अबादी के हिसाब से उसका हक देना ही पड़ेगा: रामदास

संवाददाता। मेदिनीनगर

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता व अन्य

हक़ व अधिकार की मांग को लेकर ओबीसी समुदाय के लोगों ने एकजुटता दिखाई. समाजसेवी रामदास साव ने कहा कि स्थानीय हाउसिंग कॉलोनी मैदान में 11 सूत्री मांगो को लेकर आयोजित पिछड़ा वर्ग एकता एव अधिकार मंच के तत्वाधान में आयोजित प्रमंडलीय महासम्मेलन में हजारों की संख्या में जुटी भीड़ बताता है कि हम सभी हक व अधिकार के लिए जागरूक हैं. उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज क़े लोग जागरूक हैं और अपनी चटानी एकता का परिचय देते हुए महासम्मेलन मे शामिल हुए हैं. राज्य व केंद्र सरकार को सामाजिक जनगणना कराकर ओबीसी समुदाय को उनका हक व अधिकार देना होगा. ओबीसी एकता एव अधिकार मंच क़े संयोजक ब्रह्म देव प्रसाद ने कहा की ओबीसी समाज को जनगणना करवा कर समाज की सभी महिलाओं को युवाओं को आरक्षण देना चाहिए. शिक्षा के क्षेत्र में हो रोजगार के क्षेत्र में हो या फिर चुनाव का मामला हो सभी में ओबीसी आरक्षण मिलना चाहिए. उन्होंने कहा कि जो ओबीसी समाज की बात करेगा हम ओबीसी समाज के लोग उसके साथ रहेंगे और जो ओबीसी समाज को दरकिनार करने की कोशिश करेगा उस सरकार को कुर्सी से उखाड़ फेंकने का काम करेंगे. हमारी लड़ाई किसी पार्टी या फिर किसी नेता मंत्री से नहीं है बल्कि हमारी लड़ाई सरकार से है. पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एकता अधिकार मंच की पलामू प्रमंडलीय महासम्मेलन में आबादी के बराबर हिस्सेदारी के लिए आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया. देश की आबादी में 52 फीसदी हिस्सेदारी होने का जिक्र करते हुए 65 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग की गई. मेदिनीनगर हाउसिंग कालोनी मैदान में रविवार को आयोजित सम्मेलन में पलामू प्रमंडल के तीनों जिले यथा पलामू, गढ़वा व लातेहार के शहर व गांव से काफी संख्या में लोग इस सम्मेलन में शामिल हुए. झारखंड व बिहार से भी सम्मेलन में प्रतिनिधित्व हुआ. संयोजक बीडी प्रसाद के नेतृत्व में आंदोलन को आगे ले जाने की घोषणा राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से शत्रुघन कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल, धर्मेंद्र कुमार, महेंद्र प्रसाद, महेंद्र गुप्ता, लाल सूरज, अविनाश देव, सतीश शाह, डॉ राज नारायण पटेल, विनोद कुमार, अशर्फी चंद्रवंशी, श्रवण कुमार, युगल पाल, वीरेंद्र शाह, अजय वर्मा, अर्चना प्रकाश, शंकर विश्वकर्मा, अख्तर अंसारी, गोरखनाथ चौधरी, उषा यादव, अंजलि गुप्ता ,आनंद विश्वकर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

खास बातें
- महासम्मेलन में हजारों की संख्या में जुटी भीड़
- सांसद खीरु ने आंदोलन को आगे ले जाने की घोषणा

बुरी व्यवस्था : मरीज का जख्म या अस्पताल का सिस्टम सड़ा

श्री बंशीधर नगर में ठेले पर दिख रहा है पूरा हेल्थ सिस्टम

संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

ठेले पर मरीज ले जाते परिजन

श्री बंशीधर नगर अनुमंडल में समूचा हेल्थ सिस्टम ठेले पर दिख रहा है. शनिवार की रात्रि में नगर ऊंटारी कचहरी के सामने ली गयी तस्वीर कम से कम यही बयां करती है. अहिपुरवा निवासी प्रताप राम के बीमार पड़ने पर उनके भाई कमलेश राम व अन्य परिजन उन्हें ठेला पर लाद कर अनुमंडल अस्पताल ले गए. लकवाग्रस्त मरीज प्रताप राम को इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गयी. अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद परिजन उन्हें ठेले पर लादकर वापस घर लेते गए. अब यहां सवाल उठता है कि अस्पताल आने के बाद जब उन्हें छुट्टी दी गयी तो अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें एम्बुलेंस से क्यों नहीं वापस घर भिजवाया? प्रबंधन ने उन्हें मदद क्यों नहीं की? उन्हें ठेले पर ले जाने मना क्यों नहीं किया. विपन्नता के मारे परिजन बेचारे मरीज को ठेला पर लादकर किसी तरह अस्पताल पहुंचे लेकिन अस्पताल प्रबंधन को कम से कम मानवीय दृष्टिकोण से एम्बुलेंस की सुविधा मुहैया कराने की जरूरत थी, लेकिन अनुमंडल अस्पताल जहां हर माह लाखों रुपये का वारा न्यारा होता है, वहां से एक गरीब व्यक्ति को घर जाने के लिए एम्बुलेंस नसीब नहीं हुआ. यह शर्मनाक स्थिति है. भले ही मरीज ठेले पर घर चला गया हो लेकिन उसने अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता, अकर्मण्यता, अमानवीयता और निर्लज्जता की पराकाष्ठा को उजागर कर दिया है.

अस्पताल के बाहर गंदे जगह पर मानसिक दिव्यांग महिला का किया इलाज

महिला का इलाज करते कर्मी

अनुमंडल अस्पताल में एम्बुलेंस की जगह ठेले पर मरीज के ढोने के 24 घंटे के भीतर मानवता को शर्मसार करने वाला दूसरा मामला सामने आया है . इस बार एक मानसिक दिव्यांग महिला के जख्म की ड्रेसिंग अस्पताल में करने के बजाय उसे अस्पताल के बाहर रखे गये जेनरेटर के बगल में बैठा कर किया जा रहा है, जो बेहद शर्मनाक है एवं सिस्टम की लापरवाही को दर्शाता है . सवाल उठता है कि मरीज का जख्म सड़ा है या अस्पताल का सिस्टम?

गंदे जगह पर बिठाकर इलाज किया गया

जानकारी के मुताबिक नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाली आग से जलकर जख्मी एक मानसिक दिव्यांग महिला को रविवार की शाम में अनुमंडल अस्पताल लाया गया था। उसके बायें पैर में जख्म बुरी तरह से सड़ गया था . जख्म से दुर्गंध आ रही थी . अस्पताल में उस महिला का बेहद अमानवीय तरीके से अस्पताल के बाहर रखे गये जेनरेटर के बगल में गंदे जगह पर बिठाकर इलाज किया गया . जब यह संवाददाता अनुमंडल अस्पताल पहुंचा और उक्त मानसिक दिव्यांग महिला का इलाज अमानवीय तरीके से किये जाने पर सवाल उठाये, जिसके बाद स्वास्थ्य कर्मियों की नींद उड़ गई . स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा आनन-फानन में यह कहते हुए कि यह महिला अस्पताल से बाहर आ गई थी इसलिए इसका इलाज बाहर में किया जा रहा है . इस संवाददाता के द्वारा सवाल उठाने पर उस महिला को बेड नसीब हुआ . उधर इस संबंध में पूछे जाने पर एसडीओ रतन कुमार सिंह ने कहा कि यह गंभीर मामला है पूरे मामले की जांच कर दोषी कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा सिस्टम को हर हाल में सुधार करने का काम किया जाएगा .

पेज 01 का शेष

ईडी के समक्ष लगातार दूसरे दिन...

ईडी को अंदेशा, कार बतौर गिफ्ट हेमंत सोरेन को दी गयी : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद धीरज साहू को ईडी ने समन कर 10 फरवरी को 11 बजे रांची के जोनल आफिस में उपस्थित होने को कहा था. इसके बाद तय समय पर सांसद धीरज साहू ईडी के दफ्तर पहुंचे. पूरे मामले में ईडी ने जांच में पाया है कि 29 जनवरी को दिल्ली में हेमंत सोरेन के आवास में छापेमारी के दौरान जो बीएमडब्ल्यू कार जब्त की गयी थी, उसका सांसद धीरज साहू से कनेक्शन है. हरियाणा की जिस कंपनी के नाम पर गाड़ी रजिस्टर्ड है, उस कंपनी में धीरज साहू के परिवार की हिस्सेदारी है. ईडी को अंदेशा है कि यह कार गिफ्ट के तौर पर हेमंत सोरेन को दी गयी है.झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू धनशोधन मामले में रविवार को लगातार दूसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए.

बिहार में एनडीए सरकार की अग्निपरीक्षा आज

जानकारी के अनुसार शनिवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर आयोजित भोज में जदयू के कुछ विधायक शामिल नहीं हुए. नीतीश कुमार भी विधायकों की उपस्थिति से संतुष्ट नहीं दिखे और जल्दी लौट गये. राजनीतिक गलियारे में चल रही चर्चा के मुताबिक जदयू के कुछ माननीय राजद के बड़े नेताओं के गहरे संपर्क में हैं. वहीं राजद के कुछ गैर यादव विधायक भाजपा से करीब का रिश्ता बनाये हुए हैं. ऐसे में सियासी गलियारों में एक बार फिर खेला होने की अटकलों को बल मिल गया है. वहीं, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर मांझी अपने चार विधायकों के साथ पाला बदल कर महागठबंधन में आ जाते हैं और निर्दलीय विधायक सुमित सिंह को भी डिप्टी सीएम जैसे पद का प्रलोभन देकर महागठबंधन अपने साथ कर लेता है. साथ ही, जदयू के कुछ विधायक अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे देते हैं, तो बड़ा खेला हो सकता है. लेकिन, यह सिर्फ कागजी विश्लेषण है या इसमें सत्यता भी है. इसे देखने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा. बहरहाल, फ्लोर टेस्ट में शामिल होने के लिए कांग्रेस के विधायक हैदराबाद से पटना लौट आए हैं.

मनरेगा के प्रभारी बीपीओ का पद विवादों में

बरवाडीह (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड में प्रभारी मनरेगा बीपीओ का पद इन दिनों विवादों में है. पूर्व बीडीओ राकेश सहाय के द्वारा तीन फरवरी को मनरेगा के प्रभारी बीपीओ त्रिवेणी राम के जगह प्रशासनिक दृष्टिकोण से केचकी के रोजगार

सेवक कमलेश कुमार सिंह को प्रभारी बीपीओ का प्रभार देने का आदेश जारी किया गया था. आदेश जारी किए जाने के कई दिनों के बाद भी त्रिवेणी राम के द्वारा कमलेश कुमार सिंह को प्रभारी बीपीओ पद का प्रभार नही सौंपा गया. इस बीच कई बार प्रभार देने को लेकर दोनों के बीच कहा सुनी भी हुई. वहीं इस बीच नयी प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने प्रभार लिया. उन्होंने नौ फरवरी को श्री सहाय के द्वारा निकाले गए मनरेगा बीपीओ के प्रभार कमलेश कुमार सिंह को दिए जाने का आदेश को कई मुखिया के द्वारा दिये गए लिखित आवेदन का हवाला देते हुए निरस्त कर दिया. अगले आदेश तक त्रिवेणी राम को ही प्रभारी बीपीओ के रूप में यथावत कार्य करने का आदेश जारी कर दिया गया है.

विधायक ने 51 जोड़ी गरीब कन्या व वर को दिया शगुन का शादी जोड़ा

संवाददाता। भवनाथपुर

आगामी 28 फरवरी को भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही के नेतृत्व में नौसंमो के स्थापना दिवस के अवसर पर छठी बार होने वाली 51 गरीब बहनों की सामूहिक विवाह को लेकर रविवार को टाउनशिप स्थित अपने आवास पर विधायक भानु प्रताप शाही ने उपस्थित 51 जोड़ी गरीब कन्या एवं वर को शगुन के रूप में शादी जोड़ा वस्त्र प्रदान किया. उन्होंने उपस्थित सभी 51 जोड़ी कन्याओं के माता पिता से कहा कि आप सभी दूल्हा दुल्हन को लेकर 27 फरवरी को ही टाउनशिप स्थित मेरे आवास पहुंचे. ताकि रात्रि में पुरे विधान से 51 बहनो का मड़वा कार्यक्रम करेंगे, साथ ही मड़वा में सभी के खाना पीना एवं रहने का व्यवस्था किया जायेगा. मौके पर विधायक भानु प्रताप शाही ने बताया कि 2014 में लोगों ने क्षेत्र के गरीब असहाय बहनों का सामूहिक निःशुल्क विवाह कार्यक्रम कराने का प्रस्ताव रखा था. 2014 से 2024 तक यह छठी बार गरीब बहनों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि 2014 में 11 बहनों की सामूहिक शादी से इसकी शुरुआत की गई थी, तब से 2015 में 21, 2016 में 51 बहनों की शादी, 2017 में 51 बहनो की शादी, 2018 में 51 बहनों की शादी तथा 2019 में भी 51 बहनों

की शादी सहित कुल 236 गरीब असहाय बहनो की शादी करा चुका हूं. इस बार भी 51 मिलाकर कुल बहनो की सामूहिक शादी की संख्या 287 हो जायेगी. कहा कि अपने विस क्षेत्र के विभिन्न गांवों से कुल 1000 गरीब असहाय बहनों का शादी कराकर उनकी डोली अपने कंधो पर उठाने का मेरा लक्ष्य निर्धारित है. भवनाथपुर की इस धरती पर सामूहिक विवाह कराने का कई तात्पर्य और उद्वेश्य है. पहला तात्पर्य यह है कि भवनाथपुर विस की धरती पर कोई भी अनाथ, गरीब असहाय बहन अपने आप को तब तक असहाय नही समझे जब तक उसका भाई भानु प्रताप शाही जिंदा है. दूसरा संदेश यह है कि दहेज प्रथा के खिलाफ मुहीम बुगुल फूकेंगे. दहेज प्रथा को बढ़ावा नहीं देंगे, बेटी बोझ न बने इस उद्वेश्य से कार्यक्रम चलाया जा रहा है.

झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष बने चंद्रदेव सिंह

संवाददाता। रांची

सत्र 2024-2028 के लिए झारखंड एथलेटिक्स संघ का एजीएम सह चुनाव रविवार को नामकुम के आरके आनंज लॉन बॉल स्टेडियम में संपन्न हुआ. चंद्रदेव सिंह को संघ का अध्यक्ष चुना गया. एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आवजर्वर कमल कुमार मित्रा (पश्चिम बंगाल), झारखंड ओलंपिक संघ के आवजर्वर शैलेंद्र कुमार पाठक एवम रिटर्निंग ऑफिसर उच्च न्यायालय के अधिवक्ता तेजनारायण दुबे की देख रेख में झारखंड के जिला संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक की प्रक्रिया शुरु हुई. पिछले कार्य काल में विभिन्न जिलों के द्वारा सहयोग प्रदान करने के लिए अध्यक्ष श्री मधुकांत पाठक ने जिला के पदाधिकारियों को सराहा.

नई कमेटी
- अध्यक्ष - चंद्रदेव सिंह
- कार्यकारी अध्यक्ष - उदय सिंह मुन्ना
- सीनियर उपाध्यक्ष - किरण रानी नायक
- उपाध्यक्ष-वरुण कुमार, सिकंदर महतो, सुखैर भगत, आशु भाटिया, योगेश प्रसाद, संजय त्रिपाठी, रणवीर सिंह
- सचिव - शिव कुमार पांडेय
- कोषाध्यक्ष - आशीष कुमार
- कार्यकारी सचिव - प्रभाकर वर्मा
- सीनियर संयुक्त सचिव- अजय नायक
- संयुक्त सचिव- अजीत कुमार, रविंद्र मुर्मू, प्रभात रंजन तिवारी, अशोक कुमार, एडलिन केरकेट्टा, सरोज कुमार यादव, राकेश कुमार सिंह
- कार्यकारिणी सदस्य - डॉ मधुकांत पाठक , विनीत मधुकर

नेता व पदाधिकारी जायेंगे गढ़वा

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के कांग्रेसी नेता एवं पदाधिकारी 13 फरवरी को गढ़वा जाएंगे. वे 14 फरवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे. इस आशय का निर्णय रविवार को यहां बिष्टुपुर में तिलक पुस्तकालय स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में किया गया. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दूबे ने की. उन्होंने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण झारखंड में 14 फरवरी को प्रातः नौ बजे गढ़वा के गोदरमाना से प्रारंभ होगी. दोपहर दो बजे रंकागढ़ फाटक पहुंचेगी. गढ़वा नगर बाजार में यात्रा का स्वागत किया जाएगा. संध्या पांच बजे विश्रामपुर में जनसभा होगी तथा रात्रि विश्राम होगा. इस यात्रा में पलामू के नवा बाजार तक पूर्वी सिंहभूम के कांग्रेसी भाग लेंगे. जिलाध्यक्ष ने पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की है कि 13 फरवरी को अपराह्न दो बजे तिलक पुस्तकालय में एकत्र हों, जहां से गढ़वा के लिए प्रस्थान किया जाएगा. बैठक में उपाध्यक्ष संजय सिंह आजाद, खगेनचंद्र महतो, रियाजुद्दीन खान, ब्रजेन्द्र तिवारी, संजय सिंह आजाद, शफी अहमद खान, अरुण कुमार सिंह, गुरदीप सिंह, कमलेश कुमार, उदय कुमार सिंह, अरविंद कुमार, दिबेश राज, नलनी कुमारी, अतुल गुप्ता, आशीष ठाकुर, इंतिखाब वास्ती, धर्मा राव, सन्नी सिंह, गीता सिंह, रवि राज, सुल्तान अहम अन्य सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे.

खास बातें
- गढ़वा नगर बाजार में यात्रा का स्वागत किया जाएगा
- बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दूबे ने की

शेयर अर्थव्यवस्था का विस्तार का लाभ व्यापक होता जा रहा है. यह भारतीय कॉरपोरेट जगत, शेयर बाजार के लिए शुभ संकेत है.

मौद्रिक नीति घोषणा के दिन निफ्टी ने 22011 के उच्चतम स्तर से फिसल 21665 का निचला स्तर बनाया

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

पिछले सप्ताह निफ्टी में व्यापारिक सत्रों के मध्य अच्छा उतार चढ़ाव देखने को मिला. भारतीय रिजर्व बैंक की मुद्रा नीति में ब्याज दरें स्थिर रखीं गई परंतु बैंको के लिए ग्राहकों को ऋण दर बताते हुए अन्य शुल्कों का भी उल्लेख करने के दिशा निर्देश से निजी क्षेत्र के बैंकों में गिरावट आई. इससे बैंक निफ्टी तेजी से गिरा एवं निफ्टी भी संभल नहीं पाया. मौद्रिक नीति घोषणा के दिन निफ्टी ने 22011 के उच्चतम स्तर से फिसल 21665 का निचला स्तर बनाया. यह गिरावट 336 अंकों की रही. यह एक आक्रामक बिकवाली थी. यद्यपि इसमें निफ्टी में ऊंचे स्तर 22000 पर बिकवाली करने का एक मनोवैज्ञानिक मनोभाव भी था. परंतु जैसे ही निफ्टी 21700 के निकट आया, निवेशकों को आकर्षक लगने लगा, खरीदारी होने लगी. अगले दिन शुक्रवार को निफ्टी 21804 का स्तर छू 21782 पर बंद हुआ. मौद्रिक नीति के पश्चात जो बिकवाली आई थी, वो किसी अन्य नकारात्मक समाचार के न आने से बनी नहीं रही. भारतीय शेयर बाजार के लिए आगामी लोकसभा चुनाव एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है. इस मोर्चे पर तो अच्छे समाचार ही आए. राजग के सहयोगी बढ़ते दिखे. कुछ चुनाव सर्वेक्षण भी आए जिनमें मोदी सरकार के पुनर्वापसी की भविष्यवाणी भी की गई.

ऐसा लगता है कि निवेशकों का एक वर्ग भारतीय शेयर बाजार में आई बहुत बड़ी तेजी का लाभ ले लेना चाहता है, थोड़ा सुरक्षित हो जाना चाहता है. इसलिए उछाल पर तो आक्रामक बिकवाल हो जाता है. रेलवे, रक्षा, ऊर्जा, सरकारी बैंकों में तेजी भी कई गुणा आई है. ऐसे में इन शेयरों में लाभ ले लेने की वृति, मूल्यों में सुधार स्वाभाविक भी है. सैकड़ों की संख्या में शेयरों के मूल्य कई गुणा बढ़े हैं. वहां पर भी उचित मूल्यांकन की एक प्रक्रिया आरंभ होगी. इसलिए अत्यंत तीव्र गति से भागे शेयरों में निवेश अतिरिक्त सावधानी के साथ करना उचित लगता है. खुदरा भारतीय निवेशक अभी भारतीय शेयर बाजार की प्रबल शक्ति बने हुए हैं. उनका आकर्षण बढ़ता ही जा रहा है. जनवरी माह में ही 46.84 लाख नए डीमैट खाते खुले हैं तथा म्यूचुअल फंड में 18838 करोड़ रुपये की राशि आई है. खुदरा इंडियन इन्वेस्टर्स, केआईआई, शेयर विशेष के तो सम्राट बने हुए हैं. जिन शेयरों में उनकी खरीदारी आ रही वो सभी बाधाओं को पार कर, नकारात्मक समाचारों की चिंता न कर बढ़ते ही जा रहें हैं. देखना रुचिकर होगा कि यह क्रम कब तक बना रहेगा. मध्यम तथा लघु श्रेणी के शेयरों में दिसंबर 23 की तिमाही के वित्तीय परिणाम अच्छे आ रहें हैं.

इससे इन शेयरों में अच्छी चाल बनी रह सकती है. लगता है अर्थव्यवस्था का विस्तार का लाभ व्यापक होता जा रहा है. यह भारतीय कॉरपोरेट जगत, शेयर बाजार के लिए शुभ संकेत है. यद्यपि जब शेयर बाजार में बहुत बड़ी तेजी आती है तो एक आवेग भरी सी खरीदारी दिखती है. इन शेयरों में खरीदारी करने का आवेग बने भी तो स्टॉप लॉस के साथ ही खरीदारी करनी चाहिए. कई बार तेजी का लाभ ले शेयरों का वितरण भी होता है. ऐसे में निवेशक फंस भी सकते हैं. विदेशी संस्थागत निवेशक उछाल पर बड़े बिकवाल हैं, गिरावट पर छोटी खरीदारी कर रहे हैं. पिछले सप्ताह नकद संभाग में उन्होंने 5873 करोड़ रुपये की बिकवाली की. स्टॉक फ्यूचर में वो सप्ताह के पांचों व्यापारिक दिनों में बिकवाल रहे तथा कुल 14931 करोड़ रुपये की बड़ी बिक्री की. अर्थात मार्केट में सट्टा क्षेत्र में मंदी के सौदे अधिक हैं तथा उनका मनोभाव बड़े शेयरों में मंदी का है. देखना होगा कि घरेलू संस्थागत निवेशक उनकी बिकवाली का कितना प्रतिकार कर पाते हैं. उन्होंने पिछले सप्ताह नकद संभाग में उन्होंने 5335 करोड़ रुपये की खरीदारी की है.

म्यूचुअल फंड का अच्छा प्रवाह, अच्छे शेयर मार्केट के कारण एलआईसी की अच्छी स्थिति, वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बीमा तथा अन्य मदों में धन का प्रवाह इत्यादि कारकों से भी घरेलू संस्थागत निवेशकों के पास अच्छी धनराशि रहेगी. इसलिए विदेशी निवेशकों की बिक्री यदि आती भी है तो मार्केट को अधिक नहीं गिरा पाएगी. निचले स्तरों पर तो खरीदारी आयेगी ही. अतः गिरावट पर तो थोड़ी थोड़ी खरीदारी की जा सकती है. विदेशी शेयर मार्केट अच्छे बने हुए हैं. डाउ ऐतिहासिक ऊंचाई बना उन्हीं स्तरों के आसपास घूम रहा है. नसदेक ने दो वर्षों की ऊंचाई बनाई है. ये सब तब हो रहा जब कई युद्ध चल रहे हैं. इराक तथा अमेरिका में भी तनाव बढ़ रहा है. इससे प्रतीत होता है कि निवेशकों का आत्मबल प्रबल है. चूंकि अर्थव्यवस्थाएं सुदृढ़ दिख रही हैं. इसलिए स्थितियां अनुकूल होने पर शेयर मार्केट अधिक अच्छी सुदृढ़ता दिखा सकता है. क्रूड के भावों में उछाल 80.94 डॉलर प्रति बैरल हो गया है. 85 डॉलर होने पर थोड़ी चिंता होगी. यूएस डॉलर इंडेक्स 104.08 तथा बॉन्ड यील्ड 4.17 है. सामान्य ही है. डॉलर का भाव 83.01 है. निफ्टी में 22000 स्तरों पर बिकवाली आ रही है. यह आत्मसात हो निफ्टी 22500 के ऊपर बंद होने पर बड़ी तेजी दिख सकती है. जेपी मॉर्गन ने एसएंडपी में 20 से 30 प्रतिशत गिरावट की भविष्यवाणी की है.

वर्तमान परिस्थितियों में तो ऐसा कुछ होता नहीं लग रहा है. कुछ अत्यंत अप्रत्याशित हो तो बात और है. वैसे अब निवेशकों का शेयर मार्केट के प्रति विश्वास अच्छा बढ़ चुका है तथा उतनी घबराहट नहीं दिखती है. अतः प्रमुख वित्तीय संस्थानों को शेयर मार्केट को लेकर भविष्यवाणी में इसका भी ध्यान रखना चाहिए.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विधायकों व मंत्रियों के साथ पहुंचे राम मंदिर अयोध्या और पूजा-अर्चना की. -फोटो : पीटीआई

रामलला के दर्शन किए योगी सरकार के मंत्री और विधायक

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के कई सदस्यों ने रविवार को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के दर्शन किये. विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह और दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य तथा बृजेश पाठक समेत राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के कई सदस्य रामलला के दर्शन करने के लिए रविवार की सुबह नौ बजे राजधानी लखनऊ से अयोध्या के लिए रवाना हुए थे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र दौरे पर होने के कारण सीधे वहां से अयोध्या पहुंचे थे. योगी के साथ ही वहां पहुंचे विधानमंडल के सदस्यों ने रामलला के दर्शन किये. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों सदनों के सदस्य हनुमानगढ़ी नहीं जाएंगे. प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद ने पत्रकारों को बताया कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य विधानसभा अध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति समेत सभी मंत्री और विधायक 10 बस से अयोध्या आए हैं. सपा के नेताओं को छोड़कर ज्यादातर विधायकों ने अयोध्या जाने पर सहमति दी थी. उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट रूप से सपा का जिक्र करते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य अयोध्या रवाना हो गए हैं. यदि कोई नहीं जा रहा है, तो वह 'समाप्तवादी पार्टी' है.

ब्रीफ खबरें

आतंकी हमले में 5 सैन्य अधिकारियों की मौत

दुबई। अल-कायदा से संबद्ध आतंकवादी समूह अल-शबाब ने सोमालिया की राजधानी में एक सैन्य अड्डे पर शनिवार को हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. इस हमले में, सैन्य अड्डे पर एक प्रशिक्षण मिशन पर आए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के चार सैनिकों और बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई थी.

भाजपा हमें खत्म करना चाहती है : केजरीवाल

तरन तारन (पंजाब)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा उनकी पार्टी से डरी हुई है और उसे बदनाम कर खत्म करना चाहती है. एक निजी कंपनी से बिजली संयंत्र को पंजाब सरकार द्वारा अधिग्रहीत करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पंजाब के करीब आठ हजार करोड़ रुपये रोक कर रखे हैं.

दक्षिण भारत सांस्कृतिक केंद्र का 12 को उद्घाटन

हैदराबाद। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी सोमवार को संगीत नाटक अकादमी के क्षेत्रीय केंद्र 'दक्षिण भारत सांस्कृतिक केंद्र' का सोमवार को यहां उद्घाटन करेंगे. एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, दक्षिण भारत सांस्कृतिक केंद्र के उद्घाटन के साथ 'भारत कला मंडपम' सभागार की आधारशिला भी रखी जाएगी.

मां ने शिशु को गलती से ओवन में रखा, मौत

कंसास सिटी। अमेरिका के मिजूरी में एक मां ने अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से 'ओवन' में रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई. कंसास सिटी की मारियाह थॉमस पर अपने बच्चे को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए हैं. पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नहीं लेने की जानकारी मिली थी. इस घटना के संभावित कारण संबंधी अदालती बयान में कहा गया है कि बच्चे के शरीर पर जलने के निशान थे.

13 फरवरी को प्रस्तावित है किसानों का 'दिल्ली चलो' अभियान

अंबाला के शंभू में पंजाब व हरियाणा सीमा सील

भाषा। चंडीगढ़

किसानों के 13 फरवरी को प्रस्तावित 'दिल्ली चलो' अभियान से पहले हरियाणा के अधिकारियों ने अंबाला के पास शंभू में पंजाब के साथ लगती सीमा को सील कर दिया है. दिल्ली कूच की मुहिम को रोकने के लिए जींद और फतेहाबाद जिलों की सीमाओं पर भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं. शांति भंग होने की आशंका के चलते हरियाणा सरकार ने सात जिलों- अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में 11 से 13 फरवरी तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं और एक साथ कई एसएमएस करने की सेवा को निलंबित कर दिया है.

किसानों को राष्ट्रीय राजधानी की ओर जाने से रोकने की हरियाणा के अधिकारियों की कोशिशों के बीच केंद्र ने उन्हें 12 फरवरी को उनकी मांगों पर चर्चा के लिए एक और बैठक आयोजित करने के वास्ते आमंत्रित किया है. संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने 13 फरवरी को 200 से अधिक किसान संघों द्वारा 'दिल्ली चलो' की घोषणा की थी, ताकि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के वास्ते कानून बनाने सहित कई मांगों को स्वीकार करने को लेकर केंद्र पर दबाव डाला जा सके.

आवाजाही के लिए सड़क बंद

शंभू सीमा पर घग्गर फ्लाईओवर पर सड़क यातायात के लिए बंद है और पुलिस ने सड़क पर सीमेंट के अवरोधक लगा दिए हैं. शंभू सीमा पर कंटीले तार, रेत की बोरियां, कंक्रीट ब्लॉक अवरोधक और अन्य सामान जमा कर लिया गया है. पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि जींद में, हरियाणा-पंजाब सीमा के पास दो सड़कों को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है तथा दो और सड़कों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. फतेहाबाद जिले में, पुलिस ने पंजाब के प्रदर्शनकारियों को दिल्ली की ओर बढ़ने से रोकने के लिए जाखल सड़क पर सीमेंट के अवरोधक और कील वाली पट्टियां भी लगा दी हैं.

यात्रियों के लिए यातायात परामर्श जारी

हरियाणा पुलिस ने शनिवार को यातायात परामर्श जारी कर यात्रियों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने को कहा. किसानों ने अंबाला-शंभू सीमा, खनौरी-जींद और डबवाली सीमा से दिल्ली जाने की योजना बनाई है. अंबाला और कैथल जिलों ने निषेधाज्ञा लागू कर दी है, जिससे पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है. पुलिस गांवों के सरपंचों और खाप पंचायतों के साथ भी बैठकें कर रही है और उन्हें मार्च में भाग न लेने के लिए कह रही है. एसकेएम (गैर-राजनीतिक) नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने किसानों को दिल्ली की ओर जाने से रोकने की व्यवस्था करने के लिए हरियाणा सरकार की आलोचना की. उन्होंने कहा कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं और बातचीत से कभी नहीं भागेंगे.

प बंगाल में 42 लोस सीटों में 35 पर जीत दर्ज करने में लगी भाजपा

राम मंदिर व सीएए पर लगाया दांव

भाषा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 35 पर जीत दर्ज करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कवायद में अब भ्रष्टाचार के मुद्दे से अपना ध्यान हटाकर अयोध्या में राम मंदिर और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) जैसे भावनात्मक मुद्दों को उठाने की कोशिश कर रही है. भाजपा की रणनीति पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से अलग होकर अकेले लड़ने के तृणमूल कांग्रेस के फैसले पर आधारित है. इस कदम ने भाजपा के भीतर टीएमसी विरोधी वोट हासिल करने की उम्मीदें बढ़ा दी हैं.

भाजपा को 2014 में 17 प्रतिशत वोट मिले थे : भाजपा को 2014 में 17 प्रतिशत वोट मिले थे जो 2019 में बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया जिसके परिणामस्वरूप उसे 18 लोकसभा सीटें मिली थीं.

राज्य में 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद से आंतरिक कलह और चुनावी झटकों के बावजूद ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को भुनाने की भाजपा की कोशिशें रंग नहीं लायी हैं. लोकसभा की 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य तय करते हुए भाजपा अब राम मंदिर और सीएए जैसे भावनात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही है. भाजपा की प्रदेश महासचिव अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और सीएए लागू करना दोनों ही पार्टी के अहम मुद्दे हैं. दोनों मुद्दे भावनात्मक हैं और लोग इससे जुड़ सकते हैं.

अत्यधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बना असम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि असम, देश में एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बन गया है. आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक इलाज निःशुल्क मिलता है. शर्मा ने कहा कि राज्य ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है, जिस कारण एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला असम पहला राज्य बन बन पाया है.

लोकसभा चुनाव में भाजपा 370 की संख्या पार करेगी : पीएम

भाषा। झाबुआ

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगी और इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से अधिक सीट मिलेंगी. मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के सदस्यों की एक जनसभा संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस आदिवासी विरोधी है और केवल चुनाव के समय ही गांव, किसान और गरीब याद आते हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने देश के दक्षिण में भगवान राम से जुड़े मंदिरों का दौरा किया तो उन्हें लोगों से जबरदस्त प्यार मिला. प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी फूट डालने की अपनी आखिरी रणनीति का सहारा ले रहे हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो भाषा, क्षेत्र और जाति के आधार पर बांटने का काम करती है. लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है. प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने ही पापों के दलदल में फंस चुकी है वह जितना निकलने की कोशिश करेगी उतना फंसेगी.

राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा' फिर से छत्तीसगढ़ में शुरू

भाषा। रायगढ़

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' दो दिन के विराम के बाद रविवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में फिर से शुरू हुई. राहुल ने यहां गांधी चौक पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इसके बाद यात्रा जिले में खरसिया विधानसभा क्षेत्र के लिए रवाना हुई. राहुल कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश पार्टी प्रमुख दीपक बैज और विधानसभा में विपक्ष के नेता चरण दास महंत के साथ एक खुली जीप में सवार थे. कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने यहां बताया कि यात्रा ओडिशा से गुरुवार को रायगढ़ पहुंची थी और दो दिन के विराम के बाद रविवार दोपहर को यह फिर से शुरू हुई. कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से शिकस्त मिलने के बाद इस यात्रा से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा. इस यात्रा ने गुरुवार को छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर रायगढ़ जिले में रेंगालपाली जांच चौकी पर राज्य में प्रवेश किया था.

उत्तराखंड सरकार ने गृह मंत्रालय से मांगी सहायता

हल्द्वानी के लिए और केंद्रीय बल भेजें

भाषा। हल्द्वानी

यहां के बनभूलपुरा में तीन दिन पहले अवैध मदरसा तथा नमाज स्थल के ध्वस्तीकरण के दौरान भड़की हिंसा के मद्देनजर हालात से निपटने के लिए उत्तराखंड सरकार ने और केंद्रीय बलों की मांग की है. अधिकारियों ने यहां बताया कि गृह मंत्रालय से केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 100-100 जवानों वाली चार कंपनियों की मांग की गयी है जिससे हिंसा ग्रस्त बनभूलपुरा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को कायम रखा जा सके.

हल्द्वानी हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता गिरफतार

उत्तराखंड के हल्द्वानी में तीन दिन पहले हिंसा भड़काने के मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक को रविवार को गिरफतार कर लिया गया. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि घटना में शामिल किसी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा. पुलिस सूत्रों ने बताया कि मलिक को दिल्ली से गिरफतार किया गया और उसे हल्द्वानी लाया जा रहा है. इसके साथ ही, बनभूलपुरा क्षेत्र में बृहस्पतिवार को हुई हिंसा के मामले में अब तक कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि हल्द्वानी में हुई हिंसा में शामिल उपद्रवियों और अराजक तत्वों पर कार्रवाई लगातार जारी है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

एंथ्रोपोलॉजी की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

एंथ्रोपोलॉजी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है. इस कोर्स को बैचलर ऑफ आर्ट्स इन एंथ्रोपोलॉजी कहा जाता है. इसमें मनुष्य के विकास और मनुष्यों के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का अध्ययन किया जाता है. इस कोर्स में सामाजिक-सांस्कृतिक, जैविक-भौतिक तथा पुरातत्व का अध्ययन भी शामिल है. इस कोर्स में कॅरियर के कई विकल्प हैं.

बीए एंथ्रोपोलॉजी

- समाज के विकास, व्यवहार और संरचनाओं में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए यह एक अच्छा कोर्स है.
- इस कोर्स में आप मानव जाति के बारे में सीख और रिसर्च कर सकते हैं.
- बीए एंथ्रोपोलॉजी कोर्स के बाद कई करियर विकल्प मिलते हैं.
- इस कोर्स के जरिए मानव विकास और व्यवहार के जैविक और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करने को मिलता है. साथ ही आपको जगह जगह घूमने का अवसर भी मिलता है.

स्किल्स

- डेटा इकट्ठा करने, आकलन करने और व्याख्या करने की क्षमता
- समय प्रबंधन
- प्रोब्लम सॉल्विंग स्किल
- विश्लेषणात्मक कौशल
- चर्चा और समूह कार्य कौशल

जॉब प्रोफाइल्स

- मानव विज्ञानी
- डेटा वैज्ञानिक
- प्रोफेसर
- शोधकर्ता
- व्याख्याता
- समाजशास्त्री
- पुरातत्ववेत्ता
- मानव संसाधन
- प्रतिभा अधिग्रहण

भारतीय विश्वविद्यालय

- सेंट जेवियर्स कॉलेज
- नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज
- बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय – [बीएमयू]
- आर्य विद्यापीठ कॉलेज – [एवीसी]
- मोदी विश्वविद्यालय
- अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज
- शिया पीजी कॉलेज
- एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज
- निम्स विश्वविद्यालय
- करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय – [सीपीयू]

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

1. सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
2. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
3. फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
4. अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
5. इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
6. यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

कॅरियर स्कोप

- कॉलेज
- विश्वविद्यालय
- सरकारी एजेंसियां
- गैर सरकारी संगठन
- व्यवसाय
- स्वास्थ्य और मानव सेवाएं
- रोग नियंत्रण केंद्र
- विश्व स्वास्थ्य संगठन
- विश्व बैंक

विदेशी विश्वविद्यालय

- ट्रेंट विश्वविद्यालय
- सिराकस यूनिवर्सिटी
- टेनेसी विश्वविद्यालय
- लिमरिक विश्वविद्यालय
- कैंटरबरी विश्वविद्यालय
- दक्षिणी इलिनोइस विश्वविद्यालय एडवर्ड्सविले
- ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय
- मंदिर विश्वविद्यालय
- ओटागो विश्वविद्यालय
- शोरलाइन कम्युनिटी कॉलेज

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)